झारखण्ड का अपना दैनिक
झारखण्ड उजाला
सच आप तक

रांची, रविवार, 20 सितंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -92 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

रोबिन कुमार
अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय।

अधिवक्ताओं का मुख्य कार्य जनता को समय रहते उनकी परेशानियों से कोर्ट के माध्यम से न्याय दिलाना है । जिस पर सभी अभी बताओ तो साजन रहते हुए कार्य करने की आवश्यकता है ताकि जनता को समय पर न्याय मिल सके।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,33,700**
चांदी (प्रति किलो) : **2,36,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **74,294.96**
निफ्टी :- **23,346.40**

मौसम

अधिकतम तापमान : **29**
न्यूनतम तापमान : **22**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:36**
संध्या :- **17:49**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1831 को ब्रिटेन में भाप से चलने वाली पहली बस बनाई गई, जिसमें एक बार में 30 यात्री सफर कर सकते थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड हाईकोर्ट को मिले तीन नये जज, केंद्र सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

रांची। झारखंड सुपीरियर ज्यूडिशियल सर्विस कैडर के तीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों (पीडीजे) को झारखंड हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है. इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दी गयी है. विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गढ़वा के पीडीजे मनोज प्रसाद, साहिबगंज के पीडीजे अखिल कुमार तथा डालटनगंज के पीडीजे राम शर्मा को झारखंड हाईकोर्ट का न्यायाधीश बनाये जाने की अनुशंसा की थी. कॉलेजियम की अनुशंसा पर केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति का नोटिफिकेशन जारी किया. उल्लेखनीय है कि झारखंड हाईकोर्ट में वर्तमान में चीफ जस्टिस एमएस सोनक सहित 13 न्यायाधीश कार्यरत थे. तीन नये न्यायाधीशों की नियुक्ति के बाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 16 हो गयी है. वहीं, हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पद 25 हैं.

बीआईटी मेसरा के हॉस्टल में छात्रा की संदिग्ध मौत

रांची। बीआइटी मेसरा के हॉस्टल में शुक्रवार की रात एक छात्रा का शव कमरे में फंदे से लटका मिला. मृतका की पहचान गोड्डा जिले की रहने वाली अंजली सुमन के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलने के बाद बीआइटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. जानकारी के अनुसार, अंजली सुमन हॉस्टल नंबर-9 में रहती थी. शुक्रवार शाम कॉलेज से लौटने के बाद वह अपने कमरे में चली गयी. काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकलने और भोजन के समय भी उसके नहीं आने पर सहेलियों को अनहोनी की आशंका हुई. छात्राओं ने कमरे के दरवाजे में बने छेद से अंदर देखा तो अंजली पंखे से फंदे के सहारे लटकी हुई दिखाई दी.

पूर्व मंत्री विमला प्रधान का निधन, सीएम हेमंत सोरेन पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला संवाददाता

सिमडेगा/रांची। झारखंड की पूर्व पर्यटन मंत्री और सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रहीं बीजेपी की वरिष्ठ नेत्री दिवंगत विमला प्रधान को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी. शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत रांची के लोअर करमटोली में रोड नंबर-2 स्थित विमला प्रधान के आवास पहुंचे. जहां उन्होंने विमला प्रधान के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मौके पर मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों से भी मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मरांग बुरु से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों, समर्थकों और प्रशंसकों को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति और संबल प्रदान करें.

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की पूर्व मंत्री विमला प्रधान के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ा देने वाला है. सार्वजनिक जीवन में उनका योगदान और जनता के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा.

उन्होंने सिमडेगा सहित पूरे झारखंड के विकास के लिए लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाई. हेमंत सोरेन ने कहा कि विमला प्रधान समाज के हर वर्ग और समुदाय के कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली सजग और कर्मठ राजनेता थी. उनके इस तरह चले जाने को उन्होंने झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में विमला प्रधान के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा. बता दें, पूर्व मंत्री विमला प्रधान पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थी, और उनका रांची स्थित एक निजी सैमफोर्ड अस्पताल में इलाज चल रहा था. इलाज के दौरान शुक्रवार रात को उन्होंने अंतिम सांस ली. उनके निधन की खबर से परिवार, समर्थकों और शुभचिंतकों में शोक की लहर है.

भाजपा ने जताया दुख, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने बताया अपूरणीय क्षति

रांची। झारखंड सरकार की पूर्व मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेत्री विमला प्रधान के निधन पर भाजपा प्रदेश के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है. उनके निधन को पार्टी और झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए नेताओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिंतकों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है. प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने विमला प्रधान के निधन को अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक बताया है. उन्होंने कहा कि शुक्रवार की प्रात: ही अस्पताल जाकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी और उनके परिजनों से मुलाकात की. उनके निधन का समाचार सुनकर विश्वास नहीं हो रहा है. विमला प्रधान का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है. नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में लंबे समय तक सक्रिय रहकर विमला प्रधान ने समाज और प्रदेश की सेवा की. विमला प्रधान का निधन पार्टी के लिए एक बड़ी क्षति है. संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और जनसेवा के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा. संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि विमला प्रधान का निधन पार्टी के लिए बड़ी क्षति है. उन्होंने अपने राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया. पार्टी और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा एवं समर्पण को सदैव याद रखा जाएगा. इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, अर्जुन मुंडा, चम्पाई सोरेन, मधु कोड़ा, राष्ट्रीय मंत्री डॉ प्रदीप कुमार वर्मा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं संजय सेठ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, रवींद्र कुमार राय, दिनेशानंद गोस्वामी एवं यदुनाथ पाण्डेय आदि थे।

पीएम के रोजगार मेले में 143 युवाओं को मिली सरकारी नौकरी
सीसीएल सभागार में मंत्री संजय सेठ ने बांटे नियुक्ति पत्र

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। भारत सरकार के 30वें रोजगार मेले के तहत देशभर में 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए गए. देश के 45 शहरों में आयोजित रोजगार मेले के तहत रांची के सीसीएल सभागार में भी कार्यक्रम हुआ. यहां केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने 143 नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए. कार्यक्रम का आयोजन सेंट्रल जीएसटी एवं सेंट्रल एक्साइज की ओर से किया गया.

राष्ट्र सेवा के लिए तैयार हो रहे युवा

मौके पर संजय सेठ ने कहा कि युवा राष्ट्र सेवा के लिए तैयार हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि देश आर्थिक प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और युवाओं में समय प्रबंधन, अनुशासन तथा काम के प्रति समर्पण जरूरी है. उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में आने वाले युवाओं को अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाना चाहिए.

देश में दो लाख से अधिक स्टार्टअप

संजय सेठ ने कहा कि देश में दो लाख से अधिक स्टार्टअप और 8.5 करोड़ से अधिक लघु एवं मध्यम उद्योग हैं. उन्होंने कहा कि इनमें 2.17 करोड़ उद्यमों का संचालन महिलाएं कर रही हैं. उन्होंने युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि देश के करीब 67 करोड़ युवा विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं.

पब्लिक सर्वेंट की भूमिका महत्वपूर्ण

सेंट्रल जीएसटी के प्रधान आयुक्त योगेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि देशभर में 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में आने के साथ युवाओं की भूमिका और जिम्मेदारी बदल जाती है. उन्हें निर्णय लेने की जिम्मेदारी निभानी होगी और आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना होगा. उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना जरूरी है. सरकारी कर्मचारियों को तकनीक के साथ काम करने और बेहतर तरीके से जनसेवा करने पर ध्यान देना चाहिए.

रेलवे में सबसे ज्यादा नियुक्तियां

रांची में कुल 143 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया. इनमें सबसे अधिक 75 युवाओं को रेलवे में नियुक्ति मिली. रक्षा मंत्रालय में 22, डाक सेवा में 22, सीआईएसएफ में नौ और सीबीआई में आठ युवाओं की नियुक्ति हुई. नियुक्ति पाने वालों में 20 महिलाएं भी शामिल हैं. कार्यक्रम में सेंट्रल जीएसटी की एडीजी दीप्ति जयराज समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे.

प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन किया संबोधित

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से जुड़े और युवाओं को संबोधित किया. करीब 25 मिनट के संबोधन में उन्होंने युवाओं को राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पूरा करने के लिए झारखंड जैसे राज्यों को पर्याप्त आर्थिक सहयोग मिले : वित्त मंत्री

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन विकसित भारत की यात्रा के वित्तपोषण में झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्य के हितों को प्रमुखता से उठाया. उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दलीय राजनीति से ऊपर उठकर आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों को विशेष सहयोग देना जरूरी है. यह सम्मेलन 18 और 19 सितंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री और सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया. इस सम्मेलन में विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वित्तीय संसाधनों और राज्यों की आर्थिक जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने झारखंड के आर्थिक हितों और राज्य की जरूरतों को प्रमुखता से रखते हुए पिछड़े राज्यों को विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने के लिए विशेष सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया. मौके पर अपने संबोधन में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य केवल मजबूत अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि एक समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण भी इसका आधार होना चाहिए. प्रति व्यक्ति आय, सकल घरेलू उत्पाद, विनिर्माण उत्पादन, वित्त पोषण, घरेलू संस्थानों के निर्माण, जलवायु जोखिम प्रबंधन और राजकोषीय प्रबंधन जैसे आंकड़ों के आधार पर विकसित भारत की कल्पना तभी साकार हो सकती है, जब देश की वास्तविक सामाजिक और आर्थिक स्थिति का सही आकलन किया जाए. नीति आयोग के अनुमान के अनुसार वर्ष 2022-23 में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली आबादी का अनुमान 11.28 प्रतिशत था. वर्ष 2013-14 से 2022-23 के बीच करीब 24.8 करोड़ लोगों के गरीबी से बाहर आने का भी अनुमान है. विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए इन आंकड़ों को जमीनी स्तर पर भी मजबूत करना जरूरी होगा.

सामाजिक विकास के बिना आर्थिक विकास अधूरा

वर्तमान भारतीय राजनीति में जाति और धर्म का प्रभाव दिखाई देता है. यदि देश को जाति और धर्म के आधार पर बांटकर सत्ता तक पहुंचने की राजनीति होती रही, तो सामाजिक रूप से विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना चुनौतीपूर्ण होगा. आर्थिक विकास के साथ सामाजिक विकास भी जरूरी है. समाज के सभी वर्गों को समान अवसर और विकास का लाभ मिले, तभी विकसित भारत की अवधारणा सार्थक होगी. भारत की प्रति व्यक्ति आय दुनिया के शीर्ष 25 देशों की तुलना में काफी कम है. चालू कीमतों पर देश की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय करीब 2.05 लाख रुपए बताई जाती है. यह आंकड़ा कुल राष्ट्रीय आय को कुल आबादी से विभाजित करके निकाला जाता है. इससे राष्ट्रीय औसत आय का पता चलता है, लेकिन समाज में आय और संपत्ति का वास्तविक वितरण किस तरह हुआ है, इसका पूरा आकलन इससे नहीं हो पाता.

केंद्र से झारखंड के लिए तीन प्रमुख आग्रह

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने में खनिज संपदा से समृद्ध झारखंड की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है. इसके लिए लेख में केंद्र सरकार से तीन प्रमुख आग्रह किए गए हैं.

पहला, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के आलोक में अन्य राज्यों की तरह झारखंड को भी खनन कार्य पर सेस लगाने का अधिकार बहाल करने की मांग की गई है.

दूसरा, जीएसटी के कर युक्तिकरण से झारखंड को होने वाली संभावित आर्थिक क्षति की भरपाई मुआवजे के रूप में करने का आग्रह किया गया है.

तीसरा, देश के आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों के लिए जी-राम-जी योजना में केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय हिस्सेदारी को 60:40 से बदलकर पूर्व की तरह 90:10 करने की मांग की गई है.

पर्यावरण और जलवायु सम्मेलन में बोले पीएम मोदी
विकसित देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारत से 6 गुना ज्यादा

एजेंसी

नयी दिल्ली। पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के वैश्विक योगदान और हरित ऊर्जा में आई क्रांति का विस्तृत ब्योरा पेश किया। उन्होंने कहा कि विकसित देशों की तुलना में भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन नगण्य है। भारत जी-20 का इकलौता ऐसा देश है जिसने पेरिस समझौते के तहत तय किए गए अपने सभी वादों और लक्ष्यों को समय से काफी पहले पूरा कर लिया है। पिछले 12 सालों में रिन्यूएबल ऊर्जा क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व सुधारों ने देश को वैश्विक जलवायु अभियानों में एक अग्रणी भूमिका में ला खड़ा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि विकसित देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारत की तुलना में 6 गुना ज्यादा है। इसके बावजूद भारत जिम्मेदारी के साथ वैश्विक मंचों पर अपनी प्रतिबद्धता निभा रहा है। उन्होंने देशवासियों का आह्वान किया कि वे पर्यावरण के प्रति अपनी इस नैतिक ताकत को पूरी दुनिया के सामने मजबूती से रखें। भारत आज अपनी पारंपरिक और प्राचीन संरक्षण तकनीकों को आधुनिक तकनीक के साथ मिलाकर एक नया रोडमैप तैयार कर रहा है।

रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में पिछले 12 वर्षों में भारत ने असाधारण सफलता हासिल की है। देश की सौर ऊर्जा क्षमता जो पहले मात्र 2 गीगावाट थी, वह अब बढ़कर 160 गीगावाट से भी अधिक हो चुकी है। अकेले सोलर पावर के इस्तेमाल से करीब 20 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन को रोकने में बड़ी सफलता मिली है। इसके साथ ही विंड ऊर्जा की क्षमता में तीन गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है और हाइड्रो एनर्जी क्षमता में भी बड़ा इजाफा हुआ है।

पीएम सूर्य घर और कुसुम योजना से करोड़ों परिवार सशक्त

अक्षय ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं ने अहम भूमिका निभाई है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 50 लाख से अधिक घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिसके लिए सरकार प्रति घर करीब 80,000 रुपये तक की सहायता दे रही है। कृषि क्षेत्र में 'कुसुम योजना' के जरिए 30 लाख से अधिक किसानों के खेतों में सोलर पंप स्थापित किए गए हैं। वहीं, वन नेशन वन ग्रिड प्रोजेक्ट पूरा होने और करोड़ों घरों में एलईडी बल्ब पहुंचने से ऊर्जा बचत का नया अध्याय शुरू हुआ है। भारत ने केवल अपने देश में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर कई महत्वपूर्ण मंचों और एलायंस की नींव रखी है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वन वर्ल्ड वन ग्रिड, इंटरनेशनल सोलर एलायंस सीडीआरआई, ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस, इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस और मिशन लाइफ का विशेष उल्लेख किया।

होमगार्ड भर्ती को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया को लेकर शनिवार को उपायुक्त, रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता में संबंधित पदाधिकारियों एवं भर्ती समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया की अब तक की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी चरणों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पारदर्शी एवं नियमानुसार संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान कमांडेंट, होमगार्ड नीलिमा सोरे के द्वारा समिति को जानकारी दी गई कि होमगार्ड भर्ती के लिए अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त सभी आवेदनों की स्क्रूटनी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस पर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नियमानुसार आगे की प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए जिन अभ्यर्थियों के आवेदन रद्द किए गए हैं, उनकी सूची कारण सहित जारी की जाए, ताकि भर्ती प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को भर्ती समिति के साथ समन्वय स्थापित करते हुए शारीरिक दक्षता परीक्षा (Physical Efficiency Test) के आयोजन का विस्तृत रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा, अनुशासन एवं निर्धारित नियमों के अनुपालन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने को कहा।बैठक के उपरांत उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों के साथ सिद्धू-कान्हू मैदान का निरीक्षण भी किया। इस दौरान शारीरिक दक्षता परीक्षा में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न इवेंट्स को ध्यान में रखते हुए मैदान की उपलब्ध सुविधाओं, आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने इवेंट्स के अनुरूप विस्तृत प्लान तैयार करने तथा परीक्षा के सफल संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में निर्धारित नियमों एवं मानकों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए तथा अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण मुरारी तिर्की, गोपनीय प्रभारी रविन्द्र कुमार गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन, एसडीपीओ पतरातू राघवेंद्र शर्मा, डीआईओ मनीष सहित अन्य उपस्थित थे।

कुड़मी समाज की बैठक में आंदोलन की रणनीति पर मंथन, 20 सितंबर को पुरुलिया रवाना होंगे हजारों लोग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। शनिवार को रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड परिसर स्थित आरसीएम रजरप्पा रोड के प्रांगण में आदिवासी कुड़मी समाज, गोला प्रखंड के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राम विनय कटिआर ने की, जबकि संचालन सर्वेश्वर कडुआर ने किया। बैठक में मुख्य रूप से आदिवासी कुड़मी समाज के केंद्रीय महासचिव जगेश्वर नागवंशी केसरिआर उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 20 सितंबर 2026 का कार्यक्रम कुड़मी समाज द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन की दिशा और दशा तय करने में महत्वपूर्ण होगा। जिला अध्यक्ष राम विनय कटिआर ने बताया कि रामगढ़ जिले के गोला, रामगढ़, दुलमी, मांडू, चितरपुर और पतरातू प्रखंडों से हजारों कुड़मी समाज के लोग कुड़मी करम परबतिया महा जड़ुआहि कड़ाडि, पुरुलिया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 20 सितंबर की सुबह करीब तीन बजे सैकड़ों छोटी-बड़ी वाहनों से रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बैठक में माथुर महतो, सोहनलाल महतो, विनोद महतो, वकील महतो, सुदामा महतो, विक्रम महतो, लाल बहादुर चौधरी, शिवचरण महतो, अजीत कुमार महतो, रितु लाल महतो, रोहित राम महतो और भानु महतो समेत अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

एक स्वर, एक लय, एक समय—गूंजेगा वंदे मातरम्

दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर 25 सितंबर को लोहरदगा नगर के 17 केंद्रों पर होगा सामूहिक गायन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर 25 सितंबर 2026 को लोहरदगा नगर में वंदे मातरम् के सामूहिक गायन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय चेतना एवं सामाजिक एकात्मता की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। नगर के 17 प्रमुख स्थानों पर निर्धारित समय में एक साथ सामूहिक गायन होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर, लोहरदगा के वंदना सभागार में संकुल संयोजक शशिधर लाल अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में संकुल संयोजक शशिधर लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद राय, सचिव अजय प्रसाद, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं आचार्य-दीदी जी शामिल हुए। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य सह संकुल प्रमुख संजीव कुमार झा, सुंदरी देवी शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडेय, विमलेश तिवारी (सेन्हा), प्रमोद कुमार (कैरो), रूपेश कुमार (कुडू), मनोहर मोदी (बड़की चांपी), ओपा सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधि एवं आचार्य-दीदी जी उपस्थित रहे।बैठक में बताया गया कि लोहरदगा नगर के 17 प्रमुख स्थानों पर सामूहिक वंदे मातरम् गायन की व्यवस्था की गई है। निर्धारित केंद्रों पर शिशु मंदिर, विद्या मंदिर एवं प्लस-टू विद्यालयों के आचार्य एवं दीदी जी उपस्थित रहकर कार्यक्रम का संचालन और समन्वय करेंगे।कार्यक्रम से पूर्व उपस्थित लोगों को वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व, राष्ट्रभावना और राष्ट्रीय एकता में इसकी भूमिका की जानकारी भी दी जाएगी।बैठक में सामूहिक गायन के दौरान निर्धारित समय, एकरूप स्वर और लय बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही कार्यक्रम के वृत्तांत, जीपीएस कैमरा, लोकेशन और अन्य तकनीकी अभिलेखन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि सभी केंद्रों पर आयोजन का समुचित समन्वय और दस्तावेजीकरण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में तय किया गया कि 25 सितंबर को निर्धारित समय पर नगर के सभी 17 केंद्रों से एक साथ वंदे मातरम् की स्वर-लहरियां गूंजेंगी। आयोजकों के अनुसार सामूहिक गायन के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना एवं सामाजिक एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

'प्रहरी पहल' के तहत पतरातू में पुलिस का फ्लैग मार्च

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विभिन्न इलाकों में किया गया भ्रमण, असामाजिक तत्वों पर नजर रखने का दिया संदेश

पतरातूः पतरातू थाना पुलिस की ओर से 'प्रहरी पहल' के तहत थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्र एवं संवेदनशील स्थानों का भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस की सक्रियता से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल कायम करने के साथ आम लोगों में विश्वास का संदेश दिया गया। इस दौरान पुलिस जवानों ने लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। अभियान में एएसआई सुजीत कुमार सिंह, मोहम्मद जसीमुद्दीन, अर्जुन ठाकुर समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर नियमित गश्त एवं निगरानी की जा रही है। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील की गई। फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति भंग करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बरलंगा थाना का वार्षिक निरीक्षण, एसपी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ द्वारा शनिवार को बरलंगा थाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना के विभिन्न अभिलेखों की गहनता से जांच की गई तथा लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

एसपी ने लंबित वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की से संबंधित मामलों में शीघ्र कार्रवाई करने तथा वारंटियों एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष छापामारी अभियान चलाने का निर्देश दिया।

इसके अलावा बैंक एवं एटीएम की सुरक्षा पर विशेष निगरानी, क्षेत्र में अड्डाबाजी एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सघन गश्ती करने को कहा गया। आगामी करमा पर्व को देखते हुए क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा सतर्कता बरतने के संबंध में भी पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल में टैलेंट डे का आयोजन, बच्चों ने मंच पर दिखाई अपनी प्रतिभा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

प्रत्येक शनिवार बच्चों को मिलेगा अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर, भाषण, नृत्य और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बढ़ेगा आत्मविश्वास

लोहरदगा। ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल, लोहरदगा में बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को निखारने और उनमें आत्मविश्वास का विकास करने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार टैलेंट डे मनाने की योजना बनाई गई है। इस पहल के तहत विद्यालय के अनेक बच्चों ने मंच पर आकर अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने भाषण, नृत्य, कविता पाठ, राइम्स और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी कला का परिचय दिया।कार्यक्रम के दौरान कई बच्चों ने पहली बार मंच पर आकर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का प्रयास किया। विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य है कि बच्चों के मन से मंच पर बोलने, लोगों के सामने प्रस्तुति देने और अपनी बात रखने का संकोच दूर हो तथा उनमें आत्मविश्वास का विकास हो।हस्तलिखित विवरण में विद्यार्थियों के भाषण, नृत्य और राइम्स जैसी प्रस्तुतियों का उल्लेख किया गया है। इसके अतिरिक्त कई अन्य बच्चों ने भी मंच पर अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और रचनात्मकता का माहौल बना। विद्यालय के अध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक बच्चे के अंदर कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। विद्यालय का दायित्व है कि बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने के लिए उचित मंच और प्रोत्साहन दिया जाए। टैलेंट डे के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ दूसरों के सामने प्रस्तुति देने का अनुभव भी प्राप्त होगा।उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी इस शनिवार अपनी प्रतिभा प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे, वे अगले शनिवार भाषण, नृत्य, गायन, कविता पाठ या अपनी पसंद की अन्य गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। लगातार अभ्यास और मंच पर प्रस्तुति देने से बच्चों में बोलने की क्षमता, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा मिलेगा।विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि टैलेंट डे का आयोजन प्रत्येक शनिवार जारी रखने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को पहचान सकें और उसे निखारने का अवसर प्राप्त कर सकें।ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल, लोहरदगा का संदेश है कि हर बच्चे में एक विशेष प्रतिभा होती है। उचित अवसर, प्रोत्साहन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से बच्चे अपने सपनों को नई उड़ान दे सकते हैं।

दशलक्षण महापर्व के चतुर्थ दिन उत्तम शौच धर्म की भक्ति भाव से आराधना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। दशलक्षण महापर्व के चतुर्थ दिवस शनिवार, 19 सितंबर 2026 को रामगढ़ कैंट एवं रांची रोड स्थित जिनालयों में उत्तम शौच धर्म की श्रद्धा एवं भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की गई। दोनों जिनालयों में दशलक्षण महापर्व धूमधाम एवं धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही और अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी महाराज, मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज एवं क्षुल्लकश्री 105 दिव्यानंद जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में महापर्व के धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। सागर, मध्य प्रदेश से पधारे पंडित संदीप जी शास्त्री एवं संगीतकार अनुराग जैन के निर्देशन में विधि-विधान एवं भक्तिमय वातावरण में प्रतिदिन मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। श्री दिगंबर जैन मंदिर, रामगढ़ में पाण्डुशिला पर विराजमान पुष्पदंत भगवान जी की अष्टधातु प्रतिमा पर कलशाभिषेक का पुण्य लाभ श्री मानिक चंद जी, श्रीमती मीना देवी जी, अंकित, राहुल, मार्धव, अद्विक एवं त्रिशा पाटनी परिवार ने प्राप्त किया। शांतिधारा का पुण्य लाभ श्रीमती पुष्पा जी अजमेरा परिवार एवं समस्त अजमेरा परिवार ने लिया।तीनों वेदियों पर विराजमान बड़ी प्रतिमाओं के कलशाभिषेक का पुण्य लाभ श्री महावीर प्रसाद जी, नरेंद्र जी, नीलेश जी, रौनक एवं कुशल छाबड़ा परिवार, श्री महावीर प्रसाद जी, कांता जी, विकास जी, मेहुल एवं माहिर गंगवाल परिवार तथा श्रीमती पुष्पा जी अजमेरा परिवार ने प्राप्त किया।चंद्रप्रभ भगवान जी की प्राचीन प्रतिमा पर कलशाभिषेक का पुण्य लाभ श्री मानिक चंद जी, श्रीमती मीना देवी जी, अंकित, राहुल, मार्धव, अद्विक एवं त्रिशा पाटनी परिवार ने प्राप्त किया। महावीर भगवान जी की प्राचीन प्रतिमा पर कलशाभिषेक का पुण्य लाभ श्री विद्या प्रकाश जी एवं पदम चंद जी छाबड़ा परिवार ने लिया।आदिनाथ भगवान जी की बड़ी प्रतिमा पर शांतिधारा का पुण्य लाभ श्री संजय जी सेठी की पुत्री संयुक्ता के लंबे विदेश प्रवास से घर लौटने के उपलक्ष्य में समस्त सेठी परिवार ने लिया। पारसनाथ भगवान जी की बड़ी प्रतिमा पर शांतिधारा का पुण्य लाभ श्री अजय जी, अनु, सलोनी एवं सुहानी पाटनी परिवार ने प्राप्त किया। महावीर भगवान जी की बड़ी प्रतिमा पर शांतिधारा का पुण्य लाभ श्री पदम चंद जी, सुमत जी एवं आकर्ष जैन परिवार ने समस्त परिवार सहित प्राप्त किया।पुष्पदंत भगवान जी के निर्वाण लाडू का पुण्यार्जन श्रीमती अरुणा जी एवं डॉ. शरद जी जैन परिवार ने किया।दशलक्षण महापर्व के दौरान आज छोटे-छोटे बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक कलशाभिषेक एवं शांतिधारा में भाग लिया। बच्चों को मुनिसंघ द्वारा मंगल आशीर्वाद प्रदान किया गया तथा पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय, रांची रोड में भी अभिषेक एवं शांतिधारा के कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न हुए। प्रथम अभिषेक का पुण्य लाभ श्री विनोद जी एवं श्रीमती संगीता जी सेठी, रांची रोड ने प्राप्त किया। शांतिधारा का पुण्य लाभ श्री विनय कुमार जी एवं श्री रोहित जी जैन, रांची रोड ने लिया। श्रीमती उषा अजमेरा जी के सुपुत्र मयंक अजमेरा के जन्मदिवस के अवसर पर भी शांतिधारा में सहयोग किया गया। श्री प्रशांत जी एवं श्रीमती सुचिता सेठी, रांची रोड ने भी शांतिधारा में सहयोग प्रदान किया। रांची रोड जिनालय में निर्वाण लाडू का पुण्य लाभ श्री विनय कुमार जी एवं श्री रोहित जी जैन ने प्राप्त किया, जबकि संध्या आरती का पुण्य लाभ श्रीमती उषा अजमेरा, रामगढ़ ने लिया।इस अवसर पर आयोजित प्रवचन में मुनिश्री ने उत्तम शौच धर्म के आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए कहा कि उत्तम शौच केवल बाहरी स्वच्छता का नाम नहीं, बल्कि मन को लोभ, मोह, संग्रह एवं विकारों से मुक्त कर आत्मा को निर्मल बनाने की साधना है। संतोष, संयम एवं पवित्र भावों को जीवन में अपनाकर आत्मिक शुद्धि की ओर बढ़ने का संदेश दिया गया।दशलक्षण महापर्व के चलते पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। प्रतिदिन संध्या समय आरती, भजन एवं धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। भगवान की भक्ति, पूजन-अर्चना और भजनों से दोनों जिनालयों का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर है।महापर्व के आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, पूजन, अभिषेक, शांतिधारा, प्रवचन, आरती एवं अन्य मांगलिक कार्यक्रम मुनिसंघ के सान्निध्य में जारी रहेंगे। ऽपरोक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

खानिज अधिकारों की रक्षा को लेकर सड़क पर उतरा झामुमो प्रखंड मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन,

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर

राज्य के वित्तीय व संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा की मांग

पतरातूः खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 के प्रावधानों के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा की पतरातू प्रखंड समिति ने शनिवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने राष्ट्रपति के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी, पतरातू के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में झारखंड के जल, जंगल, जमीन एवं खनिज संसाधनों पर आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। झामुमो कार्यकताओं ने कहा कि संशोधित प्रावधानों से राज्यों के खनिज अधिकार और खनिज आधारित राजस्व प्रभावित होने की आशंका है। प्रदर्शन के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की नौ सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा 25 जुलाई 2024 को मिनरल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी बनाम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड मामले मे दिए गए फैसले का भी उल्लेख किया गया। कार्यकताओं ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा ने देश के औद्योगिक विकास और ऊर्जा जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, लेकिन खनन क्षेत्रों में विस्थापन, भूमि से वंचित होने, पर्यावरणीय क्षति तथा स्थानीय अधिकारों से जुड़े सवाल अब भी बने हुए हैं। ज्ञापन में खनन प्रभावित परिवारों के हितों को खनिज नीति के केंद्र में रखने,झारखंड से जुड़े करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये के लंबित खनन संबंधी आर्थिक दावों का शीघ्र निपटारा करने, खनिज उत्पादक राज्यों से प्रभावी परामर्श करने तथा राज्य के वित्तीय एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग की गई। धरना-प्रदर्शन में झलकू बेदिया, उदय अग्रवाल, हरिलाल बेदिया, मुकेश राउत, सीताराम मुंडा, अलीम अंसारी, चैलेन्द्र बेदिया, बीरेंद्र यादव, आजाद अंसारी, अशोक रजक, प्रमोद ठाकुर, मनोज महली, राजेश ठाकुर, नंदकिशोर मुंडा, चरकु गंजू, तुलेश्वर राम, लक्ष्मी राम, राजकुमार ठाकुर, मनसा बेदिया, शिवनाथ बेदिया, नकुल सिंह, शिवनारायण प्रसाद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

भदानीनगर में फैक्ट्री चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

रामगढ़। भदानीनगर स्थित वेंक्टेस फैक्ट्री में हुई चोरी के मामले में भदानीनगर ओपी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर 2026 की रात अज्ञात चोरों ने फैक्ट्री से वेल्डिंग मशीन, ग्रैंडर मशीन समेत अन्य सामान चोरी कर लिया था। इस संबंध में पतरातू (भदानीनगर) थाना में मामला दर्ज कराया गया था।मामले के अनुसंधान के क्रम में भदानीनगर ओपी पुलिस ने जमशेर अंसारी (लगभग 33 वर्ष), पिता- खैरुद्दीन अंसारी, निवासी चिकोर, थाना पतरातू (भदानीनगर), जिला रामगढ़ को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से चोरी की गई 02 इलेक्ट्रॉनिक वेल्डिंग मशीन, 01 ग्रैंडर मशीन और 01 मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस की कार्रवाई के बाद आरोपी को 19 सितंबर 2026 को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

करमा पर्व पर रोहित उरांव ने ग्रामीणों के बीच बांटे मांदर

लोहरदगाः करमा पर्व के शुभ अवसर पर शनिवार को समाजसेवी सह कांग्रेस नेता रोहित उरांव की ओर से लोहरदगा, कुडू एवं कैरो प्रखंड के ग्रामीणों के बीच पारंपरिक वाद्ययंत्र मांदर का वितरण किया गया। इस दौरान रोहित उरांव ने सभी को करमा पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि करमा पर्व भाई-बहन के प्रेम, प्रकृति और संस्कृति से जुड़ाव का प्रतीक है। यह पर्व समाज को अपनी परंपरा और जड़ों से जोड़े रखने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश है कि कोई भी परिवार पर्व की खुशियों से वंचित न रहे। पारंपरिक वाद्ययंत्र मांदर का वितरण इसी उद्देश्य से किया गया है।मांदर वितरण के दौरान ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए रोहित उरांव के प्रति आभार जताया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, विशाल डुंगडुंग, असलम अंसारी, जोगेंद्र उरांव, शिवचंद भगत, मुनिता उरांव, सुनीता उरांव, नंदलाल उरांव, मनमथ उरांव, विरेंदर उरांव, विजय भगत, सकिम अंसारी, धीरज उरांव, लक्ष्मण उरांव, राजू उरांव, भंगा भगत, कृष्णा उरांव, परिखा मुंडा, परमेश्वरी देवी, नेहा कुजूर सहित अन्य उपस्थित थे।

खान एवं खनिज संशोधन विधेयक के विरोध में झामुमो ने किया धरना प्रदर्शन

लोहरदगाः झामुमो के बैनर तले लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड स्तर पर खान एवं खनिज संशोधन विधेयक 2026 को लेकर केंद्र सरकार के विरोध में पार्टी कार्यकताओं ने शनिवार को धरना- प्रदर्शन कर केंद्र सरकार पर ताना शाही का आरोप लगया और केंद्र सरकार के विरुद्ध बड़े पैमाने पर आंदोलन की रणनीति की तैयारी पर विचार किया जा रहा है। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पूर्व में झामुमो जिला कार्यालय में आपातकालीन बैठक हुई थी। जिसमें केंद्रीय समिति के निदेशानुसार धरना- प्रदर्शन को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई थी। इन्ही तथ्यों को लेकर प्रखंड स्तर पर झामुमो पार्टी के कार्यकताओं ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर महोदया राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू के नाम प्रखंड व अंचल पदाधिकारी के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। धरना प्रदर्शन के दौरान राज्य के जनता का शोषण केंद्र सरकार द्वारा करने की बताते हुए राज्य के समाप्ति पर केंद्र का अधिकार होने से राज्यवासियों को मूलभूत सुविधाएं एवं सामूहिक विकास कार्य से प्रभावित होना तय बताया। राज्य में होने वाली समस्या का हवाला देते हुए धरना के माध्यम से आम लोगों को अवगत कराते हुए कहा अधिकारों के प्रति जागरूक होना राज्य के जनता को निहायत जरूरी है। धरना-प्रदर्शन के दौरान जीप सदस्य सह झामुमो नेत्री राधा तिर्की ने कहा कि झामुमो इस विधेयक के खिलाफ आंदोलन को आगे बढ़ायेगा और राज्य के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही कहा इस विधेयक के कारण राज्य के जनहित सेवा बाधित होगा। धरना मंच से आमजनों को आगाह करते हुए कहा राज्य के जनता जगरूक नही होने पर राज्य की समस्या बढ़ने का संभावना बढ़ रही है और इसकी खामियाजा सभी को चुकाना पड़ेगा। पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष अफरोज आलम ने कहा केंद्र सरकार झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है और ताना शाही का परिचय देते हुए राज्य के समाप्ति को अपने अधीन कर रहा है जिससे राजस्व का नुकसान के साथ जनहित एवं विकास ठप हो जाएगा जिसका सीधा असर मध्यम वर्ग के ऊपर आएगा बताते हुए अपील किया कि समय से पहले खान एवं खनिज संशोधन विधेयक 2026 को स्थगित नही किया जाएगा तो बडे पैमाने पर झामुमो के बैनर तले आंदोलन किया जाएगा जिसमें राज्य के तमाम जनता का सहयोग अपेक्षित है। मौके पर प्रदेश, जिला,प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कार्यकर्ता शामिल थे।

सेवा भारती के पदाधिकारियों ने लिया गुरुजी का आशीर्वाद

लोहरदगाः अग्रसेन भवन रांची में सर्राफ परिवार के द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शनिवार को समापन हुआ। कथा के सातवें दिन झारखंड प्रांतीय सेवा भारती के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुए और गुरुजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सेवा भारती की वार्षिक एवं मासिक विशेष पत्रिका गुरुजी को भेंट की गई।कार्यक्रम के दौरान लोहरदगा जिला सेवा भारती के अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बिहार-झारखंड क्षेत्र के व्यवस्था प्रमुख प्रेम अग्रवाल, सेवा भारती झारखंड प्रांतीय प्रचार प्रमुख जितेंद्र कुमार, झारखंड प्रांतीय संपर्क प्रमुख मनोज कुमार एवं महानगर सदस्य श्याम किशोर प्रसाद को अंगवस्त्र भेंट कर तथा राधा-कृष्ण का बैज लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भगवान सर्राफ, संजय सर्राफ एवं विकास सर्राफ ने भी सेवा भारती के पदाधिकारियों का सम्मान किया। सभी अतिथियों ने कथा के समापन अवसर पर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। कथा में श्रद्धालुओं ने भगवान की भक्ति और कथा श्रवण का लाभ उठाया।

एमएमडीआर कानून के खिलाफ झामुमो का राज्यभर के प्रखंड मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन, केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता-कार्यकर्ता नए एमएमडीआर कानून को वापस लेने की मांग को लेकर प्रदेश भर में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं. राज्य के सभी 260 प्रखंड कार्यालयों के बाहर शनिवार को झामुमो नेताओं और कार्यकताओं ने धरना दिया. इस क्रम में रांची के नामकुम प्रखंड कार्यालय के सामने भी जेएमएम के कार्यकताओं ने धरना दिया और केंद्र की सरकार से एमएमडीआर कानून को वापस लेने की मांग की.

अलग-अलग प्रखंड मुख्यालय में आज के धरना कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेवारी अलग-अलग नेताओं को सौंपी गई है. पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार रांची के तमाड़ में वहां के स्थानीय विधायक विकास सिंह मुंडा ने धरना का नेतृत्व किया तो सिल्ली में झामुमो के स्थानीय विधायक अमित कुमार महतो ने यह जिम्मेवारी संभाली. इसी तरह राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने मांडर प्रखंड कार्यालय के सामने एमएमडीआर के खिलाफ हुए धरने का नेतृत्व किया. झामुमो के रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने चान्हो प्रखंड में अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया तो नामकुम प्रखंड में झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य अंतु तिर्की ने धरना का नेतृत्व किया.

नामकुम प्रखंड मुख्यालय के सामने एमएमडीआर कानून के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा के धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अंतु तिर्की ने बताया कि जिस तरह से केंद्र की मोदी सरकार ने एमएमडीआर कानून में संशोधन किया है, उससे फायदा की जगह राज्य को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा. उन्होंने कहा कि राज्य में कई ऐसी योजनाएं चल रही हैं, जो समाज को सशक्त बनाती हैं, लेकिन एमएमडीआर कानून का दुष्परिणाम यह होगा कि राज्य की कई जन-कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने में मुश्किल होगी. उन्होंने कहा कि इस कानून के विरोध में झामुमो ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा कर रखी है. इसमें राज्य में आर्थिक नाकेबंदी भी शामिल है. अंतु तिर्की ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से साफ हो गया है कि मोदी सरकार आदिवासी-मूलवासियों के साथ-साथ झारखंड विरोधी है, लेकिन झामुमो और उसके नेता ऐसा कोई काम नहीं होने देंगे जिससे झारखंड को आर्थिक और सामाजिक तौर पर नुकसान उठाना पड़े.

वहीं कोडरमा में भी एमएमडीआर कानून के खिलाफ आज झामुमो नेताओं और कार्यकताओं ने जिले के सभी 6 प्रखंडों में धरना-प्रदर्शन किया. सदर प्रखंड मुख्यालय के समक्ष झामुमो के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे के नेतृत्व में धरना दिया गया, जिसमें पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता भी शामिल हुईं. इस मौके पर जेएमएम के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे ने कहा कि इस धरना-प्रदर्शन के जरिए एमएमडीआर कानून को वापस लेने की मांग की जा रही है. इसके बावजूद भी अगर संशोधन बिल वापस नहीं लिया गया तो जेएमएम जिलास्तर और राज्यस्तर पर व्यापक आंदोलन करेगा. वहीं जेएमएम नेत्री और जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने भी एमएमडीआर कानून का विरोध किया.

इधर, धनबाद के निरसा प्रखंड कार्यालय के समक्ष भी शनिवार को झामुमो की ओर से धरना-प्रदर्शन किया गया. जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं के साथ सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं. प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एमएमडीआर कानून को वापस लेने की मांग की. प्रदर्शन में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली. महिलाओं ने हाथों में पार्टी का झंडा लेकर कानून के विरोध में आवाज बुलंद की और केंद्र सरकार से फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की.

वहीं खान एवं खनिज संशोधन कानून के खिलाफ पाकुड़ जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों के समक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं और कार्यकताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. पाकुड़ के महेशपुर, पाकुड़िया, लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा व हिरणपुर प्रखंड में भी धरना-प्रदर्शन किया गया. पाकुड़ जिला मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने किया. मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा झारखंड में सरकार को अस्थिर व परेशान करने की मंशा से यह कानून बनाया गया है. केंद्र सरकार झारखंड को ही कमजोर करने की साजिश रच रही है. वहीं मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम यादव, प्रखंड अध्यक्ष मो. मुस्लिउद्दीन शेख, हबीबुर रहमान, इस्माइल शेख, प्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे.

ऑर्किड अस्पताल में मरीज की मौत के बाद हंगामा, इलाज व बिलिंग को लेकर परिजनों ने उठाए सवाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। लालपुर स्थित ऑर्किड अस्पताल में एक मरीज की मौत के बाद शनिवार को परिजनों ने जमकर हंगामा किया. परिजनों ने अस्पताल के इलाज और बिलिंग सिस्टम पर गंभीर सवाल उठाए. मामले की जानकारी मिलने के बाद सिविल सर्जन ने तीन डॉक्टरों की टीम को अस्पताल भेजकर जांच कराई. टीम ने मौके की जानकारी लेने के बाद अपनी रिपोर्ट सिविल सर्जन को सौंप दी है. परिजनों का आरोप है कि मरीज की मौत रात करीब 2 बजे हो गई थी. इसके बावजूद सुबह 5:30 बजे तक फामेर्सी का बिल बनाया जाता रहा. परिजनों ने यह भी सवाल उठाया कि करीब दो घंटे में मरीज को 200 इंजेक्शन कैसे दिए गए. मृतक के परिजनों के अनुसार, उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से भी की थी. उनका आरोप है कि थाना प्रभारी ने ऋक्रऋदर्ज नहीं की और उन्हें शव ले जाने के लिए कहा गया. परिजनों का कहना है कि पुलिस ने मामले की प्रक्रिया में करीब एक महीने का समय लगने की बात कही. इसके बाद परिजन विधायक इरफान अंसारी के आवास पहुंचे और मामले की जानकारी दी. परिजनों ने उनसे कार्रवाई की मांग की. परिजनों का यह भी कहना है कि वे लंबे समय से अस्पताल में मौजूद हैं. इस दौरान परिवार की एक महिला सदस्य की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई.

जल जीवन मिशन की योजनाओं की अब थर्ड पार्टी करेगी जांच 34 हजार निमार्णाधीन स्कीमों की होगी क्वालिटी टेस्टिंग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झारखंड में जल जीवन मिशन के तहत चल रही जलापूर्ति योजनाओं की गुणवत्ता अब थर्ड पार्टी एजेंसियां जांचेंगी. केंद्र सरकार के निर्देश पर एजेंसी चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता आएगी. जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत झारखंड में संचालित ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की गुणवत्ता और निर्माण कार्यों की अब थर्ड पार्टी एजेंसी (टीपीए) जांच करेगी. केंद्र सरकार के निर्देश के बाद एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इसके लिए पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रांची पश्चिम के कार्यपालक अभियंता ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया है.

चयनित एजेंसी को राज्य के नौ जोन और सर्किल में संचालित जलापूर्ति योजनाओं के इंजीनियरिंग कार्यों का निरीक्षण करना होगा. परियोजना की अवधि 31 दिसंबर 2028 तक निर्धारित की गई है. आरएफपी के अनुसार, एजेंसी ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल घटकों से जुड़े इंजीनियरिंग कार्यों का थर्ड पार्टी निरीक्षण करेगी. इसका उद्देश्य योजनाओं में हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुसार उनके क्रियान्वयन की जांच करना है.

एजेंसी के चयन को लेकर प्री-बिड बैठक 25 सितंबर को दोपहर तीन बजे सीडीओ, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, डोरंडा, रांची में होगी. ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 अक्टूबर को शाम पांच बजे तक निर्धारित की गई है. वहीं, हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर शाम चार बजे तक है. तकनीकी प्रस्ताव 13 अक्टूबर को शाम पांच बजे ऑनलाइन खोला जाएगा.

एजेंसी के लिए पिछले पांच वर्षों में कम से कम तीन समान कार्य पूरे करने की शर्त रखी गई है. प्रत्येक समान कार्य की परियोजना लागत कम से कम 10 करोड़ रुपये होनी चाहिए. इसके अलावा एजेंसी का भारत में कम से कम पांच वर्षों से पंजीकृत और संचालित होना तथा आईएसओ 9001 प्रमाणित होना जरूरी है. पिछले तीन वित्तीय वर्षों में एजेंसी का औसत वार्षिक टर्नओवर कम से कम 15 करोड़ रुपये होना चाहिए. इसके साथ जीएसटी, पैन और आकलन वर्ष 2026-27 का आयकर रिटर्न प्रमाणपत्र भी जमा करना होगा. जल जीवन मिशन के तहत राज्य में ग्रामीण पेयजलापूर्ति के लिए कुल 98,936 योजनाएं निर्धारित की गई हैं. इनमें 97,929 सिंगल विलेज स्कीम और 1,007 मल्टी विलेज स्कीम शामिल हैं.

झारखंड के अधिकारों पर डाका डालने वाले कानून के खिलाफ आंदोलन तेज होगा : विनोद पांडेय

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के खनिज कानून के खिलाफ झामुमो का उलगुलान आज राज्य के प्रखंड मुख्यालयों से गांव-गांव तक पहुंचा है। झारखंड की जनता ने साफ कर दिया है कि अपनी जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा के अधिकार से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि एमएमडीआर संशोधन कानून केवल झारखंड के खनिज राजस्व पर हमला नहीं है, बल्कि यह राज्यों के संवैधानिक अधिकार और वित्तीय स्वायत्तता को कमजोर करने का प्रयास है। एक ओर केंद्र सरकार झारखंड की खनिज संपदा पर अधिकार बढ़ाना चाहती है, दूसरी ओर राज्य के वर्षों पुराने बकाये के सवाल पर भाजपा जवाब देने से बच रही है। भाजपा ने 1.36 लाख करोड़ रुपये का हिसाब मांगा था, अब भाजपा को भी इसका हिसाब देना चाहिए। झारखंड सरकार के अनुसार इस बकाये में करीब 1.01 लाख करोड़ रुपये भूमि मुआवजा, करीब 32 हजार करोड़ रुपये कॉमन कॉज से जुड़े बकाये और करीब 2,500-2,900 करोड़ रुपये वॉश्ड कोल रॉयल्टी सहित अन्य देनदारियां शामिल हैं। राज्य सरकार इसी बकाये की वसूली का दावा करती रही है। महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि झारखंड को खनन का प्रदूषण, विस्थापन, पर्यावरणीय नुकसान और सामाजिक कीमत चुकानी पड़ती है। ऐसे में राज्य को अपने खनिज संसाधनों से मिलने वाले राजस्व और अपने अधिकारों से वंचित करने की कोशिश झारखंड की जनता स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि झामुमो ने आज प्रखंड मुख्यालयों पर विरोध का पहला चरण पूरा किया है। अब आंदोलन और व्यापक होगा। अगली कड़ी में जिला मुख्यालयों पर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा और इसके बाद राज्य स्तरीय बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक झारखंड के हितों के खिलाफ लाए गए प्रावधानों पर केंद्र सरकार पुनर्विचार नहीं करती। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व में झारखंड अपने अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ रहा है। झामुमो सड़क से लेकर संवैधानिक और कानूनी मंच तक इस मुद्दे को उठाएगा। यह केवल किसी दल का आंदोलन नहीं, बल्कि झारखंड के अधिकार, खनिज संपदा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की लड़ाई है। जल-जंगल-जमीन और खनिज पर झारखंड का अधिकार है। इस अधिकार की रक्षा के लिए उलगुलान जारी रहेगा।

प्राचीन पंचमुखी विश्वकर्मा मंदिर परिसर में विश्वकर्मा महोत्सव आयोजित, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय हुए शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। चूना भट्ठा स्थित प्राचीन पंचमुखी विश्वकर्मा मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय विश्वकर्मा महोत्सव श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के वातावरण में संपन्न हो गया। महोत्सव के दूसरे दिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद संध्या 7 बजे भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान विश्वकर्मा की आराधना की। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, वार्ड संख्या 27 की पार्षद बबली सोनी, वार्ड संख्या 29 के पार्षद सुनील यादव, पार्षद प्रतिनिधि मनीष सोनी, शिवनंदन मिश्रा सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। महाआरती के पश्चात आयोजित भजन संध्या में श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए और पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार को प्रातः 10 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन का आयोजन किया गया। इसके बाद संध्या 5 बजे भगवान विश्वकर्मा की शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालु अबीर-गुलाल उड़ाते हुए और जयकारे लगाते हुए प्रतिमा को चूना भट्ठा चौक मार्ग से मधुकम तालाब तक लेकर पहुंचे, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमा का विसर्जन किया गया। महोत्सव के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष अवधेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष अजय शर्मा, मनीष सोनी, उपाध्यक्ष विनोद शर्मा (नन्हे), उमेश शर्मा, उपेंद्र शर्मा, सचिव उदय शर्मा, प्रकाश सोनी, जगदेव विश्वकर्मा तथा कार्यकारिणी सदस्य कृष्णकांत शर्मा, विद्यानंद विद्यार्थी, मनोज शर्मा, डॉ. रामदयाल शर्मा, अभिषेक कुमार अनुपम कुमार, सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया। समिति के पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले मोहल्लावासियों, श्रद्धालुओं एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खबर एक नजर

आजादी के बाद से सात टोलों में बिजली नहीं, ग्रामीणों ने लगायी गुहार

तमाड़। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पारमडीह एवं मानकीडीह के सात टोलों में आजादी के बाद से अब तक बिजली आपूर्ति नहीं होने का मामला सामने आया है। शनिवार को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के रांची जिला प्रभारी विकेश्वर महतो के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर संबंधित अधिकारियों से पहल की। ग्रामीणों के अनुसार पारमडीह एवं मानकीडीह के सात टोला–डाअजोबला, सलगाडीह (एदेलबेड़ा), चिमटीउली, कोटामाटी, चोपोलर और लोवाडीह सहित अन्य टोलों में बिजली की सुविधा नहीं है। बिजली नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं, रात में घरेलू कार्य करने में भी ग्रामीणों को परेशानी होती है। ग्रामीणों ने बताया कि अंधेरा रहने के कारण जंगली जानवरों का भी खतरा बना रहता है। इस संबंध में कुछ ग्रामीणों को रांची ले जाकर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राज्य प्रभारी राजेश कुमार सिंह को पत्र सौंपा गया। इसके बाद बिजली विभाग के जीएम से भी वार्ता की गयी। अधिकारियों की ओर से जल्द बिजली आपूर्ति शुरू कराने का आश्वासन दिया गया। मौके पर करम सिंह पाहन, जावरा मुंडा, आचु मुंडा एवं पीताय मुंडा सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

एक दिवसीय कीर्तन-संकीर्तन से भक्तिमय हुआ आमलेशा

तमाड़। प्रखंड क्षेत्र के आमलेशा गांव निवासी समाजसेवी रीतेश मुखर्जी ने अपने सुपुत्र अधरीत मुखर्जी के द्वितीय जन्मदिवस के अवसर पर गांव में एक दिवसीय कीर्तन-संकीर्तन का आयोजन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कीर्तन-संकीर्तन में हिस्सा लिया। आयोजन से पूरे गांव का माहौल भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान का स्मरण कर सुख-समृद्धि की कामना की। जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में भी उत्साह देखा गया। देर तक चले कीर्तन-संकीर्तन से पूरा गांव भक्तिरस में डूबा रहा।

सभी जिलों में बारिश व वज्रपात की संभावना, 7 जिलों में येलो अलर्ट

रांची। झारखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है. मौसम विभाग ने आज 19 सितंबर को राज्य के सभी जिलों में बारिश और वज्रपात की संभावना जताई है. इस दौरान कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने राज्य के 7 जिलों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है. इनमें गिरिडीह, हजारीबाग, बोकारो, देवघर, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और गुमला शामिल हैं. इन जिलों में तेज बारिश के साथ 35 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है. रांची में भी आज बारिश हो सकती है. मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी का अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. आईएमडी ने बारिश और वज्रपात के दौरान लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है. खासकर खुले स्थानों पर रहने से बचने की सलाह दी गयी है.

सीसीएल : लेखा लिपिक ग्रेड-दो के 35 पदों पर भर्ती, 9 अक्टूबर तक करें आवेदन

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मानव संसाधन/कर्मचारी स्थापना विभाग ने स्थायी कर्मचारियों के लिए आंतरिक अधिसूचना जारी की है. वर्ष 2026-27 के स्वीकृत श्रमशक्ति बजट के तहत लेखा लिपिक, ग्रेड-क्क (प्र) के पदों पर विभागीय चयन प्रक्रिया शुरू की गई है. इस चयन प्रक्रिया के तहत कुल 35 रिक्त पदों पर पात्र कर्मचारियों से आवेदन मांगे गए हैं. इनमें 25 पद अनारक्षित और दो पद एससी श्रेणी के लिए बताए गए हैं. आवेदन के लिए पात्रता एवं योग्यता की कटऑफ तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर 2026 है. इस पद के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. सीसीएल के केवल नियमित और स्थायी कर्मचारी ही आवेदन कर सकते हैं. उच्चतर श्रेणी के कर्मचारी इस विभागीय चयन प्रक्रिया में आवेदन नहीं कर सकेंगे. आवेदक के पास पिछले तीन वर्षों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) होना जरूरी है. एसीआर में न्यूनतम अच्छा ग्रेड होना चाहिए. इसके अलावा विभागीय अनापत्ति के साथ उम्मीदवार का सतर्कता और विभागीय क्लियरेंस भी पूरी तरह साफ होना आवश्यक है. उम्मीदवारों का चयन 100 अंकों की ओएमआर आधारित लिखित परीक्षा के प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा.

सीसीएल में 'मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण' विषय पर कार्यशाला आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सीसीएल के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग द्वारा कल्याण विभाग के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीसीएल मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में सीसीएल के महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) श्री एम.एफ. हक एवं महाप्रबंधक (कल्याण) श्री एस.के. ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची की अतिथि विशेषज्ञ सुश्री रश्मि बिरुवा एवं सुश्री कल्पना टोप्पो ने प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी साझा की। कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों एवं मुख्यालय से आए एसओ (एचआर) सहित कुल 57 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र को संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण स्वरूप प्रदान किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन तथा स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन जैसे विषयों पर सक्रिय रूप से चर्चा की।

कार्यशाला के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य की तरह ही व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता का महत्वपूर्ण आधार है। कार्यस्थल पर तनाव को पहचानना, उसका प्रभावी प्रबंधन करना तथा व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना कर्मचारियों के कल्याण के लिए आवश्यक है। खनन उद्योग की कार्यप्रकृति को देखते हुए ऐसे कार्यक्रमों का विशेष महत्व है। खनन क्षेत्र में कार्य अक्सर चुनौतीपूर्ण एवं लक्ष्य-उन्मुख वातावरण में किया जाता है, जहां कर्मचारियों को विभिन्न परिस्थितियों में उच्च स्तर की जिम्मेदारियों का निर्वहन करना पड़ता है।

ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, तनाव प्रबंधन एवं सकारात्मक कार्य वातावरण कर्मचारियों के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यंत संवादात्मक, ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक रही। इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझने, तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने तथा स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने के लिए व्यावहारिक जानकारी एवं उपयोगी सुझाव प्राप्त हुए। सीसीएल अपने कर्मचारियों के समग्र कल्याण, स्वस्थ कार्य वातावरण तथा बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को निरंतर प्राथमिकता देता है और इस दिशा में जागरूकता एवं क्षमता-विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता रहा है।

रांची रेल मंडल में पहली बार इंटर डिपार्टमेंटल स्पोर्ट्स मीट, कर्मचारियों ने दिखाया खेल उत्साह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल में कर्मचारियों के बीच खेल भावना को बढ़ावा देने और खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से पहली बार ह्यइंटर डिपार्टमेंटल स्पोर्ट्स मीट-2026ह्ल का आयोजन किया जा रहा है. शुक्रवार को हटिया स्थित हॉकी स्टेडियम में प्रतियोगिता का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक सह अध्यक्ष/रएफ्रअ रांची करुणा निधि सिंह और सर्वो रांची की अध्यक्षा निधि सिंह ने किया. कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुई. इसके बाद थीम सॉन्ग पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई. विभिन्न विभागों की टीमों ने स्काउट एवं गाइड के ढोल की ताल पर मार्च पास्ट किया. मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य अतिथियों ने इस दौरान SERSA रांची के प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया. इसके बाद प्रतिभागी दलों का परिचय कराया गया.

गुब्बारे उड़ाकर स्पोर्ट्स मीट के शुभारंभ की घोषणा की गई. उद्घाटन के अवसर पर एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. इसमें पुरुष और महिला रेल कर्मचारियों के लिए 100 मीटर दौड़ तथा पुरुष कर्मचारियों के लिए 400 मीटर रिले दौड़ कराई गई. अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साह के साथ हिस्सा लिया. प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में बेहतर प्रदर्शन को लेकर उत्साह नजर आया. मंडल रेल प्रबंधक सह अध्यक्ष/रएफ्रअ करुणा निधि सिंह ने खिलाड़ियों और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि खेल कर्मचारियों में अनुशासन, टीम भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है. उन्होंने प्रतिभागियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में शामिल होने का आह्वान किया. रांची मंडल में पहली बार आयोजित इस इंटर डिपार्टमेंटल स्पोर्ट्स मीट के जरिए अलग-अलग विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है.

खनिज संशोधन विधेयक बिल के विरोध में राजमहल व उधवा एक दिवसीय धरना का आयोजन, शामिल हुए राजमहल विधायक.

केंद्र सरकार झारखंड के खनिज को लुटने व गरीबों के योजनाओं को खत्म करने का कर रही है षड्यंत्र– विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा.

कृष्ण कांत स्वर्णकार जिला ब्यूरो साहिबगंज

राजमहल/उधवा

/साहिबगंज।खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के विरोध में झामुमो नगर सह प्रखंड कमेटी की ओर से शनिवार को प्रखंड कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया.कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान ने की. विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा मुख्य रूप से शामिल हुए. धरना के दौरान कार्यकताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के प्रस्तावित संशोधन का विरोध किया.तख्तियों पर ह्यसंघात्मक ढांचा मत तोड़ो, राज्यों के अधिकार मत छेड़ोह्ण समेत कई नारे लिखे थे.विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कहा कि झारखंड की अर्थव्यवस्था और यहां के लोगों की आजीविका काफी हद तक खनिज संसाधनों से जुड़ी है. ऐसे में राज्य की खनिज संपदा पर राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने वाला कोई भी कदम स्वीकार नहीं किया जायेगा. केंद्र सरकार को संघीय व्यवस्था की मयार्दा का सम्मान करते हुए राज्यों के अधिकारों और हितों की रक्षा करनी चाहिए.उन्होंने कहा कि झामुमो जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों पर झारखंड के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करता रहेगा.राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का लाभ यहां की जनता को मिलना चाहिए. केंद्र की नीतियों से यदि राज्य के अधिकार प्रभावित होते हैं, तो पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेगी। उन्होंने बड़े नीतिगत फैसले लेने से पहले राज्यों और आम जनता के हितों को ध्यान में रखने की मांग की.

भाजपा पर लगाया सरकार को कमजोर करने का आरोप

विधायक ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि झारखंड में झामुमो के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार चल रही है, जिसे भाजपा स्वीकार नहीं कर पा रही है.उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को कमजोर करने के लिए राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि झामुमो कार्यकर्ता सोशल मीडिया समेत विभिन्न माध्यमों से लोगों के बीच संशोधन विधेयक के प्रावधानों और इसके संभावित प्रभावों को रखेंगे.विधायक ने ये भी कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में गरीबों के लिए आवास, उत्कृष्ट विद्यालय, स्वास्थ्य सुविधाएं, सिंचाई परियोजनाएं और कृषि क्षेत्र में कई योजनाओं पर काम हुआ है.महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, युवाओं के लिए स्वरोजगार व रोजगार के अवसर तथा वृद्धावस्था पेंशन समेत कई योजनाएं चल रही हैं.उन्होंने आरोप लगाया कि इन जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से सरकार को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है. झारखंड की जनता किसी भी तरह के दबाव या बहकावे में आने वाली नहीं है.पार्टी इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जायेगी और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेगी.मौके पर विधायक प्रतिनिधि सह नगर उपाध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, जिला सचिव सुरेश टुडू, प्रखंड सचिव दुर्गा मंडल, नगर अध्यक्ष मो. अजरुद्दीन, घीसू शेख, सिंटू चौरसिया, जिला परिषद सदस्य अबदुल बारीक, मुखिया प्रतिनिधि अफजल शेख समेत नगर व प्रखंड कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे.

उधवा

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक,2026 के विरोध में शनिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से उधवा प्रखंड मुख्यालय में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया. पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा मुख्य रूप से शामिल हुए.धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में झामुमो के पदाधिकारी,कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे.धरना स्थल पर पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.प्रदर्शन के दौरान ह्लखनिज लूट की नीति बंद करोह्व, ह्लजल, जंगल,जमीन की रक्षा करोह्व समेत कई नारे लगाए गए. कार्यकताओं ने कहा कि झारखंड की पहचान और अर्थव्यवस्था में प्राकृतिक संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है और राज्य के खनिज संसाधनों से जुड़े अधिकारों एवं हितों की रक्षा जरूरी है.झामुमो नेताओं ने कहा कि पार्टी इस विधेयक को झारखंड के हितों के विपरीत मानते हुए इसका विरोध कर रही है.पार्टी का आरोप है कि संशोधन से खनिज संपदा से मिलने वाले राजस्व और राज्य के अधिकारों पर असर पड़ सकता है.इसी मुद्दे को लेकर झामुमो ने राज्यभर में चरणबद्ध आंदोलन का आह्वान किया है.

विधायक एमटी राजा ने कहा काला कानून वापस लेना होगा

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार को यह ह्लकाला कानूनह्व वापस लेना होगा.उन्होंने कहा कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा से जुड़े अधिकारों की रक्षा के लिए झामुमो लगातार संघर्ष करता रहेगा. विधायक ने कहा कि झामुमो अपने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बताए रास्ते पर चलते हुए झारखंड और झारखंडवासियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाता रहेगा.उन्होंने कहा कि पार्टी किसी भी परिस्थिति में राज्य के हितों से समझौता नहीं करेगी.एमटी राजा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंडवासियों को परेशान करने का काम कर रही है.उन्होंने पूर्व की राजनीतिक घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन को भी पूर्व में जेल भेजा गया था. यह उनके संबोधन में लगाया गया राजनीतिक आरोप है.

झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये दिया जाए

विधायक ने केंद्र सरकार पर झारखंड की बकाया राशि का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र पर झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये बकाया है. उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकार और बकाया राशि से जुड़े मुद्दों को लेकर झामुमो लगातार आवाज उठाता रहेगा.उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है.यहां की खनिज संपदा का इस्तेमाल राज्य के विकास और यहां के लोगों के हित में होना चाहिए.पार्टी नेताओं ने कहा कि खनिज संपदा से जुड़े निर्णयों में राज्य के हितों और अधिकारों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए.

विरोध जारी रखने की चेतावनी

विधायक एमटी राजा ने कहा कि यदि केंद्र सरकार खनिज संशोधन कानून को वापस नहीं लेती है तो झामुमो का आंदोलन और तेज किया जाएगा. उन्होंने कहा कि पार्टी के नेतृत्व में आंदोलन को सड़क से लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर तक ले जाया जाएगा.धरना-प्रदर्शन के दौरान पार्टी के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे.नेताओं ने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और झारखंड के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाने का आह्वान किया.झामुमो की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम पार्टी के राज्यव्यापी आंदोलन का हिस्सा है.पार्टी ने इससे पहले भी इस विधेयक के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाने और प्रखंड मुख्यालयों पर धरना देने की घोषणा की थी.धरना-प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने एकजुट होकर खनिज संशोधन विधेयक वापस लेने की मांग की.मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बसंती हांसदा, झामुमो जिला संगठन सचिव काजू मल्लिक,केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान, जिप सदस्य रानी हांसदा ,सहनारा बीबी ,प्रमुख स्टेनशिला सोरेन,तजरुल हक, अनवारूल हक ,नेहरूल इस्लाम, सकल हेंब्रम,अजरूद्दीन शेख, आलमगीर उर्फ बादल आलम, मो इकबाल सहित अन्य मौजूद थे.

मालदा मंडल में चला गहन स्वच्छता अभियान, 1000 स्थानों को बनाया गया क्लीनिंग टारगेट यूनिट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

साहिबगंज।स्वच्छता ही सेवा-2026 के तहत पूर्व रेलवे के मालदा मंडल में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक गहन स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष अभियान की थीम स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत रखी गई है। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के साथ स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं संबंधित शाखा अधिकारियों की निगरानी में मंडल के विभिन्न स्थानों पर 1000 क्लीनिंग टारगेट यूनिट्स चिन्हित कर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, लॉबी, रनिंग रूम, शौचालयों सहित अन्य रेलवे परिसरों में गहन सफाई की जा रही है।अभियान के तहत पूर्व रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने संयुक्त रूप से विद्यालय परिसर, आसपास के क्षेत्र एवं पार्क की सफाई की। इस दौरान स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर वातावरण के महत्व के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। वहीं केंद्रीय विद्यालय, मालदा में विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे के पृथक्करण और उचित निस्तारण के बारे में जानकारी दी गई। मालदा मंडल के प्रमुख स्टेशनों मालदा टाउन, न्यू फरक्का, धुलियान गंगा, जंगीपुर रोड, बड़हरवा, साहिबगंज, शिवनारायणपुर, पीरपैंती, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर, बाराहाट, बांका एवं गोड्डा सहित अन्य स्टेशनों पर भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया।इसके अलावा बुकिंग एवं पार्सल कार्यालयों, क्रू एवं बुकिंग लॉबी, रनिंग रूम, पे एंड यूज शौचालयों तथा विभिन्न कार्यालय इकाइयों में भी सफाई की गई। अभियान में मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।रेलवे की इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ रेलवे परिसरों को बनाए रखने के साथ स्वच्छता अभियान में लोगों की भागीदारी बढ़ाना है। स्वच्छता ही सेवा-2026 के माध्यम से मालदा मंडल द्वारा स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने का संदेश दिया जा रहा है।

सर्पदंश से बचाव को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों को दिया प्रशिक्षण, झाड़-फूंक से बचने की अपील

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस के अवसर पर शनिवार को सिविल सर्जन कार्यालय, साहिबगंज के सभागार में सर्पदंश की रोकथाम एवं नियंत्रण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन, साहिबगंज ने की। इसमें जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (CHO), सिविल सर्जन कार्यालय के पदाधिकारी व कर्मी तथा सभी प्रखंडों के ब्लॉक डाटा मैनेजर सहित संबंधित कर्मियों ने भाग लिया। सर्पदंश से बचाव एवं रोकथाम का संदेश आमजनों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।प्रशिक्षण के दौरान सर्पदंश की पहचान, सर्पदंश की स्थिति में तत्काल किए जाने वाले उपाय, मरीज को समय पर स्वास्थ्य संस्थान पहुंचाने, उपचार प्रक्रिया, समुदाय में जागरूकता तथा सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकने में स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम में वन विभाग के सर्प मित्र जितेंद्र हजारे को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। उन्होंने विभिन्न विषैले एवं गैर-विषैले सांपों को सुरक्षित रूप से प्रशिक्षण स्थल पर लाकर प्रतिभागियों को उनकी पहचान, विशेषताओं, प्रकृति एवं व्यवहार के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी दी। सांपों के बीच अंतर और उनसे जुड़ी आवश्यक सावधानियों को भी समझाया गया।प्रशिक्षण सत्र में डॉ. रंजन कुमार, MOIC तालझारी, डॉ. मुकेश कुमार, MO सदर अस्पताल तथा डॉ. अमित कुमार, MO UPHC शहरी ने प्रशिक्षक के रूप में सर्पदंश के मामलों में उपचार प्रक्रिया, प्राथमिक चिकित्सा, आवश्यक सावधानियों तथा सर्पदंश की स्थिति में क्या करें और क्या न करें, इसकी व्यवहारिक जानकारी दी।सिविल सर्जन ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों को सर्पदंश से संबंधित आवश्यक एवं व्यवहारिक जानकारी देना, समुदाय में जागरूकता फैलाना, मामलों की समय पर एवं सही रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना तथा सर्पदंश से होने वाली अनावश्यक मौतों को रोकना है। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लोगों को सर्पदंश से बचाव और उचित उपचार के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया।

सभी प्रखंडों में निकाली गई जागरूकता रैली

अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों के स्वास्थ्य संस्थानों में जागरूकता रैली भी आयोजित की गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने रैली के माध्यम से लोगों को सर्पदंश से बचाव, तत्काल चिकित्सा सहायता लेने तथा झाड़-फूंक और अंधविश्वास से बचने के प्रति जागरूक किया।स्वास्थ्य विभाग ने आमजनों से अपील की कि सर्पदंश की स्थिति में घबराएं नहीं और झाड़-फूंक में समय बर्बाद करने के बजाय मरीज को तत्काल निकटतम स्वास्थ्य संस्थान पहुंचाएं, ताकि समय पर उचित चिकित्सा उपलब्ध कराकर गंभीर जटिलताओं और मृत्यु को रोका जा सके।

पुलिस की छापेमारी से 30 घंटे में चोरी का ट्रैक्टर बरामद, आरोपियों पर शिकंजा कसने की तैयारी

बरहरवा/साहिबगंज। रांगा थाना क्षेत्र के कुंवरपुर गांव से चोरी हुए ट्रैक्टर को पुलिस ने करीब 30 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। चोरी की घटना के बाद साहिबगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले के साथ-साथ सीमावर्ती इलाकों में लगातार छापेमारी की। पुलिस को आखिरकार सफलता गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में मिली, जहां चुराया गया ट्रैक्टर लावारिस हालत में बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार, पतना चौक निवासी सोनू कुमार ठाकुर का लाल रंग का महिंद्रा ट्रैक्टर 18 सितंबर की रात करीब 2 से 3 बजे के बीच कुंवरपुर गांव से चोरी हो गया था। सुबह ट्रैक्टर गायब मिलने के बाद इसकी सूचना रांगा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी। एसपी के निर्देश पर बरहरवा एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित कर ट्रैक्टर की तलाश शुरू की गई। टीम में बरहरवा इंस्पेक्टर संतोष कुमार राणा, रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव, कोटालपोखर थाना प्रभारी पवन कुमार, रांगा थाना के एसआई सत्यवान कुंभकार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों को चिन्हित करते हुए रांगा थाना क्षेत्र के अलावा कोटालपोखर, पश्चिम बंगाल के फरक्का एवं सीमावर्ती क्षेत्रों, पाकुड़ जिले के हिरणपुर, मालपहाड़ी और लिट्टीपाड़ा सहित कई इलाकों में छापेमारी की। चोरी के बाद ट्रैक्टर किस रास्ते से ले जाया गया, इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। जांच के दौरान चोरी हुए ट्रैक्टर की सूचना गोड्डा समेत आसपास के जिलों की पुलिस को भी दी गई। लगातार की जा रही कार्रवाई के बीच गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर लावारिस हालत में बरामद हुआ। पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया। ट्रैक्टर की बरामदगी के बाद अब पुलिस चोरी की वारदात में शामिल आरोपियों तक पहुंचने में जुटी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई कर रही है।

कन्हैयास्थान इस्कॉन मंदिर में धूमधाम से मना राधाष्टमी महोत्सव, राधा-रानी के विशेष अभिषेक में उमड़े श्रद्धालु

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज। जिले के राजमहल प्रखंड क्षेत्र के विश्व प्रसिद्ध कन्हैयास्थान स्थित कानाईनाट्यशाला इस्कॉन मंदिर में शनिवार को राधाष्टमी महोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। महोत्सव में विभिन्न जिलों से पहुंचे सैकड़ों कृष्ण भक्तों और श्रद्धालुओं ने धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।राधाष्टमी को लेकर मंदिर परिसर को फूलों और इलेक्ट्रॉनिक लाइटों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी सजावट और रोशनी से मंदिर परिसर का नजारा भक्तों को आकर्षित कर रहा था। महोत्सव के दौरान सुबह करीब 4 बजे से मंगल आरती के साथ धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। इसके बाद दर्शन आरती, कथा, भजन-कीर्तन और प्रवचन का आयोजन किया गया. दिनभर मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा।धार्मिक कार्यक्रमों के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर की परिक्रमा की। सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और प्रवचन का दौर चलता रहा। राधाष्टमी महोत्सव के अवसर पर दोपहर में राधा-रानी के श्रीविग्रह का विशेष अभिषेक किया गया। गंगाजल, दूध, दही, शहद, पंचामृत, पंच नवरत्न और केसर सहित विभिन्न पूजन सामग्री से अभिषेक किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और राधा-रानी के अवतरण दिवस के धार्मिक आयोजन में शामिल हुए।महोत्सव के अवसर पर राधा-रानी के विग्रह को दुल्हन की तरह सजाया गया था। मंदिर परिसर में सतरंगी झालरों और फूलों से की गयी सजावट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही।राधा-रानी के अवतरण दिवस को लेकर मंदिर परिसर में पूरे दिन उत्सव का माहौल बना रहा।

कृष्ण जन्माष्टमी के 15 दिन बाद मनाया जाता है राधाष्टमी

इस्कॉन मंदिर के प्रबंधक कृष्ण कृपा सिंधु ने बताया कि कृष्ण जन्माष्टमी के ठीक 15 दिन बाद राधाष्टमी मनायी जाती है। उन्होंने कहा कि इस दिन को राधा-रानी का अवतरण दिवस कहा जाता है। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान का जन्म और कर्म दिव्य माने जाते हैं। इसी कारण राधा-रानी के लिए जन्मोत्सव के बजाय अवतरण दिवस शब्द का प्रयोग किया जाता है। उन्होंने राधा-रानी को भगवान श्रीकृष्ण की अंतरंग शक्ति बताते हुए धार्मिक परंपरा और मान्यताओं के बारे में श्रद्धालुओं को जानकारी दी। राधाष्टमी महोत्सव में साहिबगंज सहित आसपास के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कृष्ण भक्त और श्रद्धालु पहुंचे। दिनभर मंदिर में पूजा-अर्चना, दर्शन, भजन-कीर्तन और प्रवचन का सिलसिला चलता रहा।महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने राधा-रानी के अवतरण दिवस का धार्मिक उल्लास के साथ आनंद लिया।

स्वास्थ्य भवन की सुरक्षा पर सवाल: बोरियो में दरवाजा तोड़कर बैट्री, इनवर्टर व कुर्सियां चोरी

साहिबगंज।बोरियो प्रखंड मुख्यालय स्थित डाक बंगला परिसर में नव निर्मित ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के भवन में चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने भवन का दरवाजा तोड़कर अंदर रखी बैट्री, इनवर्टर और करीब 15 कुर्सियां चोरी कर लीं। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। घटना के संबंध में डॉ. रितेश कुमार ने बोरियो थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलते ही बोरियो पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि जिस भवन से प्रखंड की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं संचालित होनी हैं, उसी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, डाक बंगला परिसर लंबे समय से असामाजिक तत्वों के जमावड़े का स्थान बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि परिसर में कथित रूप से शराब की बिक्री भी होती है और शाम ढलने के बाद असामाजिक गतिविधियां बढ़ जाती हैं। नियमित निगरानी और सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था नहीं होने से असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से चोरी की घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही डाक बंगला परिसर में असामाजिक तत्वों के जमावड़े और कथित शराब बिक्री की जांच कराने तथा नव निर्मित स्वास्थ्य भवन की सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था करने की मांग की गई है।

चलती ट्रेन से की गई 13 लाख की जेवर की चोरी - जेवर समेत चोर गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज ।हावड़ा डिविजन के कोटालपोखर रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन में पश्चिम बंगाल के कूचबिहार निवासी महिला यात्री निरुपमा दास से करीब 13 लाख रुपये के आभूषण व अन्य सामान की चोरी के मामले में शनिवार को हावड़ा क्राइम ब्रांच की टीम राजमहल पहुंची जहां तकनीकी मदद से चोर जियाउल शेख उर्फ छपरा को पकड़ा गया ’

पूरा मामला क्या है

14 सितंबर की रात की घटना है जिसमें पीड़िता निरुपमा दास ट्रेन के एस-1 कोच में बर्थ संख्या 75 व 77 पर यात्रा कर रही थीं , रात करीब 1:30 से 2 बजे के बीच कोटालपोखर रेल्वे स्टेशन में एक अज्ञात चोर उनका कॉफी रंग का लेडीज हैंडबैग ट्रेन से चोरी करके फरार हो गया था. बैग में दो सोने की चेन, चूड़ा, माला, हार, दो अंगूठियां, एक अन्य सोने की चेन, मोटोरोला जी35 मोबाइल और जरूरी दस्तावेज थे सामान की कीमत करीब 13 लाख रुपये बतायी गयी है महिला यात्री ने सियालदह रेल्वे स्टेशन पहुच कर चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायी ’

चोरी का मामला दर्ज होते ही रेलवे पुलिस हुई अलर्ट

महिला यात्री की चोरी की घटना जैसे ही रेलवे पुलिस ने दर्ज की वैसे ही पूरा पुलिस तंत्र अलर्ट मोड में आ गया और इनको लेकर मालदा डिवीजन व हावड़ा डिवीजन के बीच एक स्क्ळ टीम की गठन हुई जिसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी सहायता वह अपने खुफिया जानकारी के माध्यम से ताबड़तोड़ छापेमारी कर चोर के साथ सामान को बरामद करने में सफल हुई, पुलिस के अनुशार सबसे पहले कोटाल पोखर स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे को पूरी तरह अच्छे से खंगाला गया जिसमें चोर की पहचान पुलिस सूत्र के माध्यम जियाउल शेख उर्फ छपरा के रूप में की गई जिसके बाद बहरवा स्थित चोर के निवास स्थान पर छापामारी की गई जिसमें पुलिस के हाथ कुछ नहीं मिला लेकिन पुलिस ने तकनीकी सहायता से राजमहल स्थित नागेश्वर बाग में चोर को उनके ससुराल में धर दबोचा चोर को दबोचते ही उसने शुरू किया अपना कबूलनामा जिसमें लगभग 3 से 3:30 लाख का सामान एक ज्वेलरी शॉप राजमहल में बेचने की बात सामने कहीं व बाकी अपने ससुराल में ही छुपा कर रखा पुलिस ने ससुराल में छुपाई गई जेवरात को बरामद कर लिया है और राजमहल स्थित लालू मार्केट में प्रदीप शाह सोनार के यहां छापेमारी कर वहां भी सामान की बारामदगी कर ली है पुलिस के सूत्रों के अनुसार चोरी की गई पूरी सामान बरामद कर ली गई है और उसके बाद खरीददार दुकान प्रदीप साह को भी क्राइम ब्रांच की टीम पकड़ कर अपने साथ ले गई आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि मामले की जांच जारी है. आरोपी को पकड़ा गया है बरामद सामान का मिलान कराया जा रहा है. मौके पर राजमहल थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान पुलिस बल के साथ मौजूद थे. कार्रवाई में हावड़ा क्राइम ब्रांच, सीआईबी बर्द्धमान, आरपीएफ बरहरवा, पाकुड़ आरपीएफ और साहिबगंज पुलिस की टीम शामिल रही.

प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय में हिंदी दिवस सप्ताह समारोह का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हिंदी के व्यापक प्रयोग एवं उत्थान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : प्रमंडलीय आयुक्त

हिंदी हमारी सांस्कृतिक चेतना और भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति : डॉ. विजयकांत दुबे

समारोह में साहित्यकारों ने कविता, गजल एवं विचारों से हिंदी की महत्ता को किया रेखांकित

हजारीबाग:- उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त कार्यालय में शुक्रवार को प्रमंडलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हिंदी दिवस सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत कोलंबा कॉलेज के हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. विजयकांत दुबे रहे। समारोह में हिंदी भाषा के महत्व, उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा तथा वर्तमान डिजिटल युग में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। सभा को संबोधित करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि हिंदी के उत्थान एवं इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए हम सभी को निरंतर प्रयत्नशील रहना चाहिए। कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों एवं आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में भी हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी कार्यसंस्कृति एवं जनसंचार का महत्वपूर्ण माध्यम है तथा इसके प्रयोग को सहज, सरल और व्यापक बनाने में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है।मुख्य अतिथि डॉ. विजयकांत दुबे ने हिंदी भाषा की व्यापकता एवं विविध स्वरूपों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी का प्रयोग विभिन्न अर्थो एवं संदर्भों में किया जाता है। उन्होंने हिंदी को साहित्यिक एवं भावनात्मक अभिव्यक्ति की सशक्त भाषा बताते हुए राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा के बीच के अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि हिंदी का विकास एक लंबी ऐतिहासिक एवं साहित्यिक परंपरा के माध्यम से हुआ है। नाथ कवियों सहित विभिन्न साहित्यकारों एवं रचनाकारों ने हिंदी के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिंदी एक शाश्वत एवं समृद्ध भाषा है, जिसकी जड़ें संस्कृत सहित भारतीय भाषायी परंपरा में गहराई से जुड़ी हुई हैं।उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, भावनाओं एवं विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। हिंदी की एकता, अखंडता एवं समृद्धि के लिए पूरी निष्ठा के साथ सामूहिक रूप से कार्य करने की आवश्यकता है।समारोह के दौरान डॉ. प्रमिला गुप्ता द्वारा रचित पुस्तक ह्यआम्रपालीह्ण का विमोचन भी किया गया। पुस्तक के संबंध में डॉ. प्रमिला गुप्ता ने बताया कि यह एक ऐतिहासिक स्त्री के जीवन, संघर्ष एवं पीड़ा को केंद्र में रखकर लिखी गई रचना है। उन्होंने पुस्तक की विषयवस्तु एवं लेखन की पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला।हिंदी दिवस सप्ताह समारोह को साहित्यिक रंग देते हुए हिंदी के विभिन्न जानकारों एवं साहित्यकारों ने अपनी कविताओं, गजलों एवं विचारों की प्रस्तुति दी। वक्ताओं ने डिजिटल युग में हिंदी के बढ़ते महत्व तथा सोशल मीडिया एवं तकनीकी माध्यमों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। साहित्यिक प्रस्तुतियों एवं रचनाओं से समारोह का वातावरण हिंदीमय एवं सरस बना रहा। जिसमें गोपाल शरण गुप्ता, बलदेव पांडेय, शकील पाठक, पूनम त्रिवेदी, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. फराद हुसैन, तनवीर आलम, श्रुति मंजरी, अरविंद तिवारी सहित अन्य हिंदी प्रेमी एवं साहित्यप्रेमी हिंदी दिवस हिंदी की महत्ता को किया रेखांकित।समारोह में आयुक्त की सचिव-सह-परिवहन सचिव सुजाता कुजूर, राजभाषा उपनिदेशक प्रियंका श्रीवास्तव संग आयुक्त कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हजारीबाग पुलिस में बड़ा फेरबदल, 207 अधिकारियों का तबादला

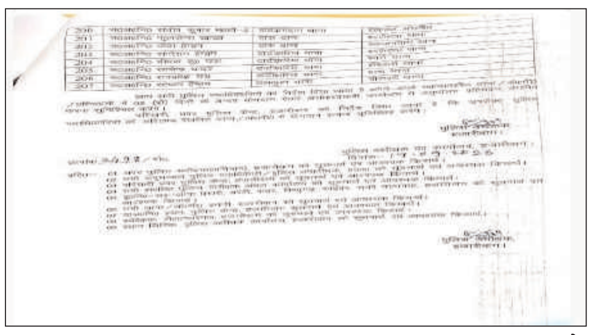

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

हजारीबाग। जिले में विधि-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को सुदृढ़ करने को लेकर हजारीबाग पुलिस में बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग द्वारा जारी जिलादेश संख्या 1410/26 के तहत जिले में तैनात कुल 207 पुलिस पदाधिकारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण किया गया है। तबादले की सूची में पु.अ.नि. (पुलिस अवर निरीक्षक) और स.अ.नि. (सहायक अवर निरीक्षक) स्तर के अधिकारी शामिल हैं। सभी अधिकारियों को अविलंब अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान करने का निर्देश दिया गया है।

पिपरा प्रखण्ड के जनता के सेवा में सदैव तत्पर, कहा

जनसेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं: संदीप पासवान

अरविंद अग्रवाल, झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू

पलामू जिले के पिपरा प्रखण्ड के ग्राम मसूरिया एवं ग्राम दमवा में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर जल गया था जिसके चलते ग्राम वासी को इस बरसात के मौसम में काफी दिक्कत का सामना करना पड रहा था ग्राम वासी के द्वारा काफी प्रयास करने के बाद भी कोई निदान नहीं हो पा रहा था,अंत में विवश होकर स्थानीय ग्राम वासियों ने इसकी सूचना पुर्व जिला परिषद प्रतिनिधि पिपरा प्रखण्ड सह वीर बाबा चौहरमल कल्याण समिति पलामू जिला कमिटी के जिला अध्यक्ष सह समाजसेवी संदीप पासवान से मुलाकात कर ग्रामीणों ने अपने समस्या को रखा जिसपर तत्काल उन्होंने बिजली विभाग मेदिनीनगर के पदाधिकारियों से मुलाकात कर इस बात को अवगत कराया संबंधित विभाग के पदाधिकारियों ने तत्काल संज्ञान लेकर दोनों जगह 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा भिजवाने और उसे लगवाने का कार्य किया गया। इस कार्य के लिए संदीप पासवान के प्रति लोगों में हर्ष व्यक्त किया और जनता का सही हितैषी बताया हर्ष व्यक्त करने वालों में कैलाश यादव भावी मुखिया प्रत्याशी दलपतपुर काशी यादव राजु यादव, विजय यादव दीपक यादव, सत्येनद्र यादव गुलटन यादव यादव, वीरेंद्र यादव, सुरेन्द्र यादव, सोहन यादव बाल गोविंद यादव यादव,गार्जियन गुना यादव, जनेश्वर यादव, तथा ग्राम दमवा से शंभु सिंह, गुडु सिंह, सुबोध सिंह सुरेंद्र सिंह डॉ कमलेश सिंह रिंकू सिंह , नरेश पासवान, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की टूलकिट वितरण योजना के तहत बांस कला प्रशिक्षण की शुरूआत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग: मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की टूलकिट वितरण योजना के अंतर्गत आज कटकमसांडी प्रखंड के उलांज (पुण्डबुरू) में बांस कला प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। प्रशिक्षण का आयोजन NEEDS संस्था द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान चयनित आर्टिजनों को बांस कला से संबंधित औजारों की टूलकिट एवं प्रशिक्षण के लिए आवश्यक कच्चा माल संस्था द्वारा उपलब्ध कराया गया है। 15 दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की कुल 27 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रतिभागियों को बांस से विभिन्न उपयोगी एवं आकर्षक उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें मोढ़ा, पाइनएप्पल लैंप, यूटिलिटी बॉक्स सहित बांस से निर्मित अन्य हस्तशिल्प उत्पाद शामिल हैं।टूलकिट वितरण योजना के अंतर्गत 90 प्रतिशत अंशदान पर NEEDS संस्था को बांस कला से संबंधित मशीन एवं टूलकिट मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई है। योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

NEEDS संस्था द्वारा जिले में यह चौथा बांस कला प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इससे पूर्व प्रथम प्रशिक्षण दारू प्रखंड के मोकतमा गांव तथा द्वितीय एवं तृतीय प्रशिक्षण ईचाक प्रखंड के हदारी एवं औलौंजाखुद में आयोजित किया जा चुका है।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत प्रशिक्षित महिलाओं को संस्था द्वारा वर्क ऑर्डर उपलब्ध कराने के साथ-साथ डीसी हैंडीक्राफ्ट आर्टिजन कार्ड बनवाने में सहयोग किया जाएगा। इसके अलावा प्रशिक्षित आर्टिजनों को उनके उत्पादों के विपणन में भी सहयोग प्रदान किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न हस्तशिल्प मेलों एवं प्रदर्शनियों में भाग लेने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।इस पहल से बांस कला से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास के साथ-साथ स्थायी स्वरोजगार एवं आय के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

बेलतु में विश्वकर्मा पूजा जागरण का विधायक रोशनलाल चौधरी ने किया शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बेलतू मंडल, ग्राम बेलतू। विश्वकर्मा पूजा के पावन अवसर पर ग्राम बेलतू में आयोजित भव्य जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ बड़कागांव विधानसभा के माननीय विधायक श्री रोशनलाल चौधरी जी ने फीता काटकर किया। विधायक जी ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को विश्वकर्मा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक जी ने कहा कि 17 सितंबर का दिन धार्मिक और राष्ट्रीय दोनों दृष्टि से विशेष है। एक ओर सृष्टि के प्रथम शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा का पावन दिन है, तो दूसरी ओर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिवस भी है। उन्होंने सभी लोगों से सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों का आनंद लिया। मौके पर मुख्य रूप से उपस्थितः भाजपा जिला वरीय उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, बेलतू मंडल अध्यक्ष सुनील राज सिंह उर्फ शेरू सिंह, केरेडारी मंडल अध्यक्ष बालगोविंद सोनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष बद्री नारायण सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष कर्मचारी साहू, महामंत्री चंद्रदेव साहू, महामंत्री प्रयाग महतो, आजसू केंद्रीय सदस्य भोला महतो, मनोहर महतो, कंचन यादव, मुखिया श्रीमती जितनी देवी, विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेश्वर कुमार सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित थे।

खान एवं खनिज संशोधन विधेयक 2026 के विरोध में प्रखंड मुख्यालय के समीप झामुमो ने किया धरना प्रदर्शन

हमारा खनिज, हमारा अधिकारह्न के नारों से गूंजा हिरणपुर

झारखंड राज्य व राज्यवासियों के हक–अधिकार को छिनना बंद करें और इस काले कानून को वापस ले केंद्र की भाजपा सरकार : झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

हिरणपुर: हिरणपुर प्रखंड के झामुमो कार्यकताओं द्वारा प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी के नेतृत्व में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 के विरोध में राज्यव्यापी आंदोलन के तहत हिरणपुर प्रखंड कार्यालय के समीप एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका मंच संचालन प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी ने किया।धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम उपस्थित रहे।धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने खनिज हमारा, फैसला हमारा, हमारा खनिज, हमारा अधिकार, खान एवं खनिज संशोधन विधेयक वापस लो, झारखंड के खनिज पर पहला हक झारखंडियों का सहित कई नारे लगाकर केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा पारित इस काले कानून का जोरदार विरोध किया जिससे पूरा परिसर नारों से गूंज उठा।इस दौरान झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम ने धरना प्रदर्शन में शामिल कार्यकताओं एवं आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार MMDR Amendment बिल के माध्यम से झारखंड की खनिज संपदा से मिलने वाले राजस्व को हड़पने का काम करने जा रही है। झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और यहां के खनिज संसाधनों से प्राप्त राजस्व का उपयोग राज्य के विकास एवं जनकल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका सीधा लाभ राज्य के गरीब, जरूरतमंद, महिला, युवा, विद्यार्थी एवं वंचित वर्गों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा पर राज्य के अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए झामुमो पूरी मजबूती के साथ लोकतांत्रिक संघर्ष को आगे बढ़ाएंगे।वहीं प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी, जिला संगठन सचिव मुसलोद्दीन अंसारी सहित अन्य वक्ताओ ने अपने अपने संबोधन में केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि MMDR Amendment Act 2026 झारखंड के खनिज संसाधनों और राज्य के अधिकारों पर सीधा सवाल खड़ा करता है। झारखंड की धरती से निकलने वाले खनिज देश के विकास में अहम योगदान देते हैं, लेकिन जब झारखंड के अधिकार और हिस्सेदारी की बात आती है तो केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा, झारखंड की खनिज संपदा कोई लूट का माल नहीं, बल्कि राज्य और यहां की जनता का अधिकार है। जल-जंगल-जमीन और खनिज पर अधिकार से कोई समझौता नहीं होगा। झामुमो सड़क से सदन तक लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखेगा।धरना-प्रदर्शन के उपरांत झामुमो के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम जी के अगुवाई में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी माध्यम से ज्ञापन/मेमोरेंडम सौंपा। ज्ञापन में MMDR संशोधन कानून पर पुनर्विचार करने तथा झारखंड के खनिज संसाधनों एवं राज्य के संवैधानिक अधिकारों से जुड़े हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।मौके पर प्रखंड सचिव सरकार टुडू अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सगीर अंसारी, अब्दुल गनी, मतीन अंसारी, जब्बार अंसारी, मीर कासिम अंसारी, सुमन किस्कू, बाली मरांडी सहित सभी पंचायतों के अध्यक्ष व सचिव सहित हजारो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ससुराल से घर लौट रहा था हिरही, रास्ते में मौत ने रोक दिया रास्ता

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, सीसी टीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

लोहरदगा: सदर थाना क्षेत्र के बिजली ऑफिस मंदिर के समीप शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान हिरन उरांव (पिता रामवृक्ष उरांव), ग्राम हिरही हाराटोली निवासी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हिरन उरांव चंदकोपा स्थित अपने ससुराल से घर लौट रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल हिरन को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना के एएसआई चंद्रदीप मेहता सदर अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी लेते हुए आवश्यक छानबीन की। शनिवार सुबह करीब 11 बजे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि सोनू कुरैशी, चौकीदार शमसूल एवं बरतु उरांव भी अस्पताल में मौजूद रहे। सीसीटीवी फुटेज से वाहन की पहचान में जुटी पुलिस घटना के बाद सदर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हादसे में शामिल वाहन की पहचान की जा सके। प्रथम दृष्टया पुलिस अज्ञात वाहन की टक्कर को दुर्घटना का कारण मानकर जांच कर रही है। हालांकि, हादसे से जुड़े अन्य संभावित पहलुओं को भी ध्यान में रखते हुए छानबीन की जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन का पता लगाकर दुर्घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट की जा सके।

सरना-सनातन एकता की मजबूत कड़ी बने संतोष लकड़ा

चार वर्षों का कार्यकाल रहा स्वर्णिम: कुणाल वर्मा

लोहरदगा: केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति लोहरदगा के महामंत्री कुणाल वर्मा ने समिति के पूर्व अध्यक्ष संतोष लकड़ा उर्फ इंद्रजीत लकड़ा के चार वर्षों के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि संतोष लकड़ा का कार्यकाल केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के इतिहास में महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। कुणाल वर्मा ने कहा कि संतोष लकड़ा ने नए मेला मैदान के लिए लगातार प्रयास किया और समाज के सभी अभिभावकों के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए मेला मैदान के स्थान परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यह उनके नेतृत्व और सभी को साथ लेकर चलने की कार्यशैली को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि संतोष लकड़ा के कार्यकाल में केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति का विस्तार शहरी क्षेत्र से आगे बढ़कर जिले के सभी सात प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों तक हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों के पूजा पंडालों को केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति से जोड़ने से शहरी एवं ग्रामीण समाज के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा मिला।कुणाल वर्मा ने कहा कि संतोष लकड़ा के साथ काम करते हुए उन्हें काफी कुछ सीखने और समझने का अवसर मिला। उनके अनुभव और कार्यशैली से मिली प्रेरणा का उपयोग समाज को आगे ले जाने तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने में किया जाएगा।उन्होंने कहा कि संतोष लकड़ा ने सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा को मजबूत किया है। उनके अनुसार, उनके चार वर्षों का कार्यकाल सामाजिक समरसता, धार्मिक एकजुटता तथा सरना-सनातन एकता से जुड़े प्रयासों के लिए याद किया जाएगा।कुणाल वर्मा ने कहा कि संतोष लकड़ा के योगदान को केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति और लोहरदगा का समाज लंबे समय तक याद रखेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगे भी संतोष लकड़ा का मार्गदर्शन और सहयोग समिति को संरक्षक के रूप में मिलता रहेगा।

सड़क किनारे खड़े व्यक्ति को चारपहिया वाहन ने मारी टक्कर, गंभीर

लोहरदगा: सदर थाना क्षेत्र के दूध डेयरी के समीप शनिवार की शाम करीब 6:35 बजे सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति को चारपहिया वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में कुडू थाना क्षेत्र के बरवाटोली निवासी स्व. मुन्ना महली के पुत्र मिठू महली गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद वह बेहोशी की हालत में सड़क किनारे पड़े मिले। घटना के दौरान चौकीदार पंचायत के जिला अध्यक्ष शमशुल अंसारी अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने सड़क किनारे कुछ लोगों की भीड़ देखी। नजदीक जाकर देखने पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में बेहोश पड़ा मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शमशुल अंसारी ने बिना समय गंवाए अपनी निजी वाहन से घायल मिठू महली को उठाकर अस्पताल पहुंचाने की पहल की। घायल की पत्नी के आग्रह पर उन्हें तत्काल लक्ष्मी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका इलाज शुरू किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद घायल के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। दुर्घटना के बाद चारपहिया वाहन मौके पर से फरार हो गई।

बच्चियों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान की पहल, थाना प्रभारी से मिली जीएसजी दीदी की टीम

अमड़ापाड़ा। स्कूली बच्चियों एवं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर द आंगन ट्रस्ट (एनजीओ) की जीएसजी दीदी की टीम ने अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी अनूप रौशन भेंगरा से मुलाकात कर महत्वपूर्ण चर्चा की। इस दौरान महिलाओं एवं किशोरियों को आत्मसुरक्षा के प्रति जागरूक करने तथा स्कूली छात्राओं के बीच सुरक्षा संबंधी जागरूकता अभियान चलाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।द आंगन ट्रस्ट में कार्यरत गुड़िया कुमारी, तरुरम परवीन, रुकसाना खातून, सुलेखा कुमारी एवं रिंकी कुमारी ने थाना प्रभारी के समक्ष प्रस्ताव रखा कि ट्रस्ट की महिला कार्यकताओं की टीम विद्यालयों में जाकर छात्राओं को उनकी सुरक्षा, आत्मरक्षा, किसी भी प्रकार के खतरे की स्थिति में तत्काल सहायता लेने तथा आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करेगी।इस दौरान थाना प्रभारी अनूप रौशन भेंगरा ने महिला एवं बच्चियों की सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए जागरूकता अभियान के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि छात्राओं को अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी होना जरूरी है। विद्यालय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जा सकता है।द आंगन ट्रस्ट की टीम ने बताया कि अभियान के तहत स्कूली छात्राओं के साथ संवाद कर उन्हें सुरक्षा संबंधी जरूरी जानकारी दी जाएगी तथा किसी भी तरह की परेशानी होने पर परिवार, विद्यालय एवं पुलिस प्रशासन से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बच्चियों और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास एवं जागरूकता बढ़ाना है।

बीआईटी सिंदरी में आइडिया ट्राइब 2026 का संस्थान स्तरीय चरण आयोजित

सिंदरी/ धनबाद। बी आई टी सिंदरी में आईआईसी के तत्वाधान में आइडिया ट्राइब 2026 के संस्थान स्तरीय चरण का आयोजन किया गया। कल 60 टीमों में 29 टीमों ने चयनित होकर जनजातीय उद्यमिता और वास्तविक समस्याओं के समाधान से जुड़े नवाचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने टिकाऊ कृषि तकनीक, हस्तशिल्प एवं ई-कॉमर्स, खाद्य स्टार्टअप, नवीकरणीय ऊर्जा, इको टूरिज्म, शिक्षा ,स्वास्थ्य ,कौशल विकास और खनन अपशिष्ट से संपदा जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। निदेशक डॉक्टर पंकज राय ने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने और निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. प्रकाश कुमार ,डॉ. एस.सी दत्ता ,डॉ. आर.के .वर्मा ,डॉ.बी.डी. यादव सहित अन्य अधिकारी एवं निर्णायक उपस्थित रहे। विचारों का मूल्यांकन रचनात्मकता, गुणवत्ता और प्रतियोगिता के दिशा निर्देशों के आधार पर किया गया। चाइनीस टीमों को आगे के विकास के लिए ?2 लाख तक के सीड ग्रांट का अवसर मिलेगा।

रविन्द्र भवन टाउन हॉल में नव-दिशा पाकुड़ कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

नन्हे नागरिकों की मार्गदर्शिका, विद्यार्थियों की मार्गदर्शिका एवं हम और जेंडर सेसिंटाइजेशन का विमोचन एवं जिला प्रशासन तथा फिलो के बीच एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : रविन्द्र भवन टाउन हॉल, पाकुड़ में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित नव -दिशा पाकुड़ समग्र शिक्षा गुणवत्ता एवं बाल विकास गतिविधी का उद्घाटन एवं काउंसलिंग समारोह के अवसर पर समग्र शिक्षा, संस्कार एवं नवाचार गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त मेघा भारद्वाज, जिला शिक्षा पदाधिकारी सुश्री अनीता पूर्ति, जिला शिक्षा अधीक्षक, एडीपीओ तथा फिलो एड.टेक. के निदेशक एवं प्रबंधक द्वारा किया गया।इस अवसर पर नन्हे नागरिकों की मार्गदर्शिका, विद्यार्थियों की मार्गदर्शिका एवं हम और जेंडर सेंसिटाइजेशन का विमोचन किया गया। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन एवं फिलो एड.टेक. के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना, बाल विकास को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों में संस्कार, रचनात्मकता, आत्मविश्वास, नवाचार एवं कौशल की भावना विकसित करना है। इसके तहत विद्यार्थियों को शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ-साथ व्यक्तित्व एवं करियर विकास के लिए भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

स्कूल की संपत्ति को अपनी संपत्ति समझकर करें देखभाल : उपायुक्त

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नव-दिशा पाकुड़ केवल पढ़ाई तक सीमित कार्यक्रम नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में अच्छे व्यवहार, अनुशासन, जिम्मेदारी, आत्मविश्वास एवं बेहतर नागरिक बनने की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का व्यवहार कैसा होना चाहिए तथा विद्यालय की संपत्ति को अपनी संपत्ति समझकर उसकी देखभाल कैसे करनी चाहिए, इन महत्वपूर्ण पहलुओं को भी मॉड्यूल में शामिल किया गया है।उन्होंने विद्यार्थियों से इन अच्छी आदतों एवं व्यवहार को विद्यालय तक सीमित न रखते हुए अपने दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की। कहा कि इससे वे बेहतर नागरिक बनेंगे और जिस विद्यालय, समाज एवं जिले से वे आते हैं, उसका भी नाम रोशन करेंगे।

जेंडर सेंसिटाइजेशन पर विशेष जोर

उपायुक्त ने जेंडर सेंसिटाइजेशन को नव दिशा पाकुड़ का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों में एक-दूसरे के प्रति सम्मान, समानता एवं समझ की भावना विकसित करना आवश्यक है। इसके लिए शिक्षकों के लिए जेंडर सेंसिटाइजेशन मॉड्यूल एवं बुकलेट तैयार की गई है। इसके तहत विद्यालयों में नियमित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी तथा पाठ्यपुस्तक आधारित गतिविधियों के साथ फील्ड एक्टिविटी के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यवहारिक रूप से भी इन विषयों से जोड़ा जाएगा।

JAC पाठ्यक्रम के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर जोर

उपायुक्त ने कहा कि कई विद्यालयों में शिक्षकों की सीमित उपलब्धता के कारण विद्यार्थियों को अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग की आवश्यकता होती है। नव दिशा पाकुड़ के माध्यम से विद्यार्थियों को अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग एवं 247 लाइव इंटरएक्टिव क्लासेस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।इसका उद्देश्य खअउ पाठ्यक्रम को समय पर पूरा कराने के साथ विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम में सुधार एवं उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी का सपना सिविल सर्विसेज, डॉक्टर, इंजीनियर, सेना या किसी अन्य क्षेत्र में जाने का हो सकता है। बड़ा सपना देखने में कभी संकोच नहीं करना चाहिए। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण जरूरी है। उपायुक्त ने कहा कि आज के समय में हार्ड वर्क के साथ स्मार्ट वर्क भी जरूरी है। नव दिशा पाकुड़ के माध्यम से विद्यार्थियों को बाहरी शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों एवं करियर काउंसलिंग विशेषज्ञों से संवाद का अवसर मिलेगा, जिससे उनका दृष्टिकोण व्यापक होगा और उन्हें विभिन्न करियर विकल्पों की बेहतर जानकारी प्राप्त होगी।

इंटरनेट का करें सदुपयोग, सही दिशा में मिले मार्गदर्शन : उपायुक्त

उपायुक्त ने विद्यार्थियों को इंटरनेट के सदुपयोग की सलाह देते हुए कहा कि इंटरनेट पर ज्ञान एवं जानकारी के अनेक स्रोत उपलब्ध हैं, लेकिन सही जानकारी का चयन और उसका सही उपयोग करना भी एक महत्वपूर्ण कौशल है। बिना उचित दिशा के इंटरनेट का उपयोग करने से विद्यार्थी भ्रमित हो सकते हैं और उनका समय भी नष्ट हो सकता है। इसलिए शिक्षकों एवं अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को इसके सही उपयोग के लिए मार्गदर्शन दें। उन्होंने कहा कि नव दिशा पाकुड़ के तहत विद्यार्थियों का नियमित मूल्यांकन किया जाएगा तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं गतिविधि आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं विद्यालयों को चिन्हित कर उन्हें आगे की तैयारी के लिए विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों का लक्ष्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि विषय को समझकर और उसकी अवधारणा को आत्मसात कर गुणवत्तापूर्ण अध्ययन करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। मेहनत, अनुशासन, सही दिशा और निरंतर प्रयास ही सफलता की मजबूत नींव हैं।

नव दिशा पाकुड़ से शिक्षा, संस्कार एवं नवाचार को मिलेगा नया आयाम: जिला शिक्षा पदाधिकारी

जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पूर्ति ने कहा कि नव दिशा पाकुड़ एक अम्ब्रेला स्कीम है, जिसके माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता, बाल विकास, संस्कार, जागरूकता, नवाचार एवं कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को एक मंच पर लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकुड़ जैसे जिले में इस पहल का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि इसके तहत शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अनुशासन, डूज एंड डोन्ट्स, सड़क सुरक्षा, जेंडर न्यूट्रैलिटी सहित महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया जाएगा। डीएमएफटी अधिकारी दिव्या द्वारा तीन मॉड्यूल के माध्यम से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि नव दिशा पाकुड़ के तहत कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पूरे वर्ष विद्यालयों में साइंस एग्जिबिशन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद, निबंध लेखन, स्वच्छता, सड़क सुरक्षा एवं जन-जागरूकता सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कार, रचनात्मकता, नवाचार एवं कौशल का विकास कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करना है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नव दिशा पाकुड़ के विभिन्न मॉड्यूल, गतिविधियों एवं कार्यक्रम के उद्देश्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक- शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़ : उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सदर प्रखंड अंतर्गत शहरकोल पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र, मालीपाड़ा (प्रधान टोला) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं, बच्चों की उपस्थिति तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही पोषण एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की जानकारी ली।उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, खान-पान एवं आंगनबाड़ी केंद्र में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से सहज बातचीत कर उनकी गतिविधियों के बारे में भी पूछा और उन्हें नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र आने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सेविका सहायिका को बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं समुचित देखभाल पर विशेष ध्यान देने तथा सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक सुचारू रूप से पहुंचाने का निर्देश दिया।

टीबी मरीजों के बीच हिंडाल्को ने बांटे पोषण किट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

कुडू सीएचसी में 41 मरीजों को मिला पोषण आहार

जिले के 251 इलाजरत मरीजों को उपलब्ध कराए जाएंगे किट

लोहरदगा: टीबी उन्मूलन अभियान के तहत पीएम निक्षय मित्र कार्यक्रम से जुड़कर हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड खान प्रभाग लोहरदगा के सीएसआर विभाग की ओर से शनिवार को कुडू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में 41 टीबी मरीजों के बीच पोषण आहार किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित हुआ।कार्यक्रम में कुडू सीएचसी के प्रभारी डॉ. सुलामी होरो एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। पोषण किट वितरण से पूर्व मरीजों एवं उनके परिजनों को टीबी उन्मूलन अभियान और सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। डॉ. होरो और हिंडाल्को सीएसआरअधिकारियों ने टीबी के इलाज के दौरान पोषण, नियमित दवा सेवन और उपचार का निर्धारित कोर्स पूरा करने के महत्व पर प्रकाश डाला।जागरूकता सत्र के दौरान मरीजों को टीबी से बचाव के उपाय, संतुलित पोषण तथा नियमित उपचार के संबंध में जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीजों से उपचार के दौरान चिकित्सकों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की अपील की।बताया गया कि जिले में टीबी से उपचाररत कुल 251 मरीजों को चिकित्सा सुविधाओं के साथ पोषण सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। हिंडाल्को सीएसआर की ओर से इन सभी मरीजों को न्यूट्रीशन फूड पैकेट उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे पूर्व किस्को और पेशरार प्रखंड के टीबी मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराए जा रहे थे। अब जिले के सभी प्रखंडों में इलाजरत मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराने की शुरूआत कुडू सीएचसी से की गई है। कार्यक्रम में हिंडाल्को सीएसआर टीम की अनन्या डे, भास्कर सिन्हा, भास्कर दास गुप्ता, सुप्रिया एवं अभय भारती तथा टीबी विभाग की टीम शामिल रही। हिंडाल्को सीएसआर प्रमुख नीरज कुमार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाड़ा के तहत विद्यार्थियों के लिए

प्रश्नोत्तरी एवं गीत गायन प्रतियोगिता आयोजित

हिंदी पखवाड़ा-2026 के अवसर पर चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजनाद्वारा राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भदईखाप में विद्यार्थियों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी एवं हिंदी गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि एवं प्रेम को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था।प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं से 8वीं तक के कुल 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए, जिन्हें हल करने के लिए विद्यार्थियों को 30 मिनट का समय दिया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रश्नों को हल करते हुए अपने ज्ञान एवं समझ का प्रदर्शन किया।वहीं, हिंदी गीत गायन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न हिंदी गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने अपनी मधुर आवाज, आत्मविश्वास और भावपूर्ण प्रस्तुति से अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य ने परियोजना द्वारा विद्यार्थियों के लिए इन प्रतियोगिताओं के आयोजन की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि विकसित करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास, ज्ञान और अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ाने में सहायक होती हैं।

पोषण माह में स्वस्थ जीवन का दिया संदेश, संतुलित आहार और स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

विनोद कुमार साह@ झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़िया। पोषण माह के तहत पाकुड़िया प्रखंड के ढोलकट्टा एवं बरमसिया स्थित आंगनवाड़ी केंद्र तथा लोक कल्याण सेवा केंद्र देवीनगर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरियों एवं बच्चों को बेहतर पोषण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि गर्भावस्था और प्रसव के बाद महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक भोजन बेहद आवश्यक है। इसी प्रकार बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए नियमित एवं संतुलित आहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मौसमी फल एवं हरी सब्जियों के सेवन के फायदे भी बताए गए। लोगों को अपने दैनिक भोजन में दाल, हरी सब्जियां, फल, अनाज सहित पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही स्वच्छ पेयजल के उपयोग, भोजन से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोने तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के प्रति भी जागरूक किया गया।इस दौरान गर्भवती एवं धात्री माताओं को बच्चों के उचित पोषण और देखभाल से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी गई। किशोरियों को भी पोषण एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सेविका एवं केंद्र के कर्मियों ने लोगों को पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज के निर्माण में पोषण की भूमिका पर प्रकाश डाला। आयोजकों ने कहा कि पोषण माह का उद्देश्य केवल पौष्टिक भोजन के प्रति जागरूक करना ही नहीं, बल्कि समुदाय के प्रत्येक परिवार को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में आंगनवाड़ी सेविका एवं केंद्र के कर्मियों की सक्रिय भागीदारी रही।

खाद्य सुरक्षा टीम ने खिरगांव में पनीर के नमूने संग्रहित किए, जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे जाएंगे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग: उपायुक्त श्री हेमंत सती तथा अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग डॉ. शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में आज दिनांक 18.09.2026 को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-01 मो. मंजर हुसैन के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा हजारीबाग शहर के खिरगांव क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की जांच की गई। इस दौरान पी. शिवा, खिरगांव से सुधा पनीर का नमूना संग्रह किया गया। इसके बाद बजरंग डेयरी से भी पनीर का नमूना संग्रह किया गया।संग्रहित दोनों नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, नामकुम, रांची भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत रिपोर्ट में पाए गए तथ्यों के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।जांच अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुश्री श्वेता त्रिपाठी, हजारीबाग-04, श्री विकास शर्मा, श्री सूरज कुमार एवं श्री धनेश्वर कुशवाहा सहित खाद्य सुरक्षा टीम के सदस्य उपस्थित रहे।खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे खाद्य पदार्थों की खरीदारी करते समय उसकी गुणवत्ता एवं पैकेजिंग की जांच अवश्य करें तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध या मिलावटी खाद्य सामग्री की जानकारी संबंधित विभाग को उपलब्ध कराएं।

पतरातु स्थित कार्यालय में माननीय विधायक श्री रोशन लाल चौधरी जी ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं करोड़ों देशवासियों के प्रेरणास्रोत आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर दीप प्रज्वलित एवं केक काटकर उनके दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना की

पतरातु, रामगढ़।आज पतरातु स्थित कार्यालय में माननीय विधायक श्री रोशन लाल चौधरी जी ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं करोड़ों देशवासियों के प्रेरणास्त्रोत आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर दीप प्रज्वलित एवं केक काटकर उनके दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना की तथा उनकी 25 वर्षों की जनसेवा से देशसेवा की गौरवपूर्ण यात्रा को नमन किया।सार्वजनिक जीवन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के समर्पित जनसेवा कार्यकाल ने सेवा, सुशासन और राष्ट्र प्रथम की भावना को नई ऊंचाई प्रदान की है। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प के साथ मनाया गया यह अवसर जनसेवा से देशसेवा की भावना को और सशक्त करने वाला रहा। इस पावन अवसर पर उपस्थित सभी ने दीप की ज्योति के साथ राष्ट्रहित, जनसेवा और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को निरंतर मजबूत करने का संकल्प लिया।माननीय प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की सार्वजनिक जीवन यात्रा राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और जनसेवा की प्रेरणादायी यात्रा है।

एमएमडीआर बिल के खिलाफ झामुमो का धरना प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़ : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख के नेतृत्व में प्रखंड कार्यालय पाकुड़ में एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया, जिसमें पार्टी के जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम और सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव ने भी प्रमुखता से हिस्सा लेकर केंद्र सरकार के कथित ₹खनिज उपकर विरोधी₹ कानून के खिलाफ हुंकार भरी। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के कथित आदिवासी-विरोधी और राज्य-विरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

संवैधानिक और वित्तीय स्वायत्तता पर हमला:

धरने को संबोधित करते हुए झामुमो के जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 (MMDR Act, 2026) न केवल झारखंड, बल्कि सभी खनिज उत्पादक राज्यों की संवैधानिक और वित्तीय स्वायत्तता पर एक गंभीर हमला है। उन्होंने कहा, ₹ केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के नौ-सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को भी पलटने का प्रयास कर रही है, जिसने स्पष्ट रूप से राज्यों को खनिज भूमि पर कर लगाने का अधिकार दिया था।अजीजुल इस्लाम ने चेतावनी दी कि ₹राज्यों की कर लगाने की शक्ति छीनकर, केंद्र सरकार झारखंड जैसे राज्यों को वित्तीय रूप से पंगु बनाना चाहती है, जो सीधे तौर पर यहाँ के आदिवासी-मूलवासी समाज के विकास को प्रभावित करेगा।

कॉर्पोरेट लूट और आदिवासी हितों की अनदेखी:

धरने में उपस्थित सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव ने केंद्र सरकार पर कॉर्पोरेट लूट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ₹भाजपा सरकार अपने कॉर्पोरेट मित्रों को लाभ पहुँचाने के लिए झारखंड की खनिज संपदा को कौड़ियों के भाव बेचने पर उतारू है। यह कानून राज्य के 1.36 लाख करोड़ रुपये के लंबित खनन बकाये के भुगतान को भी रोकने का एक और प्रयास है, जिसकी मांग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बार-बार केंद्र से कर रहे हैं।श्याम यादव ने कहा कि ₹झारखंड की पहचान यहाँ की मिट्टी, जंगल, पहाड़ और खनिज संपदा से है, और केंद्र का यह कानून इस पहचान को मिटाने की एक साजिश है।

राष्ट्रपति को ज्ञापन और प्रमुख मांगें:

प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित एक ज्ञापन का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रपति स्वयं झारखंड की पूर्व राज्यपाल रह चुकी हैं और राज्य की विशिष्ट पहचान व आदिवासी समाज से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने मांग की कि राष्ट्रपति ₹इस अत्यंत संवेदनशील संवैधानिक पद₹ की शक्ति का उपयोग करते हुए केंद्र के इस ₹काले कानून₹ के खिलाफ हस्तक्षेप करें।

ज्ञापन के माध्यम से झामुमो ने राष्ट्रपति से निम्नलिखित मांगें की हैं:

खनिज संशोधन अधिनियम की धारा 9ऊ जो राज्यों के उपकर लगाने के अधिकार को छीनती है, को रद्द किया जाए।खनिज उत्पादक राज्यों के संवैधानिक और वित्तीय अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए।झारखंड के लंबित 1.36 लाख करोड़ रुपये के खनन बकाये का शीघ्र भुगतान केंद्र सरकार से कराया जाए।

खनिज नीति और विकास प्रक्रिया के केंद्र में आदिवासी-मूलवासी समाज के हितों और अधिकारों को रखा जाए। धरने के बाद झामुमो के जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव और प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह ,के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने BDO पाकुड़ से मुलाकात की और राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन सौंपा। उक्त धरना प्रदर्शन में अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष कदम रसूल ,जिला संयुक्त सचिव जहूर आलम ,केंद्रीय समिति सदस्य उमर फारूक ,बुद्धिजीवी जिला उपाध्यक्ष प्रकाश सिंह ,जिला युवा उपाध्यक्ष रेजाउल हक ,नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह ,प्रखंड सचिव राजेश सरकार ,उपाध्यक्ष अजफरुल शेख ,रामसिंह टुडू ,इस्माइल रहमान ,सत्तार शेख ,प्रकाश हांसदा ,अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष मुसर्रफ हुसैन महिला प्रखंड अध्यक्ष मिना मुर्मु ,,हबीबुर्रहमान ,पिकलु शेख ,इस्माइल शेख ,नसीम अंसारी ,खालिद अंसारी , सोनू आलम ,अनेकुल आलम ,सेलिम शेख ,हैदर अली ,हुसैन शेख ,साफिकुल शेख ,महबूब आलम ,लखन हेम्ब्रम ,पतरस मरांडी ,बोलाई सोरेन ,विजय किस्कु ,भारत मराण्डी ,मंगल हेम्ब्रम ,मोकलेसुर रहमान ,खैरुल आलम ,सलाम शेख ,फुरकान शेख ,इमाम हुसैन ,अमीरुल शेख ,साफु शेख ,यूसुफ खान ,अली शेख ,काबिल शेख ,जाकिर शेख ,आलम गिर आलम ,असरफुल शेख मेशकतुल शेख फरिजुद्दीन शेख ,लालचंद शेख ,अब्दुल मलेक ,बक्कर शेख ,रोजीबुल शेख ,चंदन भंडारी ,बसीर शेख , सहित सैकड़ों समर्थक उपस्थित थे

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

सचिन कुमार सिंह, प्रधान संपादक

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। सरकार

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में समान मन्दिर दर्शन नीति लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने.से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

यक्ष प्रश्नः क्या विकसित भारत 2047 का लक्ष्य 2075 में हासिल होगा?

प्रति व्यक्ति आयः विकसित देश बनने का आधार केवल कुल GDP नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौतीः आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं। यदि आप विकसित भारत 2047 का स्वप्न देख रहे हैं तो थोड़ा संभल जाइए, क्योंकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने यह तर्क दिया है कि यदि भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर, उत्पादकता और रोजगार सृजन की गति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। बता दें कि यह कोई आधिकारिक सरकारी अनुमान नहीं है, बल्कि कतिपय अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक आर्थिक विश्लेषण पर आधारित दृष्टिकोण मात्र है, जो सत्य के निकट है या परे, यह भविष्य के गर्भ में है। हाँ, इतना जरूर है कि इससे विपक्ष को सत्तापक्ष की खिल्ली उड़ाने का एक मौका जरूर मिल गया है। स्व-सहायताऔर प्रेरणादायक

दरअसल, इस संदर्भ में चर्चित अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने भी कहा कि यदि वर्तमान गति ऐसी ही बनी रही, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 तक हासिल करना कठिन हो सकता है। मसलन, Surjit Bhalla का आशय यह है कि केवल उच्च आर्थिक वृद्धि दर पर्याप्त नहीं है। यदि वर्तमान गति, निवेश, उत्पादकता और रोजगार सृजन की चुनौतियाँ बनी रहीं, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है।

इस प्रकार से देखा जाए तो उन्होंने और उनके जैसे अन्य कई अर्थशास्त्रियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रमुख चिंताएँ इस प्रकार हैंः- पहली, विकास दर में कमीः विकसित भारत के लक्ष्य के लिए लंबे समय तक 8झ9% या उससे अधिक वास्तविक GDP वृद्धि की आवश्यकता मानी जाती है, जबकि हाल के वर्षों में वृद्धि इससे कम रहने का अनुमान है।

दूसरी, प्रति व्यक्ति आयः विकसित देश बनने का आधार केवल कुल GDP नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौतीः आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं। आर्थिकसमाचार

चौथी, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग): GDP और रोजगार में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाई है। पांचवीं, मानव पूंजीः शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और श्रम उत्पादकता में अभी भी उल्लेखनीय सुधार की आवश्यकता है। छठी, वैश्विक अनिश्चितताएँः भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार बाधाएँ, ऊर्जा कीमतें और वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे कारक भी विकास की गति को प्रभावित कर सकते

हैं। हालाँकि, यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि यह एक आर्थिक आकलन है, कोई निश्चित भविष्यवाणी नहीं। यदि भारत अगले दो दशकों में तेज और निरंतर आर्थिक वृद्धि, व्यापक रोजगार सृजन, विनिर्माण विस्तार, बुनियादी ढाँचे में निवेश, शिक्षा-स्वास्थ्य सुधार और प्रशासनिक सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करता है, तो 2047 का लक्ष्य अधिक यथार्थवादी हो सकता है।

इसलिए सुरजीत भल्ला का तर्क मूलतः यह है कि यदि वर्तमान गति और संरचनात्मक चुनौतियाँ नहीं बदलीं, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 से काफी आगे खिसक सकता है। इसके पीछे प्रमुख कारण बताए जाते हैं जो इस प्रकार हैंः पहला, विकास दर की चुनौतीः विकसित देशों की श्रेणी में पहुँचने के लिए भारत को लंबे समय तक लगभग 7झ8% या उससे अधिक वास्तविक जीडीपी (GDP) वृद्धि बनाए रखनी होगी। यदि वृद्धि 6% के आसपास रहती है, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। वित्त

दूसरा, प्रति व्यक्ति आय कम होनाः भारत की कुल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन बड़ी आबादी के कारण प्रति व्यक्ति आय अभी विकसित देशों से काफी कम है। तीसरा, रोजगार और उत्पादकताः उच्च आर्थिक वृद्धि के साथ गुणवत्तापूर्ण रोजगार और श्रम उत्पादकता में तेज सुधार आवश्यक है। चौथा, विनिर्माण क्षेत्र की धीमी प्रगतिः यदि मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात अपेक्षित गति से नहीं बढ़ते, तो आय वृद्धि सीमित रह सकती है। पांचवां, शिक्षा और स्वास्थ्यः मानव पूंजी में निवेश पर्याप्त न होने पर दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। छठा, बुनियादी ढाँचा और संस्थागत सुधारः न्यायिक दक्षता, भूमि, श्रम और प्रशासनिक सुधारों की गति भी निर्णायक मानी जाती है।

वहीं, दूसरी ओर, 2047 के लक्ष्य के समर्थन में भी मजबूत तर्क हैं क्योंकि भारत में सत्ता प्रतिष्ठान के रिकॉर्ड दर रिकॉर्ड को तोड़ती जा रही भाजपा नीत राजग की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए विकसित भारत 2047 एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। चूंकि भारत की आजादी प्राप्ति का सौवाँ वर्ष है, इसलिए सरकार इसे ज्यादा तवज्जो दे रही है, जबकि वैश्विक षड्यंत्रकारी देश अमेरिका/चीन और उनके पिछलग्गू कट्टर मुस्लिम देश भारत की तरक्की से जल-भुन रहे हैं!

न्याय पर बोझ

त्वरित न्याय ही वास्तविक न्याय होता है और त्वरित न्याय के लिए पूरे संसाधन और पर्याप्त न्यायाधीश भी होने चाहिए। अतः अपने देश के प्रधान न्यायाधीश का यह इशारा स्वाभाविक और स्वागतयोग्य है कि न्यायपालिका पर बहुत बोझ है और पर्याप्त संख्या में अदालतें होंगी, तो ही न्याय संभव है। बीते वर्ष से ही देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाइयों के दौरान ट्रिब्यूनल में रिक्त पदों का मुद्दा उठता रहा है। शीर्ष अदालत की नाराजगी भी सामने आती रही है। यह अपने आप में गंभीर बात है कि देश के प्रधान न्यायाधीश न्यायपालिका में कमी को लेकर एकाधिक बार अपनी राय रख चुके हैं। प्रधान न्यायाधीश ने शुक्रवार को तेलंगाना स्टेट ज्युडिशियल कॉन्फ्रेंस 2022 को संबोधित करते हुए कहा कि ह्यन्यायपालिका का बुनियादी ढांचा और रिक्त पदों पर भर्तियां चिंता का मुख्य विषय हैं। न्याय तक पहुंच तभी संभव है, जब हमें पर्याप्त संख्या में अदालतें मिलेंगी।

यह अपने आप में बेहद संवेदनशील विषय है कि न्यायपालिका में नियुक्तियों में देरी हो रही है। सरकार को देखना चाहिए कि बाधा कहां है? अदालतों ने पहले भी न्यायपालिका के विस्तार का पक्ष लिया है, लेकिन प्रशासन बहुत सजग नहीं दिखता। भारतीय न्यायपालिका पर जो बोझ है, वैसा दुनिया की किसी न्यायपालिका पर नहीं है। अभी भी मामलों को न्याय तक पहुंचने में तीस-चालीस साल भी लग जा रहे हैं। पुराने मुकदमों का निपटारा जल्दी नहीं हो रहा है और नए मुकदमे बढ़ते जा रहे हैं। यह बात अलग है कि कई मुकदमे प्रशासन की कमियों की वजह से हैं। खासकर गैर-फौजदारी मामलों में बहुत कमी आ सकती है, लेकिन प्रशासन का काम करने का तरीका निचले स्तर पर अपेक्षित गति से सुधर नहीं रहा। अदालतों के कागजी कामकाज का विस्तार भी लगातार हो रहा है, अतः न्याय में देरी ज्यादातर मामलों में एक सच्चाई है। न्याय में देरी से कुछ लोगों को फायदा होता है, लेकिन कुल मिलाकर शासन-प्रशासन की छवि खराब होती है। आम लोगों की नजर में न्याय या अन्याय अंततः सरकार की जिम्मेदारी है। फिर भी कोई भी राजनीतिक दल त्वरित न्याय को लेकर चिंतित नहीं दिखता। किसी के भी घोषणापत्र में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की कोई रूपरेखा नहीं होती है। ऐसे में, हमारे न्यायाधीशों की शिकायत जायज है। क्या हमारी राजनीतिक पार्टियां लोगों को त्वरित न्याय का वादा नहीं कर सकती हैं? क्या यह लोकहित का मामला नहीं है?

आज न्यायपालिका का विस्तार जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसमें समय के साथ आंतरिक सुधार। एक अनुमान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में साल भर में 200 दिन भी सुनवाई नहीं होती है। उच्च न्यायालयों में करीब 210 दिन और निचली अदालतों में करीब 245 दिन ही काम होता है। सर्वोच्च न्यायालय में करीब 73,000 मामले और भारत की सभी अदालतों में लगभग 4.40 करोड़ मामले लंबित हैं। मुकदमों की संख्या में हर साल बढ़ोतरी हो रही है। नीति आयोग के एक रणनीति पत्र के मुताबिक, अदालतों को तमाम दर्ज मामले सुलझाने में अभी के हिसाब से करीब 324 साल से अधिक समय लग जाएगा। हजारों मामले तीस-तीस साल से लंबित हैं। अतः न्यायपालिका के बोझ को हल्का करने और उसे त्वरित न्याय की दिशा में प्रेरित करने के भगीरथ प्रयासों की जरूरत है। त्वरित न्याय समाज में सुख-शांति और कानून के राज के लिए भी जरूरी है।

असंतुलित आर्थिक नीतियां बढ़ा रही हैं अमीरी गरीबी की खाई

आंकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी। देश के लगभग 100 करोड़ भारतीयों के पास इतनी आय नहीं है कि वे विवेकाधीन वस्तुओं पर कुछ भी खर्च कर सकें। अर्थात वे किसी भी प्रकार से किसी भी वस्तु पर अतिरिक्त खर्च करने में असमर्थ हैं। लोग जरूरत के अलावा सामान या सुविधाएं नहीं खरीद सकते। वहीं, देश के केवल 10 फीसदी लोग, अर्थात 13-14 करोड़ लोग देश की अर्थव्यवस्था को चला रहे हैं, क्योंकि ये लोग ही सबसे ज्यादा खर्च करते हैं और देश की तरक्की में बड़ा रोल निभाते हैं। केंद्र सरकार एक तरफ देश में तरक्की का नया मॉडल पेश करते हुए विकसित भारत की तरफ बढ़ते कदमों का आंकड़ा पेश करती है, वहीं गरीबी और अमीरी की बढ़ती खाई ने इस मॉडल पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। ब्लूम वेंचर्स की इंडस वैली की वार्षिक रिपोर्ट 2025 भारत की आर्थिक विषमता की यह तस्वीर पेश करती है। इस रिपोर्ट का सरकार द्वारा किसी तरह प्रतिवाद नहीं किए जाने से साफ जाहिर है कि देश की आर्थिक सेहत एक तरफा जा रही है। अमीरी और गरीबी की खाई का चौड़ा होना जारी है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत का उपभोक्ता बाजार बड़े स्तर पर विस्तार नहीं कर रहा है, बल्कि एक ही जगह गहरा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि भले ही अमीर लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो रही है, लेकिन जो लोग पहले से ही अमीर हैं, वे और भी अमीर हो रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 प्रतिशत भारतीयों (10 सबसे अमीर भारतीय) के पास अब कुल नेशनल आय का 57.7 प्रतिशत हिस्सा है, जो पहले 1990 में 34 प्रतिशत था, जबकि निचले स्तर पर यह हिस्सा पहले के 22.2 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत रह गया है। इसके अलावा, 30 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्होंने हाल फिलहाल खर्च करना शुरू किया है। ये लोग भी अपने खर्च को लेकर बहुत सावधान हैं। खर्च करने वाला वर्ग बढ़ नहीं रहा!

आंकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी। 12 लाख रुपये तक कमाई करने वालों को अब इनकम टैक्स नहीं देना होगा जिससे 92 प्रतिशत वेतनभोगी लोगों को राहत मिलेगी। इसके बावजूद भारत की खपत चीन से 13 साल पीछे है। वर्ष 2023 में भारत में प्रति व्यक्ति खर्च 1,493 डॉलर था, जबकि चीन में वर्ष 2010 में ही ये 1,597 डॉलर था। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में भी हालात ठीक नहीं हैं। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में बढ़ता कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। दिसंबर 2024 तक इस सेक्टर के नॉन-परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और कुल लोन का 13 प्रतिशत है। अमीर-गरीब के बीच की खाई भारत में कभी छिपी नहीं रही है। यह खाई और चौड़ी हो गई है। माइक्रोफाइनेंस का मतलब है गरीब परिवारों को बिना गारंटी के लोन देना। इन परिवारों की सालाना कमाई 3 लाख रुपये से कम होती है। ज्यादातर महिलाएं इन लोन का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ज्यादा लोन देने की होड़ में हालात बिगड़ गए हैं। बंधन बैंक, इंडसइंड, आईडीएफसी फर्स्ट जैसे बैंकों के एनपीए बढ़ गए हैं।

जेडीयू में मतभेद की खबरों के बीच ललन सिंह की सफाई, बोले- पार्टी पूरी तरह एकजुट, अनंत सिंह-नीरज विवाद पर साधी चुप्पी

पटना (एजेंसी) जेडीयू में मतभेद की चचाओं के बीच केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने सफाई दी है. उन्होंने पार्टी को पूरी तरह एकजुट बताया. वहीं, अनंत सिंह और नीरज कुमार के विवाद पर उन्होंने टिप्पणी से इनकार कर इसे दोनों का मामला बताया. बिहार में जेडीयू के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के ट्रेनिंग कार्यक्रम से केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की दूरी को लेकर सवाल उठे. अब ललन सिंह ने खुद इन सवालों पर सफाई दी है. उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया है. पटना पहुंचे ललन सिंह ने कहा कि जेडीयू पूरी तरह एकजुट है और आपसी सहमति से चल रही है. वहीं, मोकामा विधायक अनंत सिंह और जेडीयू नेता नीरज कुमार के बीच चल रही बयानबाजी पर ललन सिंह ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. उन्होंने इसे दोनों नेताओं का आपसी मामला बताया. अनंत सिंह-नीरज विवाद पर क्या बोले ललन सिंह? ललन सिंह से अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद को लेकर सवाल पूछा गया. उन्होंने इस पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया. ललन सिंह ने कहा कि यह दोनों का आपसी मामला है. अगर यह माना जा रहा है कि उनके बोलने से विवाद खत्म हो जाएगा, तो यह मीडि की सोच है. उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थिति पहले ही साफ की जा चुकी है. अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच विवाद पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में है. दोनों नेता एक-दूसरे पर बयान दे रहे हैं. पटना स्नातक सीट को लेकर भी दोनों के रुख अलग-अलग हैं. 'जेडीयू में कोई मतभेद नहीं, पार्टी एकजुट' ललन सिंह ने जेडीयू में मतभेद की चचाओं को खारिज किया. उन्होंने कहा कि यह सब फालतू की बातें हैं. इन्हें जरूरत से ज्यादा तूल दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है. जेडीयू में शुरू से ही आंतरिक लोकतंत्र की परंपरा रही है. फैसले आपसी राय-विचार और सहमति से लिए जाते हैं. ललन सिंह ने पार्टी के इतिहास का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि 1994 में नीतीश कुमार ने समता पार्टी का गठन किया था. तभी से पार्टी में विचार-विमर्श और आपसी सहमति की परंपरा रही है. उनके मुताबिक, आज भी पार्टी उसी परंपरा से चल रही है. ट्रेनिंग कार्यक्रम में क्यों नहीं पहुंचे ललन सिंह? विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के ट्रेनिंग कार्यक्रम में शामिल नहीं होने पर भी ललन सिंह ने सफाई दी. उन्होंने बताया कि उस समय उनका कार्यक्रम गुजरात में था. कई विधायकों ने उन्हें फोन किया था. उन्होंने सभी को बताया कि उनका कार्यक्रम पहले से गुजरात में तय था और वह वहीं मौजूद थे. ललन सिंह के मुताबिक, रात करीब 9 बजे निशांत कुमार का भी फोन आया था. उन्होंने निशांत को भी अपने गुजरात कार्यक्रम की जानकारी दी. इसके बाद उन्होंने संजय झा से भी बात की और अपनी स्थिति स्पष्ट की. ललन सिंह ने साफ किया कि कार्यक्रम में उनकी गैरमौजूदगी का पार्टी के अंदर किसी नाराजगी से कोई संबंध नहीं है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें अनंत सिंह और नीरज की बयानबाजी क्यों चर्चा में? अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच काफी समय से बयानबाजी होती रही है. हाल के दिनों में यह विवाद फिर खुलकर सामने आया है. पटना स्नातक सीट को लेकर अनंत सिंह ने नीरज कुमार के खिलाफ अपना रुख साफ किया है. वहीं, नीरज कुमार भी उनके आरोपों पर जवाब दे चुके हैं. अनंत सिंह ने नीरज कुमार पर कई आरोप लगाए हैं. उन्होंने पुराने अङ-47 मामले को लेकर भी सवाल उठाए और नार्को टेस्ट की बात कही. नीरज कुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर आरोपों के सबूत हैं, तो अदालत का रुख किया जाए.

काजल राघवानी की फॉर्च्यूनर पर हमला, भीड़ ने ईंट-पत्थर से तोड़ा शीशा; नालंदा में बाल-बाल बचीं एक्ट्रेस

पटना (एजेंसी) भोजपुरी अदाकारा काजल राघवानी की कार पर भीड़ ने हमला कर दिया, जिससे उनकी फॉर्च्यूनर का शीशा टूट गया। यह घटना बिहार शरीफ में एक शोरूम के उद्घाटन के दौरान हुई, जब अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए भारी संख्या में लोग जमा हो गए थे। नालंदा जिले के बिहार शरीफ से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है. भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी की कार पर भीड़ ने हमला कर दिया. घटना उस वक्त हुई, जब काजल राघवानी शहर में एक शोरूम के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंची थीं. अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए. भीड़ बढ़ने के बाद स्थिति बेकाबू हो गई और लोगों ने उनकी फॉर्च्यूनर गाड़ी को घेर लिया. जानकारी के मुताबिक, काजल राघवानी के कार्यक्रम में पहुंचने की खबर मिलते ही मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गये थे. अभिनेत्री को देखने और उनके साथ फोटो लेने की कोशिश में भीड़ कार के काफी करीब पहुंच गयी. इसी दौरान धक्का-मुक्की और अफरातफरी की स्थिति बन गयी. भीड़ ने कार के शीशे पर किया हमला प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने काजल राघवानी की गाड़ी पर हाथ और ईंट से हमला किया. इस दौरान फॉर्च्यूनर का शीशा टूट गया. घटना के दौरान मौके पर पुलिस बल भी मौजूद था, कि संचालक की सूझबूझ से काजल राघवानी को भीड़ से बचाकर बाहर निकालने की व्यवस्था की गयी. अभिनेत्री के बाहर निकलते ही ड्राइवर ने कार को तेजी से वहां से बाहर निकाल लिया. कार्यक्रम में अचानक बढ़ गयी थी भीड़ काजल राघवानी को देखने के लिए आसपास के इलाके से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे. भीड़ बढ़ने के बाद कार्यक्रम स्थल पर अव्यवस्था की स्थिति बन गयी. घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आने की बात कही जा रही है. घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित किया. फिलहाल जो जानकारी मिल रही हैं उसके अनुसार, घटना में काजल राघवानी के सुरक्षित बाहर निकलने की जानकारी है. कार के शीशे को नुकसान पहुंचा है. घटना के संबंध में पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान और किसी कार्रवाई की जानकारी सामने आने का इंतजार है.

21 सितंबर से अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर जाएंगे BDO, विकास कार्य ठप होने का खतरा; मुख्य सचिव को सौंपा ज्ञापन

पटना (एजेंसी) गोपालगंज के बीडीओ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 21 सितंबर से अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर जाने की चेतावनी दी है. संघ ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपकर 20 सितंबर तक ठोस कार्रवाई की मांग की है. गोपालगंज जिले के प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 21 सितंबर से अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर जाने की चेतावनी दी है. इससे जिले में विकास कार्य प्रभावित होने और योजनाओं के क्रियान्वयन पर असर पड़ने की आशंका है. इस संबंध में बीडीओ ने डीएम समीर सौरभ से मिलकर उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराया है. 20 सितंबर तक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन बिहार ग्रामीण विकास सेवा संघ ने शनिवार को अपनी मांगों को लेकर राज्य के मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा. संघ ने सरकार से 20 सितंबर तक मांगों पर ठोस कार्रवाई करने की मांग की है. संघ का कहना है कि यदि निर्धारित समय तक सकारात्मक पहल नहीं हुई, तो 21 सितंबर से ग्रामीण विकास सेवा के सभी स्तर के पदाधिकारी अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे. राज्य सेवा संवर्ग का दर्जा देने की मांग बरौली के बीडीओ अजीत कुमार रौशन ने बताया कि संघ की प्रमुख मांगों में ग्रामीण विकास सेवा को राज्य सेवा संवर्ग का दर्जा देना, सेवा संरचना में सुधार, पद और दायित्व के अनुरूप उचित अवसर उपलब्ध कराना तथा प्रखंड विकास पदाधिकारियों को सुरक्षा प्रदान करना शामिल है. संघ का कहना है कि इन मांगों को लेकर पिछले कई वर्षों से ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव, अपर मुख्य सचिव और सरकार के विभिन्न स्तरों पर ज्ञापन व अभ्यावेदन दिए जाते रहे हैं. इसके बावजूद अब तक अपेक्षित परिणाम नहीं मिला है. वार्ता के बाद भी नहीं निकला ठोस समाधान संघ के अनुसार, 14 सितंबर को अपर मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग के साथ प्रतिनिधिमंडल की मांगों और समस्याओं को लेकर वार्ता हुई थी. इसमें मांगों पर आगे आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया. हालांकि, संघ का कहना है कि इससे पहले भी विभागीय स्तर पर कई बार वार्ता और आश्वासन मिल चुके हैं, लेकिन मांगों के समाधान की दिशा में ठोस परिणाम सामने नहीं आया. विकास योजनाओं पर पड़ सकता है असर बीडीओ ने कहा कि यदि 20 सितंबर तक मांगों के संबंध में ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो पूर्व निर्धारित निर्णय के अनुसार ग्रामीण विकास सेवा के सभी स्तर के पदाधिकारी 21 सितंबर से अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर जाने को बाध्य होंगे.

जमाबंदी सुधार में बदलाव, अब आवेदन नहीं, इनके पहल से होगा रिकॉर्ड दुरुस्त

पटना (एजेंसी) बिहार में जमाबंदी सुधार को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं. ऐसे में अब जमाबंदी शुद्धिकरण के लिए रैयत के आवेदन का इंतजार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. राजस्व विभाग के सचिव ने सभी अंचल अधिकारियों को आदेश जारी कर दिया है. बिहार में अब जमाबंदी शुद्धीकरण के लिए अंचल कार्यालयों को रैयत के आवेदन का इंतजार नहीं करना होगा. इस संबंध में सभी अंचल अधिकारियों को पहल का निर्देश दिया गया है. जिन मामलों को जमाबंदी में त्रुटि के कारण पहले रिजेक्ट किया गया है, उनकी भी समीक्षा कर आवश्यक सुधार के बाद समाधान की जिम्मेदारी अंचल अधिकारियों को दी गयी है. यह निर्देश राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने दिया है. वे पटना के शास्त्रीनगर स्थित राजस्व सर्वे प्रशिक्षण संस्थान में सारण, सुपौल और पश्चिम चंपारण जिले के अंचल अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे. समीक्षा के क्रम में राजस्व महा-अभियान के 99 प्रतिशत आवेदनों को रिजेक्ट कर देने के कारण सारण जिले के परसा, अमनौर और दरियापुर के अंचलाधिकारी के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई के निर्देश दिए गए. मंत्री बोले- भू-अर्जन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि भू-अर्जन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. विकास की रफ्तार रोकने वालों की जवाबदेही तय होगी. नोटिस तामिला के 14 दिन बाद संबंधित पक्ष को रिमाइंडर जरूर भेजा जाए. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें साथ ही न्यायालय में विचाराधीन मामलों की हर एक स्थिति से निदेशालय को अवगत कराने और लीगल सेल से उनका अध्ययन कराकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने को भी कहा. मंत्री ने यह बातें राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थानमें भू-अर्जन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा में कहीं. इस आवेदन के लिए पटना आने की जरूरत नहीं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने कहा है कि वासभूमि के आवेदन के लिए वासभूमिहीन लाभार्थियों को पटना आने की जरूरत नहीं है. उन सभी को अंचल कार्यालय में ही आवेदन जमा करना है. आवेदन प्राप्त करने के बाद आवेदक को उसकी रसीद भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि आवेदन जमा होने का प्रमाण आवेदक के पास रहे.

संक्षिप्त डायरी

पैक्स को 46.69 करोड़ का भुगतान, सीएमआर के अब भी 45 करोड़ रुपये फंसे

पटना (एजेंसी) प्रभात खबर की खबर के बाद सीवान में पैक्स को सीएमआर की राशि के रूप में 46.69 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है. हालांकि, करीब 45 करोड़ रुपये अब भी बकाया हैं और समितियों पर ब्याज का दबाव बना हुआ है. खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में किसानों से धान खरीद के बाद तैयार चावल (सीएमआर) की राशि के भुगतान में देरी को लेकर प्रकाशित प्रभात खबर की खबर का असर हुआ है. बिहार राज्य खाद्य निगम (एसएफसी) से राशि मिलने के बाद जिले की विभिन्न सहकारी समितियों को करीब 46.69 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है. हालांकि, इसके बावजूद करीब 45 करोड़ रुपये की राशि अब भी बकाया है. भुगतान में देरी के कारण पैक्स पर बैंक ऋण के ब्याज का दबाव बना हुआ है. 3 सितंबर को प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी खबर प्रभात खबर ने 3 सितंबर के अंक में ह्यएसएफसी के चक्कर में पैक्स पर बढ़ा ब्याज का बोझ, हर माह 75 लाख से अधिक भुगतानह्ल शीर्षक से पैक्स की समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था. खबर में बताया गया था कि सीएमआर की राशि समय पर नहीं मिलने के कारण समितियों को सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक से लिये गये कैश क्रेडिट पर लगातार ब्याज चुकाना पड़ रहा है. खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने मामले को संज्ञान में लिया और विभिन्न पैक्स को 46.69 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया. इससे लंबे समय से भुगतान की प्रतीक्षा कर रही समितियों को कुछ राहत मिली है. 65 हजार मीट्रिक टन से अधिक सीएमआर जमा खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में जिले की 252 सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 96,052.582 मीट्रिक टन धान की खरीद की गयी थी. धान की मिलिंग के बाद तैयार चावल एसएफसी के संग्रहण केंद्रों पर जमा कराया गया. 31 जुलाई 2026 तक जिले की समितियों की ओर से 65,121.68 मीट्रिक टन सीएमआर एसएफसी के संग्रहण केंद्रों पर जमा कराया जा चुका था. इसके एवज में करीब 240.38 करोड़ रुपये की राशि देय है. कैश क्रेडिट के ब्याज का दबाव बरकरार धान खरीद के दौरान किसानों को समय पर भुगतान करने के लिए सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक की ओर से समितियों को कैश क्रेडिट की सुविधा दी गयी थी. अब तक कुल 149.89 करोड़ रुपये की सीसी सीमा रही है, जबकि मुख्यालय की ओर से 46.69 करोड़ रुपये की सीसी सीमा स्वीकृत की गयी है. सीएमआर की राशि मिलने के बाद बैंक से ली गयी राशि चुकायी जानी है. लेकिन भुगतान में देरी के कारण समितियों को बैंक का ब्याज लगातार देना पड़ रहा है. डिफॉल्टर होने का खतरा अभी टला नहीं सीएमआर की पूरी राशि समय पर नहीं मिलने से पैक्स के डिफॉल्टर होने का खतरा भी बना हुआ है. यदि बैंक की देनदारी समय पर जमा नहीं हुई, तो संबंधित समितियों की बैंकिंग स्थिति प्रभावित हो सकती है. डिफॉल्टर घोषित होने की स्थिति में नये वित्तीय वर्ष में संबंधित पैक्स के माध्यम से धान खरीद की व्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका है. शेष राशि मिलने पर होगा भुगतान बिहार राज्य खाद्य निगम के जिला प्रबंधक आसिफ इकबाल ने बताया कि सरकार से राशि मिलने के बाद विभिन्न पैक्स को 46.69 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है. शेष राशि प्राप्त होने पर उसका भी भुगतान संबंधित पैक्स को कर दिया जाएगा.

बिहारशरीफ में 1.50 करोड़ रुपये से पहला इंद्रधनुषी फुटब्रिज बनकर तैयार, इस इलाके की बदलेगी तस्वीर

पटना (एजेंसी) बिहार के कई जिलों में सड़कों से लेकर पुलों के निर्माण का कार्य किया जा रहा है. इसी कड़ी में नालंदा जिले के बिहारशरीफ में पहला इंद्रधनुषी फुटब्रिज बनकर तैयार हो गया है. इसके बनने से आशानगर-बसारबिगहा के बीच की दूरी कम हो सकेगी. बिहारशरीफ के लोगों के लिए आवागमन के क्षेत्र में एक नई सुविधा तैयार हो गई है. आशानगर सूर्य मंदिर के पास पंचाने नदी पर पहला इंद्रधनुषी फुटब्रिज तैयार हो गया है. लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पुल से पैदल आवागमन आसान होने के साथ इलाके के सौंदर्यीकरण को भी नया रूप मिलने की उम्मीद है. मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना से हुआ निर्माण फुटब्रिज का निर्माण मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत कराया गया है. परियोजना का क्रियान्वयन बिहार अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन यानी बुडको की देखरेख में हुआ है. पुल का मुख्य निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अब इसे आम लोगों के लिए खोलने की तैयारी की जा रही है. फिनिशिंग का काम अंतिम चरण में बुडको के सहायक अभियंता कुंदन कुमार त्रिपाठी की मानें तो, फुटब्रिज का मुख्य ढांचा और निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. पुल को चालू करने से पहले रंग-रोगन समेत कुछ अंतिम कार्य बाकी हैं. इन कामों के पूरा होने के बाद फुटब्रिज को औपचारिक रूप से आम लोगों के लिए खोला जाएगा. आशानगर और बसारबिगहा के बीच सीधा संपर्क फुटब्रिज शुरू होने के बाद आशानगर और बसारबिगहा के लोगों को सबसे ज्यादा सुविधा मिलने की उम्मीद है. अभी दोनों इलाकों के बीच आने-जाने के लिए लोगों को किसान कॉलेज मार्ग से होकर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है. पंचाने नदी पर पैदल आवागमन का सीधा रास्ता मिलने से स्थानीय लोगों का समय और दूरी दोनों कम होंगे. रोजमर्रा के आवागमन में मिलेगी राहत सीधे संपर्क मार्ग के अभाव में दैनिक यात्रियों, कामकाजी लोगों और किसानों को आवागमन में परेशानी होती थी. फुटब्रिज शुरू होने के बाद इन दोनों इलाकों के बीच पैदल आने-जाने का एक वैकल्पिक और छोटा मार्ग उपलब्ध होगा. इससे स्थानीय स्तर पर आवागमन की सुविधा बढ़ने की उम्मीद है. छठ में व्रतियों के लिए होगी खास सुविधा आगामी छठ महापर्व को देखते हुए फुटब्रिज का उपयोग काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. आशानगर स्थित सूर्य मंदिर में छठ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. पुल चालू होने के बाद आशानगर और बसारबिगहा की ओर से आने वाले व्रतियों और श्रद्धालुओं को मंदिर और छठ घाट तक पहुंचने में सीधा पैदल मार्ग मिल सकेगा. सूर्य मंदिर तक पहुंचना होगा आसान छठ के दौरान घाट और सूर्य मंदिर की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं को पहले लंबा रास्ता तय करना पड़ता था. फुटब्रिज शुरू होने के बाद पंचाने नदी को पार करने के लिए सीधा पैदल संपर्क उपलब्ध होगा. इससे खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और व्रतियों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है. इंद्रधनुषी रंगों से बदलेगा नदी के किनारे का लुक फुटब्रिज को इंद्रधनुषी रंगों में तैयार किया गया है. इसकी रंगीन संरचना पंचाने नदी के आसपास के क्षेत्र को आकर्षक रूप दे रही है. इससे पुल केवल आवागमन का साधन ही नहीं, बल्कि शहर के सौंदर्यीकरण का भी हिस्सा बनता नजर आ रहा है.

24 और 25 सितंबर को पूरे बिहार में अलर्ट, 30-40 किमी/घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, झमाझम बारिश की चेतावनी

पटना (एजेंसी) बिहार में सितंबर के आखिरी हफ्ते में मानसून का असर एक बार फिर से तेज होने जा रहा है. मौसम विभाग के पूवानुमान के मुताबिक 22 सितंबर से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश और वज्रपात का दौर शुरू होगा. इसके बाद 24 और 25 सितंबर को पूरे बिहार के 38 जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट घोषित किया गया है. बिहार में 22 से 25 सितंबर के बीच मौसम फिर कर-वट लेने वाला है. 22 सितंबर से उत्तर और पूर्वी हिस्सों में बारिश शुरू होगी. 23 सितंबर को दक्षिण और पूर्वी जिलों में असर बढ़ेगा. 24 और 25 सितंबर को पूरे राज्य में बारिश, मेघगर्जन और तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट रहेगा. 22 सितंबर से बिहार में बारिश की गतिविधियां बढ़ने लगेंगी. शुरूआत राज्य के उत्तर और पूर्वी हिस्सों से होगी. इस दिन कई जिलों में बारिश के साथ बिजली चमकने की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है. इस दौरान उत्तर-पश्चिम और पूर्वो▪ बिहार के जिलों में मौसम का असर ज्यादा देखने को मिलेगा. 22 सितंबर को इन जिलों में येलो अलर्ट 22 सितंबर को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और मधुबनी में येलो अलर्ट रहेगा. इसके अलावा सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार में भी बारिश और बिजली चमकने को लेकर चेतावनी है. पटना, गया, बक्सर, भोजपुर और भागलपुर समेत दक्षिण बिहार के बाकी जिलों में इस दिन मौसम सामान्य रहने की बात कही गई है. 23 सितंबर को दक्षिण और पूर्वी बिहार में बारिश 23 सितंबर को मौसम का असर उत्तर-पश्चिम बिहार से हटकर दक्षिण और पूर्वी हिस्सों की ओर बढ़ेगा. इस दिन कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश को लेकर येलो अलर्ट रहेगा. बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, पटना, जहानाबाद, ग

यूपी-बिहार से गुजरने वाली 845 ट्रेनें प्रभावित, 21 सितंबर से 338 रद्द और 384 का बदलेगा रूट

पटना (एजेंसी) भारतीय रेलवे मोकामा में नए रेल पुल को जोड़ने के लिए 21 सितंबर से 4 अक्टूबर तक बड़ा ट्रैफिक ब्लॉक ले रहा है. इस दौरान 845 ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी, जिनमें 338 ट्रेनें रद्द रहेंगी और 384 का मार्ग बदला जाएगा. भारतीय रेलवे बिहार के मोकामा में गंगा नदी पर बने नये समानांतर डबल लाइन रेल पुल को मौजूदा रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए 21 सितंबर से 4 अक्टूबर तक बड़ा ट्रैफिक ब्लॉक लेने जा रहा है, इसके चलते 21 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक 845 ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहेंगी. इस दौरान कई ट्रेनें रद्द की जाएंगी, कई का मार्ग बदला जाएगा, जबकि कुछ ट्रेनों को उनके निर्धारित गंतव्य से पहले ही समाप्त या दूसरे स्टेशन से शुरू किया जाएगा. रेलवे ने यात्रियों को सफर शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस जरूर जांचने की सलाह दी है. 14 दिन तक चलेगा काम रेलवे के अनुसार, मोकामा के पास गंगा नदी पर बन रहे नये समानांतर डबल लाइन पुल को मौजूदा रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग (ठक) का काम किया जाएगा. इसके लिए 21 सितंबर से 4 अक्टूबर तक 14 दिनों का ट्रैफिक ब्लॉक रहेगा. यह परियोजना मौजूदा राजेंद्र सेतु पर रेल यातायात का दबाव कम करने और पूर्वी भारत के महत्वपूर्ण रेल मार्गों की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही है. 338 ट्रेनें रद्द, 384 का बदलेगा मार्ग एनआइ कार्य के दौरान कुल 845 ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी. इनमें 338 ट्रेनें रद्द होंगी और 384 ट्रेनें डायवर्ट की जाएगी. वहीं 67 ट्रेनें शॉर्ट-ऑरिजिनेट और 56 ट्रेनें शॉर्ट-टर्मिनेट की जाएंगी. यानी कुछ ट्रेनें अपने निर्धारित शुरूआती स्टेशन के बजाय दूसरे स्टेशन से चलेंगी और कुछ को गंतव्य से पहले ही समाप्त कर दिया जाएगा. सबसे अधिक असर 3 अक्टूबर को पड़ने की संभावना है, जब 36 ट्रेनें रद्द रहेंगी. पांच प्रमुख जंक्शन से जुड़ेगा नया पुल नये डबल लाइन पुल को मौजूदा रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए पांच प्रमुख स्थानों पर काम किया जाएगा. इनमें अपर हथिदह जंक्शन, ताल जंक्शन, रामपुर डुमरा, दिनकर ग्राम सिमरिया और बरौनी जंक्शन शामिल हैं. काम पूरा होने के बाद नये पुल के जरिए ट्रेनों के संचालन में सुविधा होगी और इस व्यस्त रेल मार्ग की क्षमता बढ़ेगी. यूपी समेत इन राज्यों के यात्रियों पर असर ट्रैफिक ब्लॉक का असर बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा से आने-जाने वाले यात्रियों पर भी पड़ेगा. हावड़ा, पटना, कोलकाता और नयी दिल्ली को जोड़ने वाले कई प्रमुख रेल मार्गों पर ट्रेन सेवाओं में बदलाव होगा. प्रभावित ट्रेनों में कोलकाता-जयनगर एक्सप्रेस, अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस और गोरखपुर-रांची एक्सप्रेस जैसी लंबी दूरी की ट्रेनें भी शामिल हैं. सफर से पहले ट्रेन का स्टेटस जरूर देखें रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि 21 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच यात्रा करने से पहले अपनी ट्रेन का रनिंग स्टेटस, रूट और शेड्यूल जरूर जांच लें. ट्रैफिक ब्लॉक के कारण किसी ट्रेन के रद्द होने, मार्ग बदलने या शुरूआती अथवा अंतिम स्टेशन में बदलाव की स्थिति में यात्रियों को परेशानी से बचने के लिए पहले से जानकारी लेना जरूरी होगा. सभी रद्द और डायवर्ट ट्रेनों की लिस्ट देखने के लिए यहां पर क्लिक करें 1,491 करोड़ रुपये की परियोजना गंगा पर बन रहे नये डबल लाइन रेल पुल को वर्ष 2015-16 के रेल बजट में मंजूरी दी गयी थी. इसकी अनुमानित लागत 1,491.47 करोड़ रुपये बतायी गयी थी. नया पुल वर्ष 1959 में शुरू हुए सिंगल लाइन राजेंद्र सेतु पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करने में मदद करेगा. रेलवे के मुताबिक परियोजना पूरी होने के बाद पूर्वी भारत के व्यस्त रेल मार्गों पर क्षमता बढ़ेगी, जाम कम होगा और ट्रेनों के परिचालन में सुधार आएगा.

‘स्पैम’ पर अंकुश लगाने ट्राई ने नियम किए कड़े, एआई से पहचान

नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने अवांछित वाणिज्यिक संचार (यूसीसी) पर अंकुश लगाने के लिए शुक्रवार को नियम कड़े कर दिए। संशोधित नियमों में संदिग्ध स्पैम का पता लगाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआइ) आधारित पहचान व्यवस्था को शामिल किया गया है और उपभोक्ताओं के लिए अपील की व्यवस्था भी शुरू की गई है। नए नियमों के तहत दूरसंचार सेवा प्रदाता स्पैम के लिए इस्तेमाल किए जाने की आशंका वाले नंबरों की पहचान करेंगे और यह जानकारी आपस में साझा करेंगे। स्पैम ऐसे अनचाहे संदेश या कॉल होते हैं, जो बड़ी संख्या में लोगों को बिना उनकी मांग या सहमति के भेजे जाते हैं।

- कृत्रिम आवाज वाली कॉल भी इसके दायरे

बार-बार उल्लघंन होने पर कनेक्शन काट दिया जाएगा

140, 1600, 1601 नंबर के कॉल नहीं होंगे ब्लाक

इसके अलावा, संदेश भेजने के लिए स्वीकृत प्रेषक-पहचान (हेडर) या पहले से तय संदेश प्रारूप के गलत या अनधिकृत इस्तेमाल को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को भी मजबूत किया गया है। नियामक ने कहा कि कॉल-प्रबंधन ऐप को 140एक्सएक्स, 1600एक्सएक्स और 1601एक्सएक्स श्रृंखला के नंबरों से आने वाली कॉल को सामूहिक रूप से ब्लॉक, फिल्टर या स्पैम के रूप में चिह्नित करने की अनुमति नहीं होगी।

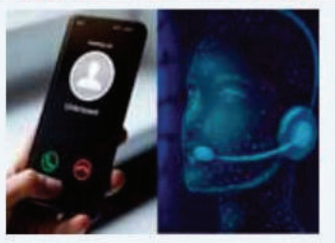

बिना घोषणा की कॉल यूसीसी माना जाएगा : ए2पी कॉल करने वाली संस्थाओं को अपने दूरसंचार सेवा प्रदाता को पहले से इसकी जानकारी और इस्तेमाल किए जाने वाले नंबर बताने होंगे। बिना घोषणा की गई ऐसी कॉल को यूसीसी माना जाएगा। ए2पी कॉल पर प्रति मिनट पांच पैसे तक टर्मिनेशन शुल्क भी लगाया गया है। यह शुल्क एक दूरसंचार नेटवर्क से दूसरे नेटवर्क पर कॉल समाप्त होने पर संबंधित नेटवर्क को देना पड़ता है।

ट्राई करेगी यह कार्रवाई

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि किसी प्रेषक से जुड़े पांच या अधिक नंबर 10 दिन के भीतर चिह्नित होने पर आगे जांच और चरणबद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसमें केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) का दोबारा सत्यापन, भौतिक सत्यापन, आउटगोइंग सेवाओं पर रोक और बार-बार उल्लंघन होने पर कनेक्शन काटना शामिल है।

ए2पी कॉल को किया गया परिभाषित

नियामक ने एप्लिकेशन-टू-पर्सन (ए2पी) कॉल को भी परिभाषित किया है। इसमें किसी ऐप, सॉफ्टवेयर प्रणाली या स्वचालित मंच से बिना किसी व्यक्ति द्वारा सीधे नंबर डायल किए जाने वाली कॉल शामिल हैं। ऑटो-डायल, रोबोकॉल और पहले से रिकॉर्ड की गई या कृत्रिम आवाज वाली कॉल भी इसके दायरे में आएंगी।

ए2पी कॉल शुल्क से मुक्त होगी

हालांकि, प्राधिकरण द्वारा विनियमित वाणिज्यिक कॉल के लिए निर्धारित किसी भी नंबर श्रृंखला से की गई ए2पी कॉल और प्राधिकरण द्वारा अधिकृत कॉल को इस शुल्क से छूट दी गई है। ट्राई ने कहा कि इन संशोधनों से शिकायत के आधार पर भी कार्रवाई मजबूत होगी।

खबर संक्षेप

सोना 1,600 रुपए मजबूत चांदी 5,000 रुपए चमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,600 रुपये बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से मुद्रास्फीति की चिंताएं कम होने और हाल की बिकवाली के बाद निवेशकों के सराफा बाजार में लौटने से सोने के दाम चढ़े।

आरबीआई ने नीलामी से 2.23 लाख करोड़ की नकदी जुटाई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने परिवर्तनीय दर वाली रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिये बैंकिंग प्रणाली से शुक्रवार को 2.23 लाख करोड़ रुपये की नकदी जुटाई। आरबीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय बैंक को 2.25 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 2,22,629 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं।

लेलैंड का वाहनों को खरीदने केरल ग्रामीण बैंक से करार

Kerala Gramin Bank

मुंबई। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड ने वाणिज्यिक वाहन खरीदारों को ऋण देने के लिए केरल ग्रामीण बैंक के साथ साझेदारी की है। अशोक लेलैंड ने शुक्रवार को बयान में कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य ग्राहकों की सुविधा बढ़ाना है। इसके तहत उनकी जरूरत और पसंद के अनुरूप आसानी से चुकाए जा सकने वाले वाहन ऋण की सुविधा दी जाएगी।

एलिवेट कैंपस का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। एलिवेट कैंपस लिमिटेड का 2,100 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 343-362 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, तीन दिन का निर्गम 25 सितंबर को बंद होगा। शेयर के 30 सितंबर को बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

टेबल स्पेस ने केएमसी में हिस्सेदारी खरीदी

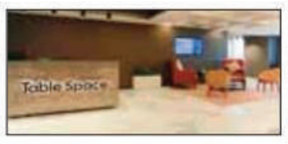

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी टेबल स्पेस ने हिलहाउस के साथ मिलकर अपने प्रबंधित कार्यालय कारोबार के विस्तार की रणनीति के तहत फिलीपीन की केएमसी सॉल्यूशंस में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी है। बेंगलुरु स्थित टेबल स्पेस ने शुक्रवार को बयान में कहा कि कंपनी और हिलहाउस की कंपनी रावा पार्टनर्स ने केएमसी सॉल्यूशंस में बहुमत हिस्सेदारी खरीदी है।

वीगालैंड डेवलपर्स का शेयर 10 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

Veegaland HOMES

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी वीगालैंड डेवलपर्स लिमिटेड का शेयर अपने 140 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 10 प्रतिशत की बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 151 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 7.85 प्रतिशत अधिक है। वहीं एनएसई पर यह 10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 154 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 700.78 करोड़ रुपये रहा। आईपीओ को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 13.55 गुना अभिदान मिला था।

वर्ष 2026-27 के लिए अनुमान छह प्रतिशत था

मूडीज ने भारत का जीडीपी वृद्धि अनुमान 7% किया, महंगाई को लेकर किया आगाह

नई दिल्ली

मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान छह प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक झटकों के प्रति भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है।

हालांकि, उसने साथ ही तेल की ऊंची कीमतों और अल नीनो के असर से महंगाई बढ़ने के जोखिम को लेकर आगाह किया। भारत की ‘बीएए3’ रेटिंग की समय-समय पर की जाने वाली समीक्षा के बाद जारी बयान में मूडीज ने कहा कि कर्ज में कमी की गति धीमी बनी रहने और कर्ज चुकाने की क्षमता कमजोर रहने का अनुमान है। इसकी वजह भारत पर कर्ज का अधिक बोझ और ब्याज लागत का ऊंचा स्तर है।

सेवा क्षेत्र का मजबूत योगदान

मूडीज ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत की वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि सालाना आधार पर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई, जो समूचे कैलेंडर वर्ष 2025 की 7.3 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इसमें निजी खपत में मजबूती, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर लगातार खर्च से सकल स्थिर पूंजी निर्माण में मजबूत वृद्धि और निजी क्षेत्र के निवेश में संभावित सुधार के साथ सेवा क्षेत्र की लगातार मजबूती का योगदान रहा।

अल नीनो से खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है

यह वित्त वर्ष 2025-26 में दर्ज 2.4 प्रतिशत से पहले ही काफी अधिक है। वहीं, अल नीनो से जुड़ी बाधाओं के कारण खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे निजी खपत और आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ेगा। मूडीज ने कहा कि कच्चे तेल के आयात स्रोतों में भारत का बढ़ा हुआ विविधीकरण, विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर और मजबूत घरेलू मांग महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं।

चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है

हालांकि, ऊर्जा एवं उर्वरक आयात की ऊंची लागत, कमजोर बाहरी मांग और पश्चिम एशिया से कम प्रेषण से चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है तथा व्यापक स्तर पर वृद्धि की गति प्रभावित हो सकती है। इस महीने की शुरुआत में जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी जेसीआर ने भारत की रेटिंग को बढ़ाकर ‘A-’ कर दिया था।

- खाड़ी युद्ध के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई
- तेल की ऊंची कीमतों व अल नीनो से महंगाई बढ़ने का खतरा
- कर्ज में कमी की गति धीमी, कर्ज चुकाने की क्षमता कमजोर

जेसीआर ने 35 साल बाद बढ़ाई थी रेटिंग

मजबूत आर्थिक वृद्धि और मजबूत वित्तीय प्रणाली का हवाला देते हुए जेसीआर ने 35 साल के अंतराल के बाद यह उपलब्धि हासिल हुई थी। 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो आरबीआई के सात प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के अनुमान से अधिक है।

ऊर्जा की ऊंची कीमतें महंगाई भड़का सकती है

मूडीज ने कहा कि भारत के अन्य सभी जी20 देशों के साथ-साथ समान रेटिंग वाले उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन उसने जोखिमों को लेकर भी आगाह किया। रेटिंग एजेंसी ने कहा, भविष्य में यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष का स्थायी समाधान नहीं होता है तो ऊर्जा की ऊंची कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में सालाना औसत महंगाई को हमारे 4.8 प्रतिशत के अनुमान से ऊपर ले जा सकती हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती

रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''पश्चिम एशिया में संघर्ष से उत्पन्न हुए वैश्विक झटके के प्रति अर्थव्यवस्था की दिखाई गई मजबूती के कारण हमने वित्त वर्ष 2026-27 (मार्च 2027 को समाप्त होने वाला वर्ष) में वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान पहले के छह प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है।

सरकार ने थोक ग्राहकों के लिए चीनी भंडार रखने की सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली

- सीमा को मौजूदा 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन कर दिया
- आने वाले त्योहारों में मांग बढ़ने की संभावना

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने थोक चीनी ग्राहकों के लिए भंडार रखने की सीमा को मौजूदा 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन कर दिया है, क्योंकि त्योहार आ रहे हैं और इस दौरान मांग बढ़ने की संभावना है।

अभी, जो थोक ग्राहक कच्चे माल के तौर पर उत्पादन, खपत या किसी और औद्योगिक इस्तेमाल के लिए महीने में 10 टन से ज्यादा चीनी का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से 15 दिन तक का भंडार रखने की इजाजत है।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने एक बयान में कहा कि अब यह सीमा दोगुनी कर दी जाएगी। यह एक एक शर्त के साथ की जाएगी कि पहले की 15 दिन की सीमा से ज्यादा रखा गया कोई भी भंडार सिर्फ शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) या अग्रिम मंजूरी योजना (एएएस) के तहत आयात की गई चीनी से ही आना चाहिए। सरकार ने पहले ही टीआरक्यू के तहत 10 लाख टन चीनी के आयात की इजाजत दे दी है, साथ ही अग्रिम मंजूरी योजना के तहत खरीदी गई निर्यात-योग्य चीनी की घरेलू बिक्री की भी अनुमति दी है। मंत्रालय ने साफ किया कि खुले बाजार से खरीदे गए भंडार पर 15 दिन की खपत की सीमा लागू रहेगी। भंडार पर नजर रखने के लिए, सरकार ने एक व्यवस्था भी शुरू की है। इसके तहत थोक ग्राहकों को हर शुक्रवार को खाद्य मंत्रालय के ऑनलाइन पोर्टल ‘फूडस्टॉक डॉट डीएफपीडी डॉट जीओवी डॉट इन’ पर अपने चीनी के भंडार की जानकारी देनी होगी।

चीनी की कीमतें लगभग 25 फीसदी तक टूटी

इसके अलावा, केंद्र सरकार ने बताया कि हालांकि मिल से निकलने वाली चीनी की कीमतें लगभग 25 प्रतिशत टूटी हैं, लेकिन खुदरा कीमतें अगस्त के 65 रुपये के उच्चतम स्तर से गिरकर अभी 58.50 रुपये यानी सिर्फ 10 प्रतिशत ही कम हुई हैं। इससे पता चलता है कि थोक बाजार में सस्ती दरों का फायदा पूरी तरह से ग्राहकों तक नहीं पहुंचा है।

शेयर बाजार में मिला-जुला रुख; निफ्टी 76 अंक चढ़ा, सेंसेक्स टूटा

- सेंसेक्स में 19 .63 अंक की गिरावट दर्ज की गई
- आईटी कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही

मुंबई

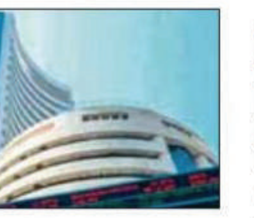

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आईटी कंपनियों और टाटा समूह की कंपनियों के शेयरों में कमजोर रुख के कारण मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 19.63 अंक की गिरावट के साथ 74,294.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 413.85 अंक बढ़कर 74,728.44 अंक तक पहुंच गया था। सेंसेक्स ने कारोबार के दौरान हासिल बढ़त को समापन नीलामी सत्र (सीएएस) में गंवा दिया। वहीं निफ्टी 75.80 अंक चढ़कर 23,346.40 अंक पर बंद हुआ।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में गिरावट : टाटा समूह की प्रमुख कंपनियों के शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। इससे एक दिन पहले इनमें बढ़त दर्ज की गई थी। टाटा समूह के निदेशक मंडल में जारी विवाद के बीच टाटा केमिकल्स के शेयर 11 प्रतिशत से अधिक टूट गए। यह विवाद टाटा संस के निदेशक मंडल द्वारा कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल देने की मंजूरी के बाद और बढ़ गया है। बीएसई में टाटा केमिकल्स का शेयर 11.14 प्रतिशत टूटा।

टाटा मोटर्स एक अक्टूबर से वाहनों की कीमत बढ़ाएगी...

मुंबई। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स एक अक्टूबर से अपने वाहनों की कीमतों में एक प्रतिशत तक की वृद्धि करेगी। टाटा मोटर्स ने बयान में कहा कि यह मूल्य वृद्धि जिंस और अन्य कच्चे माल की लागत में हुई बढ़ोतरी की भरपाई के लिए की जा रही है। कंपनी ने कहा कि कीमतों में वृद्धि अलग-अलग वाहन मॉडल और उनके संस्करणों के आधार पर अलग-अलग होगी।

प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 13 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली

- संग्रह बढ़कर 12 .12 लाख करोड़ रुपए पर
- कॉरपोरेट क्षेत्र से बेहतर कर संग्रह रहा

सरकार का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 17 सितंबर तक 13 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। कॉरपोरेट क्षेत्र से बेहतर अग्रिम कर संग्रह से इसमें वृद्धि हुई। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अग्रिम कर संग्रह 16.18 प्रतिशत बढ़कर करीब 5.22 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें कॉरपोरेट क्षेत्र से अग्रिम कर भुगतान 18 प्रतिशत बढ़कर 4.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक और गैर-कॉरपोरेट क्षेत्र (व्यक्तिगत तथा हिंदू अविभाजित परिवार) से अग्रिम कर संग्रह 9.24 प्रतिशत बढ़कर 1.06 लाख करोड़ रुपये रहा। सीबीडीटी के आंकड़ों के अनुसार, 17 सितंबर तक कर ‘रिफंड’ 29.19 प्रतिशत बढ़कर 2.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 15 प्रतिशत बढ़कर 14.32 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। ‘रिफंड’ को समायोजित करने के बाद प्रत्यक्ष करों (जिसमें कॉरपोरेट, गैर-कॉरपोरेट कर व प्रतिभूति लेनदेन कर शामिल हैं) का शुद्ध संग्रह 12.96 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 19.48 प्रतिशत बढ़कर करीब 5.56 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह छह प्रतिशत बढ़कर 6.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

यूपीआई एमडीआर से नकद लेनदेन बढ़ने की आशंका सच नहीं होगी

मुंबई

- आरबीआई डिप्टी गवर्नर मुर्मू ने जताई आशंका
- अधिकांश कारोबारी भुगतान पहले की तरह मुफ्त रहेंगे

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर शिरीष चंद्र मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होने से नकद लेनदेन बढ़ने की आशंका के सच साबित होने की संभावना नहीं है। सरकार के मुताबिक, 15 अक्टूबर से व्यापारियों को 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर देना होगा। हालांकि, 75,000 रुपये या उससे अधिक के लेनदेन पर अधिकतम शुल्क 300 रुपये होगा। दो व्यक्तियों के बीच भुगतान और रोजमर्रा के अधिकांश कारोबारी भुगतान पहले की तरह मुफ्त रहेंगे।

एमडीआर लागू होने के बाद नकदी लेनदेन बढ़ने की आशंकाओं के बारे में पूछे जाने पर मुर्मू ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह आशंका सच होगी। यह केवल शुरुआती आशंका है। उन्होंने कहा कि एमडीआर के जरिये लागत की वसूली के तरीके में बड़ा बदलाव हो रहा है और इसी वजह से ऐसी आशंका पैदा हुई है। यहां बीसीसी एंड आई द्वारा आयोजित एक वित्तीय बाजार सम्मेलन में मुर्मू ने कहा कि डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ नकदी का प्रचलन भी बढ़ना विरोधाभासी नहीं है, क्योंकि नकदी का इस्तेमाल लेनदेन के साधन के साथ मूल्य को सुरक्षित रखने के लिए भी होता है।

मुर्मू ने कहा, ''डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ नकदी के प्रचलन में उसी अनुपात में कमी आने की अपेक्षा आंकड़ों से पुष्ट नहीं होती, क्योंकि दोनों चीजें एक साथ हो रही हैं। मुर्मू ने कहा, ''हम नकदी के प्रचलन, खासकर चलन में मौजूद नोटों पर नजर रख रहे हैं कि डिजिटल लेनदेन के बढ़ते इस्तेमाल के बीच उस पर इसका क्या असर पड़ रहा है।''

केंद्रीय बैंक ने 600 से अधिक संशोधन किए

आरबीआई की ओर से किए गए नियामकीय बदलावों पर मुर्मू ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने पिछले एक साल में 600 से अधिक मसौदा और अंतिम संशोधन परिपत्र जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने अपने नियमन के दायरे में आने वाली संस्थाओं को करीब 11 श्रेणियों में पुनर्गठित किया है और कुछ परिपत्र इनमें से कई श्रेणियों पर लागू होते हैं।

एनएसई के आईपीओ को बोली के दूसरे दिन पूरी बोली मिली

- निवेशकों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया

नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के 22,569 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार को बोली के दूसरे दिन पूरी बोली मिल गयी। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) और गैर-संस्थागत निवेशकों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

बीएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दोपहर दो बजकर 56 मिनट तक एनएसई के आईपीओ में पेश किए गए 8,86,42,911 शेयरों के मुकाबले 8,88,23,000 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित हिस्से को 1.32 गुना बोलियां मिलीं , जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 1.37 गुना अभिदान मिला।

ए-वन स्टील्स ने तय किया शेयर मूल्य का दायरा

नई दिल्ली। ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को अपने 405 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 385 से 405 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। एकीकृत इस्पात विनिर्माता कंपनी प्राथमिक बाजार से पूंजी जुटाने की तैयारी कर रही है। कंपनी के मसौदा दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ 24 सितंबर को बोली के लिए खुलेगा और 28 सितंबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशकों के लिए बोली 23 सितंबर को होगी। इस आईपीओ में 355 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

बफे 56 साल तक बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन पद पर रहे

वॉरेट बफे ने दिया इस्तीफा, बेटा संभालेगा कमान

ओमाहा (अमेरिका)

- ग्रेग एबेल ने इस साल की शुरुआत में बफे की जगह पद संभाला था

दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे 50 साल से अधिक समय तक बर्कशायर हैथवे का चेयरमैन पद संभालने के बाद अब इस जिम्मेदारी से मुक्त होने जा रहे हैं। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि 96 वर्षीय बफे अब मानद चेयरमैन बनेंगे और यह भूमिका तत्काल प्रभाव से संभाल लेंगे। वह कंपनी के निदेशक बने रहेंगे।

बफे के बेटे हावर्ड बफे बर्कशायर हैथवे के नए चेयरमैन होंगे। वह 1993 से कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल हैं।

अधिकांश संपत्ति हैथवे के शेयरों से बनी : बफे की अधिकांश संपत्ति बर्कशायर हैथवे के शेयरों से बनी है। बर्कशायर हैथवे कभी न्यू इंग्लैंड की एक कपड़ा कंपनी थी, जिसे बाद में निवेश समूह में बदला गया और यह वॉल स्ट्रीट की एक प्रमुख कंपनी बन गई। 2024 में बर्कशायर हैथवे एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य वाली शुरुआती गैर-प्रौद्योगिकी कंपनियों में शामिल हुई।

बेटे हावर्ड के सफर को लेकर बफे आश्वस्त

बफे ने कहा कि वह सीईओ एबेल और अपने बेटे हावर्ड की अगुवाई में बर्कशायर के सफर को लेकर आश्वस्त हैं। बफे ने कहा, ''ग्रेग कंपनी चलाएंगे और हावर्ड इसकी संस्कृति एवं मूल्यों की रक्षा करेंगे जो हमारे बहीखाते की किसी भी चीज से अधिक मूल्यवान हैं। हॉवर्ड को ऐसी बीमा पॉलिसी की तरह समझें, जिसके मालिक शेयरधारक हैं और उम्मीद है कि उन्हें कभी इस पॉलिसी पर दावा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।''

बफे का योगदान इतिहास में अतुलनीय: एबेल

एबेल ने एक बयान में कहा, ''बर्कशायर और उसके शेयरधारकों पर वॉरेन का प्रभाव अमेरिकी कारोबार के इतिहास में अतुलनीय है। वॉरेन ने जो संस्कृति बनाई और जिन मूल्यों को आगे बढ़ाया, वे बर्कशायर के केंद्र में बने रहेंगे और हॉवर्ड उनके संरक्षक होंगे।''

‘ओरेकल ऑफ ओमाहा’ के नाम से मशहूर वॉरेन बफे कंपनी के निदेशक बने रहेंगे। वह 1970 से बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन पद पर हैं। ग्रेग एबेल ने इस साल की शुरुआत में बफे की जगह एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य वाले समूह के सीईओ का पद संभाला था।

बफे अब भी सबसे प्रभावशाली निवेशकों में शामिल

बफे अब भी दुनिया के सबसे प्रभावशाली निवेशकों में शामिल हैं। वॉरेन बफे ने शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा, ''मैंने 1965 से बर्कशायर की सेवा की है। छह दशक से अधिक समय बाद भी मेरे पास दुनिया की सबसे अच्छी नौकरी है। मेरी उम्र के बहुत से लोग ऐसा नहीं कह सकते। आगे क्या होने वाला है, इसे लेकर मैंने कभी इतना अच्छा महसूस नहीं किया।''

मनु-पवन ने थामा तिरंगा...ओपनिंग सेरेमनी में शान से निकला भारतीय दल

आइची नागोया। आइची नागोया एशियन गेम्स की शुरुआत हो गई। भारत इस साल हांगझोउ में 2023 में एशियन गेम्स के मेडल्स रिकॉर्ड को तोड़ने उतरा है। तब भारत ने 28 स्वर्ण समेत 107 पदक जीते थे। नीरज चोपड़ा इस साल एशियाड का हिस्सा नहीं होंगे। मनु भाकर और पवन सेहरावत की अगुआई में भारतीय दल ने एशियन गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में शान से मार्च किया। दोनों फ्लैग-बेयरर हाथों में तिरंगा थामे सबसे आगे रहे, जबकि उनके पीछे भारतीय खिलाड़ियों का दल पूरे जोश और गर्व के साथ स्टेडियम में पहुंचा। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत की एंट्री के दौरान माहौल में देशभक्ति और उत्साह साफ नजर आया। यह पल भारतीय खिलाड़ियों के लिए एशियन गेम्स के इस बड़े मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का खास अनुभव रहा।

मनु भाकर की साथी खिलाड़ियों को खास सलाह...

शिकायत की बजाय प्रदर्शन करें

नागोया। एशियन गेम्स 2026 की शुरुआत से पहले भारतीय दल की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। आवास समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर खिलाड़ियों की शिकायतों के बीच स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने अपने साथी भारतीय खिलाड़ियों से खास अपील की है। मनु ने खिलाड़ियों से कहा कि वे समस्याओं को लेकर शिकायत करने में अपनी ऊर्जा बर्बाद करने के बजाय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान दें।

भारत समेत कई देशों के खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स के लिए की गई व्यवस्थाओं को लेकर चिंता जताई है। इनमें सबसे प्रमुख समस्या खिलाड़ियों के रहने से जुड़ी बताई जा रही है। नागोया में कई खिलाड़ियों को आवास और अन्य सुविधाओं से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से जारी एक वीडियो संदेश में मनु भाकर ने भारतीय खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं भारत के अपने सभी साथी खिलाड़ियों से कहना चाहती हूं कि हमें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। मैंने सोशल मीडिया पर कुछ मुद्दे देखे हैं और लोग मुझे बता रहे हैं कि ये मुद्दे हैं।' मनु ने आगे कहा, 'हमारे सामने चाहे कितनी भी समस्याएं हों, यह शायद जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर और अनुभव है। हमें शिकायत करने के बजाय इस समय का आनंद लेना चाहिए।'

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत चुकीं मनु ने खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों पर भरोसा रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी तरफ से पूरी तैयारी की है, इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करनी चाहिए। यहां तक पहुंचने के लिए हमने बहुत मेहनत की है और हमें सही और गलत बताने में अपनी ऊर्जा बर्बाद नहीं करनी चाहिए।'

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया

राजकोट। निरंजन शाह स्टेडियम में शुक्रवार को बारिश से प्रभावित पहले यूथ वनडे मैच में ऑलराउंडर यशवर्धन चौहान के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया। बारिश के कारण 20-20 ओवर के इस मैच में, पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 182 रन लगाए। यशवर्धन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 54 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। इस मैच में भारत के दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग भी खेले। स्टेडियम में अपने पिता के आक्रामक अंदाज में ओपनिंग करते हुए आर्यवीर ने 5 चौकों की मदद से 26 गेंदों में 28 रन बनाए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 18 गेंदों में 211 के स्ट्राइक रेट से 38 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। द्रविड़ और चौहान ने पांचवें विकेट के लिए 69 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने 12वें ओवर में 88/4 के स्कोर पर मुश्किल में फंसी भारतीय टीम को उबारा।

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

हरारे। जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मुकाबला हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 356 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। यह ऑस्ट्रेलिया का वनडे क्रिकेट में जिम्बाब्वे के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का वनडे में सबसे बड़ा टोटल 6 विकेट खोकर 350 रन था, जो टीम ने 2014 में बनाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 18.6 ओवर में 130 रन जोड़े। मार्श ने 63 गेंदों का सामना करते हुए 53 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 3 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद हेड को कूपर कोनोली के रूप में एक और बढ़िया जोड़ीदार मिला। दूसरे विकेट के लिए हेड और कोनोली ने मिलकर 60 रन जोड़े। कोनोली ने 69 गेंदों में 3 चौके और तीन छक्कों की मदद से 78 रन बनाए। वहीं, हेड बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने शतकीय पारी खेली। हेड ने 84 गेंदों का सामना करते हुए 112 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी में हेड ने 15 चौके और 3 छक्के गाए।बनाए,जबकि एलेक्स कैरी ने 30 गेंदों में एक चौके की मदद से 20 रन बनाए। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले मैट रेनशॉ ने 11 गेंदों में 15 रन बनाए। अंत के ओवरों में ओलिवर पीक ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों में 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

310 नए चेहरे देंगे चुनौती, 17 खिलाड़ी और पांच टीमें फिर स्वर्ण पर साधेंगी निशाना

नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स में इस बार भारतीय चुनौती नए और युवा चेहरों पर है। भारतीय दल में 310 ऐसे नए खिलाड़ी हैं जो पहली बार एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे हैं, लेकिन निगाहें पुराने चेहरों पर रहेंगी। भारतीय दल में 17 खिलाड़ी और पांच टीमें ऐसी हैं जो एशियाई खेलों में अपने पिछले स्वर्णिम प्रदर्शन की छाप जापान में फिर से छोड़ने के लिए उतर रहे हैं। 501 भारतीय खिलाड़ी जापान में उतरेंगे। 36 खेलों के 259 इवेंट में भारत करेगा शिरकत। 356 पदकों की इवेंट में भारत पेश करेगा चुनौती। 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाड में 36 खेलों में उतरेंगे।

मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक बने शॉटपुटर तजिंदर पाल सिंह तूर लगातार तीसरे एशियाड स्वर्ण के लिए जोर लगाएंगे। वहीं, पिछले एशियाड की तीन स्वर्ण विजेता कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा स्वर्णिम प्रदर्शन दोहराने व लगातार चौथे एशियाड में पदक जीतने उतरेंगी। 2014 और 2018 के एशियाड में चार गुणा 400 मीटर रिले और 400 मीटर में स्वर्ण जीत चुकीं एथलीट एमआर पूवम्मा से इस बार भी रिले में देश के लिए स्वर्णिम पदक की आशा है।

एथलेटिक्स-शूटिंग से उम्मीद

भारत ने पिछले एशियाड में 28 स्वर्ण समेत कुल 106 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया था। इस प्रदर्शन में शूटिंग और एथलेटिक्स ने अहम भूमिका निभाई थी। एथलेटिक्स में छह स्वर्ण समेत 29 पदक और शूटिंग में सात स्वर्ण समेत 22 पदक मिले थे। इस बार भी भारतीय दल की 100 से अधिक पदक जीतने की कोशिश है, जिसमें इन दोनों खेलों का अहम योगदान रहेगा।

तूर पर तीसरे स्वर्ण का मौका

घुड़सवार हृदय छेड़ा, स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह ने हांगझोउ एशियाड में टीम स्वर्ण जीते। हृदय इस बार ड्रेसाज व अभय स्क्वैश की टीम व निजी स्पर्धा में भाग लेंगे। तूर 2018 और 2023 में स्वर्ण जीत चुके हैं। सत्र में 21.03 मीचर गोला फेंक चुके तूर यह प्रदर्शन दोहराते हैं तो तीसरा स्वर्ण जीत सकते हैं। पिछली बार 5000 मीटर का स्वर्ण व 3000 मीटर स्टीपलचेज का रजत जीतने वालीं पारुल इस बार इनके अलावा 1500 मीटर में भी उतरेंगी।

ऐश्वर्य, ईशा पर बड़ा जिम्मा

2023 में दो स्वर्ण समेत चार पदक जीतने वाले शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 50 मीटर थ्री पोजीशन में, जबकि एक स्वर्ण व तीन रजत जीतने वाली ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल में शिरकत करेंगी। टेनिस में पिछली बार मिश्रित युगल में स्वर्ण जीतने वालीं रुतुजा भोंसले, अंकिता रैना के साथ युगल में उतरेंगी। पुरुष व महिला क्रिकेट टीम, पुरुष व महिला कबड्डी टीम व पुरुष हॉकी टीम इस बार भी स्वर्ण की दावेदार हैं।

आईपीएल अंपायरों की बढ़ेगी सैलरी

मुंबई,। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपने हेडक्वार्टर में हुई 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल के लिए फिर से चुना। इन दो सीटों के लिए किसी और उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं भरा, इसलिए आईपीएल चेयरमैन के तौर पर दूसरा कार्यकाल चाह रहे धूमल और इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का प्रतिनिधित्व करने वाले मजूमदार का औपचारिक रूप से फिर से चुना जाना तय हो गया। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी ए.के. जोति द्वारा जांच के बाद सही नॉमिनेशन की अंतिम लिस्ट की पुष्टि करने के साथ ही फ्रेंचाइजी टी20 लीग की फैसला लेने वाली संस्था में प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए इन दोनों का आसानी से फिर से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया।एजीएम में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। आम सभा ने घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान ढांचे में बदलाव तथा उनके लिए नए ग्रेड सिस्टम को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इसके साथ ही बोर्ड ने कई वित्तीय और प्रशासनिक प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी। बीसीसीआई ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के ऑडिट किए गए खातों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया।

अगरकर को लेकर अगले 15 दिन में लिया जाएगा फैसला

मुंबई। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) के बाद कहा कि सीनियर पुरुष टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के भविष्य को लेकर अगले 15 दिनों के भीतर फैसला लिया जाएगा। जुलाई 2023 में चीफ सिलेक्टर बने अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। उनके कार्यकाल में भारत वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल तक पहुंचा। इसके बाद टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। इसके साथ ही, इस साल की शुरुआत में भारत ने अपने घरेलू मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी का सफलतापूर्वक बचाव भी किया। उनका कार्यकाल 4 अक्टूबर को खत्म हो रहा है।

न्यूजीलैंड को झटका... डाइव लगाते समय रचिन रवींद्र का कंधा खिसका

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर रचिन रवींद्र के भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलने पर संशय पैदा हो गया है। रचिन बुधवार को ऑकलैंड में एक प्रमोशनल शूट के दौरान चोटिल हो गए। शूटिंग के दौरान डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश में वह असहज तरीके से सेफ्टी मैट पर गिरे, जिसके बाद उनके दाएं कंधे का जोड़ खिसक गया।शुक्रवार को डॉक्टरों ने रचिन की जांच की। जांच में कंधे में किसी गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, वह मैदान पर कब वापसी कर पाएंगे, यह शुरुआती रिहैबिलिटेशन के दौरान उनकी प्रगति पर निर्भर करेगा। ऐसे में भारत के खिलाफ सीरीज में उनकी उपलब्धता अभी तय नहीं है।

न्यूजीलैंड ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण हादसा

न्यूजीलैंड के परफॉर्मेंस मैनेजर माइक सैंडल ने रचिन की चोट को दुर्भाग्यपूर्ण हादसा बताया। उन्होंने कहा कि इस समय टीम की प्राथमिकता रचिन को पूरी तरह ठीक करना है। सैंडल ने कहा, 'यह वास्तव में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण चोट है। रचिन के लिए हमें बहुत निराशा हुई है और हमारी मुख्य प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि वह अच्छी तरह से ठीक हों और जल्द से जल्द मैदान पर लौट सकें।'उन्होंने प्रमोशनल शूट के दौरान सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी जानकारी दी। सैंडल ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों से जुड़े सभी व्यावसायिक शूट की गतिविधियों पर पहले से सभी पक्षों की सहमति होती है और उचित सुरक्षा उपाय मौजूद रहते हैं। यह थोड़ा असामान्य हादसा था और भविष्य में इस तरह के आयोजनों को लेकर हम अपनी प्रक्रियाओं की समीक्षा करते रहेंगे।'

रचिन की वापसी में नहीं करेगा जल्दबाजी

रचिन न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम का अहम हिस्सा बन चुके हैं। वह बल्ले और गेंद दोनों से टीम को योगदान देते हैं। उन्होंने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें 759 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 69 रन है। गेंदबाजी में उनके नाम 26 विकेट हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/27 रहा है।26 वर्षीय रचिन की गैरमौजूदगी न्यूजीलैंड के लिए भारत के खिलाफ सीरीज में बड़ा बदलाव होगी। हालांकि, टीम उनकी चोट को लेकर जल्दबाजी के मूड में नहीं है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम है, इसलिए रचिन की वापसी को लेकर सावधानी बरती जाएगी। वाल्टर ने कहा, 'अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का काफी व्यस्त कार्यक्रम है।

जापान रवाना होने से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को किट का इंतजार

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 के लिए जापान रवाना होने से पहले भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सामने किट को लेकर समस्या खड़ी हो गई है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम को अभी भी सही साइज की कुछ किट का इंतजार है। भारतीय टीम रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से जापान के लिए रवाना होने वाली है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और भारतीय ओलंपिक संघ के किट उपलब्ध कराने वाले जेएसडब्ल्यू इंस्पायर के बीच बातचीत हुई है। किट के साइज को लेकर सामने आई समस्या को अब काफी हद तक सुलझा लिया गया है।

एक सूत्र ने बताया, 'क्रिकेटरों की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किटें बची हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। '

खिलाड़ियों को दो अलग-अलग किट पहननी होंगी

भारतीय खिलाड़ियों को एशियाई खेलों के दौरान दो अलग-अलग तरह की पोशाक की जरूरत होगी। 22 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपनी नियमित टीम किट पहनेंगे।

इसके बाद 28 सितंबर से शुरू होने वाली एशियाई खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिता में भारतीय टीम को एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक पहननी होगी। ढ्ढह्र के सूत्र के मुताबिक, दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत होने के कारण भी किट से जुड़ी समस्या सामने आई हो सकती है।सूत्र ने कहा, 'खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है, एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए, इसलिए ऐसा हुआ होगा। '

किट के अलावा जापान के नागोया में भारतीय खिलाड़ियों के आवास को लेकर भी समस्या सामने आई है। अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में देरी को देखते हुए पुरुष क्रिकेट टीम के लिए खुद होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है। इसके विपरीत भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ढ्ढह्र की ओर से उपलब्ध कराए गए आवास में ही ठहराया गया है और महिला टीम के रहने की व्यवस्था में किसी तरह की परेशानी नहीं आई। एक सूत्र ने बताया कि पुरुष टीम के लिए आयोजकों की ओर से जो कमरे उपलब्ध कराए गए थे, उनमें खिलाड़ियों के किट बैग रखने तक के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। इसी वजह से क्चष्टष्टढ्ढ ने अपने स्तर पर होटल की व्यवस्था की।

सूत्र ने कहा, 'महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए, उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी। वहां ज्यादा बड़े होटल नहीं हैं, लेकिन क्चष्टष्टढ्ढ ने जापान रवाना होने से कुछ समय पहले ही अपने स्तर पर व्यवस्था कर ली थी। 'एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले कुछ भारतीय खिलाड़ियों को अपने आवंटित आवास तक पहुंचने से पहले घंटों इंतजार करना पड़ा। इस बार एशियाई खेलों में पारंपरिक खेल गांव की व्यवस्था नहीं की गई है। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए अलग-अलग तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। कुछ खिलाड़ियों को क्रूज जहाजों, कंटेनरों और होटलों में ठहराया जा रहा है।

29 करोड़ का बना प्लेटफार्म, पहली बारिश में खुली व्यवस्था की पोल

विदिशा (एजेंसी)। 29 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पहली ही बारिश में निर्माण की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। तेज बारिश के दौरान प्लेटफार्म पर तेज धार में पानी टपकने लगा, जिससे यात्रियों को छाता लेकर खड़ा होना पड़ा। यात्रियों का कहना है, करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि बारिश से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है. तो ऐसे निर्माण पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कई यात्रियों को ट्रेन का इंतजार करते समय भीगने से बचने के लिए इधर-उधर खड़ा होना पड़ा। यात्रियों ने जिम्मेदार अधिकारियों से निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराने और बारिश के पानी से बचाव की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है। करोड़ों की लागत के बावजूद पहली बारिश में सामने आई खामी ने निगरानी और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

साइबर क्राइम पोर्टल पर 54 लाख आईं शिकायतें, सिर्फ 1.30 लाख में एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में साइबर क्राइम के मामलों में एफआईआर दर्ज होने की दर बेहद कम है। 2019 से 2024 के बीच छह साल में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर 53.93 लाख शिकायतें आईं, लेकिन एफआईआर सिर्फ 1.30 लाख मामलों में ही दर्ज की गईं। राज्यसभा की गृह मामलों से संबंधित स्थायी समिति की रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई। 31 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल हैं। इस पर चिंता जताते हुए समिति ने अपराध के आंकड़ों और कानून-व्यवस्था के दावों पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि साइबर हेल्पलाइन 1930 और वेबसाइट पर शिकायत के बाद भी फॉलो-अप में देरी होती है। रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम रेट कम दिखाने के लिए पुलिस एफआईआर के बजाय सिर्फ गैर-संज्ञेय रिपोर्ट देती है, जिससे गंभीर अपराध छिप जाते हैं और लोग न्याय से वंचित होते हैं। राज्यों द्वारा एनसीआरबी को डेटा भेजने में 1.5 से 2 साल की देरी होती है, जिससे सुरक्षा नीतियां और बजट पुराने आंकड़ों पर बनते हैं। अपराधों की संख्या दबने से असुरक्षित इलाकों में नए थाने, सीसीटीवी और जरूरी पुलिस बल नहीं मिल पाते। समिति ने बताया कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो प्रिंसिपल ऑफेंस रूल पर काम करता है यानी अगर किसी महिला का अपहरण करके उसके साथ लूटपाट की और फिर वीडियो ऑनलाइन लीक कर दिया गया। एनसीआरबी इसे सिर्फ अपहरण में दर्ज करेगा। साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न और लूट का सेकेंडरी डेटा छोड़ दिया जाएगा। इस तरह लाखों सेकेंडरी अपराध डेटा से पूरी तरह गायब हो जाते हैं।

आगर मालवा में भीषण हादसा: उफनते नाले में बही कार, 8 श्रद्धालुओं की मौत

आगर मालवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में भयावह सड़क हादसा सामने आया है, जहां श्रद्धालुओं से भरी कार बारिश से उफनते नाले में बह गई। इस दर्दनाक घटना में तीन बच्चों सहित कुल आठ लोगों की जान चली गई। यह हादसा नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर के समीप हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक श्रद्धालु मां बगलामुखी के दर्शन करने नलखेड़ा पहुंचे थे। शुक्रवार देर रात या शनिवार सुबह, जब कार चालक ने मंदिर के समीप बरसाती नाले को पार करने का प्रयास किया, तब वहां पानी के तेज बहाव का सही अंदाजा नहीं लग सका। नतीजतन, कार अनियंत्रित होकर नाले के भीषण बहाव में बह गई। शनिवार की सुबह जब नाले का पानी कुछ उतरा, तब राहगीरों की नजर बही हुई कार पर पड़ी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया। कार के भीतर से सभी आठ शवों को बाहर निकाला गया। आगर मालवा पुलिस ने घटना में आठ मौतों की पुष्टि की है। मरने वालों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कार में सवार सात लोग ओडिशा के निवासी थे, जिन्होंने उज्जैन से कार किराए पर ली थी और वे मां बगलामुखी के दर्शनों के लिए जा रहे थे। इस हृदयविदारक हादसे के बाद मौके पर भारी संख्या में लोग जुट गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस: सीएम सोरेन पीएमएलए कोर्ट में नहीं हुए पेश

रांची(एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची की विशेष पीएमएलए अदालत में बड़गाईं की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए। उनके अधिवक्ता ने अदालत में को बताया कि मुख्यमंत्री पूर्वनिर्धारित संवैधानिक दायित्वों में व्यस्त हैं। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 21 सितंबर की तारीख तय कर उन्हें शाम चार बजे व्यक्तिगत या वर्चुअल माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम झारखंड हाईकोर्ट द्वारा उनकी डिस्चार्ज याचिका खारिज होने के बाद सामने आया। हाईकोर्ट ने रांची की विशेष पीएमएलए अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें सोरेन की डिस्चार्ज याचिका को अस्वीकार किया गया था, जिससे निचली अदालत में आगे की कार्यवाही का रास्ता साफ हुआ था।

'पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक की जिम्मेदारी नहीं': एजीटी कॉन्फ्रेंस में बोले जस्टिस श्रीवास्तव

एजेंसी, नयी दिल्ली।
नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव ने शनिवार को कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना केवल किसी एक संस्था या क्षेत्र की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक सामूहिक राष्ट्रीय और वैश्विक जिम्मेदारी है. विज्ञान भवन में एनजीटी द्वारा आयोजित 'द फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जस्टिस श्रीवास्तव ने ये बातें कहीं. इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. इस दौरान जस्टिस श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने पर्यावरण स्थिरता की दिशा में भारत के सफर को एक नई गति दी है. उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, भारत ने कई बड़े और बदलावकारी कदम उठाए हैं जो

पर्यावरण प्रबंधन के प्रति एक व्यापक दृष्टिकोण को दशार्ते हैं.

जस्टिस श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी पहल न केवल राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों को दिखाती हैं, बल्कि वैश्विक पर्यावरण सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी साबित करती हैं. उन्होंने कहा कि ये प्रयास एक बड़े दृष्टिकोण को दशार्ते हैं- एक ऐसा दृष्टिकोण जो भारत को अधिक स्वच्छ, हरा-भरा, मजबूत और टिकाऊ बनाने का है. आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राजील, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, न्यूजीलैंड, पोलैंड, रूस, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, थाईलैंड, केन्या और यूनाइटेड किंगडम जैसे विभिन्न देशों से आए जजों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा- 'पर्यावरण की चुनौतियां किसी देश की सीमाओं को नहीं मानतीं.' बढ़ते जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए अध्यक्ष ने कहा, आज हम एक ऐसे समय में मिल रहे हैं जब जलवायु परिवर्तन हमारे पारिस्थितिकी तंत्र, अर्थव्यवस्थाओं और मानव बस्तियों के तौर-तरीकों को बदल रहा है. मौसम की चरम घटनाएं (जैसे भारी सूखा या बाढ़) लगातार विनाशकारी होती जा रही हैं. जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है. प्रदूषण भौगोलिक सीमाओं को पार कर रहा है. सबसे बड़ी बात यह है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचने का सबसे गंभीर परिणाम उन लोगों को भुगतना पड़ रहा है, जो इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं.

उन्होंने आगे कहा, यह बात हमें अपने सामने मौजूद सबसे मुख्य सवाल पर लाती है. हम आने वाली पीढ़ी के लिए किस तरह का ग्रह छोड़कर जाने वाले हैं? और उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आज किस तरह के कानूनी, संस्थागत और सामाजिक कदमों की जरूरत है? इसी संदर्भ में, हमारे इस सम्मेलन का विषय 'पर्यावरण का भविष्य और जलवायु गतिशीलता' बहुत अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है. जस्टिस श्रीवास्तव ने बताया कि इस सम्मेलन की चचाओं को चार मुख्य तकनीकी सत्रों में बांटा गया है. उन्होंने कहा कि पहले तकनीकी सत्र का विषय 'क्लाइमेट जस्टिस, इक्विटी और इंक्लूजन : सिद्धांतों से कार्रवाई तक' है, जिसमें इस बात की समीक्षा की जाएगी कि जलवायु न्याय के सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर कैसे लागू किया जा सकता है. उन्होंने आगे बताया कि 'पर्यावरण कानून और शासन का भविष्य' विषय पर आधारित दूसरा तकनीकी सत्र, उभरती हुई पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी कानूनी और संस्थागत ढांचों के विकास की ओर ध्यान आकर्षित करेगा.

अध्यक्ष ने कहा कि तीसरे सत्र का विषय 'वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियां और सहयोग' है. यह सत्र राष्ट्रीय सीमाओं से परे जाकर वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों की आपस में जुड़ी प्रकृति की समीक्षा करेगा. वहीं, चौथा और आखिरी सत्र इस सम्मेलन से मिली सीख और विचारों को एक साथ समेटने का अवसर प्रदान करेगा. उन्होंने अपनी बात पूरी करते हुए कहा, ₹इसलिए इन दो दिनों की हमारी चर्चा हमें सिद्धांतों से अभ्यास की ओर, ज्ञान से कार्रवाई की ओर और राष्ट्रीय प्रयासों से सार्थक वैश्विक सहयोग की ओर ले जानी चाहिए. हमें यह याद रखना होगा कि पर्यावरण की रक्षा करना आखिरकार लोगों, न्याय और हमारे ग्रह के भविष्य से जुड़ा मामला है. इसलिए आइए हम एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम करें जिसमें विकास टिकाऊ हो, न्याय समान हो, पर्यावरणीय शासन जिम्मेदार हो और पृथ्वी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ व रहने योग्य बनी रहे.

तमिलनाडु में स्कूली बच्चों को खाने में मिलेगी चिकन बिरयानी

-सीएम विजय 22 को पेरुंथलैवर कामराजर ब्रेकफ़ास्ट स्कीम के विस्तार की करेंगे शुरुआत

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय 22 सितंबर को छठी से आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए पेरुंथलैवर कामराजर ब्रेकफ़ास्ट स्कीम के विस्तार की शुरुआत करेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री ए राजमोहन ने बताया कि सीएम विजय ने सामान्य खाने के अलावा अलग-अलग तरह के और स्वादिष्ट मेन्यू विकल्प लाने के लिए एक विशेष समिति बनाने का आदेश दिया है। उन्होंने मेन्यू में नए बदलावों का संकेत देते हुए चिकन बिरयानी जैसे नॉन-वेज विकल्प शामिल करने की बात भी कही है।

इस विस्तारित योजना से 15,454 सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में छठी से आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले करीब 15.30 लाख अतिरिक्त छात्रों को लाभ मिलेगा। यह छात्रों के पोषण के लिए एक अहम कदम है, जिससे यह तय होगा कि वे अपने दिन की शुरुआत सेहतमंद तरीके से करें। इस विस्तार के लिए चालू वित्त वर्ष में 217.63 करोड़ रुपए का अतिरिक्त फंड आवंटित किया गया है, जिससे इस कार्यक्रम का कुल बजट बढ़कर 724 करोड़ रुपए हो गया है। 22 सितंबर को विस्तारित योजना शुरू करने का फैसला यहां सचिवालय में विजय की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के दौरान लिया गया।

उम्मीद है कि सीएम यहां तिरुवनमियूर के एक सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में इस पहल की शुरुआत करेंगे। इस योजना को 17 सितंबर को शुरू होना था, लेकिन सीएम विजय की लंदन यात्रा के कारण इसे टाल दिया गया था। इसे चेंगलपट्टू और तिरुप्पुर जिलों में लागू नहीं किया जाएगा, क्योंकि वहां क्रमशः मदुरंतकम और धारापुरम विधानसभा क्षेत्रों में 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों के लिए चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता लागू है। मेन्यू में उपमा, खिचड़ी और पोंगल जैसे पौष्टिक मुख्य व्यंजन शामिल हैं, साथ ही हफ्ते में दो बार मोटे अनाज से बने विकल्प भी दिए जाएंगे।

तिरुपति लड्डू घी में मिलावट: ईडी ने प्रमोटर को दबोचा

तिरुपति, एजेंसी।
तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसिद्ध लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया है कि वर्ष 2019 से 2024 के बीच तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को जिस घी की आपूर्ति की गई, उसमें कथित तौर पर शुद्ध गाय के घी के बजाय रिफाइंड पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल और पामोलीन जैसे वनस्पति तेलों का इस्तेमाल किया गया। एजेंसी के अनुसार, इन पदार्थों को घी जैसा रूप और गुण देने के लिए कुछ रसायनों का भी इस्तेमाल किए जाने का आरोप है। ईडी ने इस अवधि में करीब 230 करोड़ रुपये की कथित संदिग्ध आपूर्ति की बात कही है।

मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने सुकृति फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रवर्तक कैलाश चंद मंगला को गिरफ्तार किया है। एजेंसी का आरोप है कि उनकी कंपनी से करीब 96 करोड़ रुपये मूल्य का कथित मिलावटी घी तैयार कर आपूर्ति किया गया। जांच के दौरान एजेंसी ने एमजी-90, मोनोग्लिसराइड्स, मायवेसिट सॉफ्ट 400 और एसीटिक एसिड एस्टर जैसे रसायनों के इस्तेमाल का भी दावा किया है। आरोप है कि वनस्पति तेलों में इन पदार्थों को मिलाकर ऐसा मिश्रण तैयार किया गया, जिसे घी के रूप में आपूर्ति किया जा सके। तिरुपति मंदिर में लड्डू प्रसाद का धार्मिक और भावनात्मक महत्व बेहद व्यापक है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं और अपने साथ भी ले जाते हैं। ऐसे में प्रसाद में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता को लेकर सामने आया कोई भी सवाल श्रद्धालुओं की आस्था के साथ-साथ खाद्य गुणवत्ता और आपूर्ति व्यवस्था पर भी असर डालता है। प्रवर्तन निदेशालय अब यह पता लगाने में जुटा है कि कथित मिलावटी घी का उत्पादन किस स्तर पर हुआ, इसकी आपूर्ति किस माध्यम से की गई और पूरी प्रक्रिया में कौन-कौन लोग शामिल थे। जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इतनी बड़ी मात्रा में कथित रूप से मिलावटी उत्पाद की आपूर्ति के दौरान गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया में इसे पकड़ा क्यों नहीं गया। कैलाश चंद मंगला की गिरफ्तारी के बाद मामले में जांच तेज होने की संभावना है। एजेंसी कंपनी से जुड़े दस्तावेजों, उत्पादन प्रक्रिया, खरीद और आपूर्ति से संबंधित रिकॉर्ड तथा भुगतान के विवरण की पड़ताल कर रही है। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगाए गए ये आरोप जांच का हिस्सा हैं और अदालत में इनकी अंतिम पुष्टि होना अभी बाकी है। मामले में दोष और जिम्मेदारी का निर्धारण उपलब्ध साक्ष्यों तथा न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही होगा।

मायने- 12 केस, 3 हत्या फिर भी कांग्रेस नंदीग्राम से बनाया उम्मीदवार

लखनऊ, एजेंसी।
कोलकाता(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की प्रतिष्ठित नंदीग्राम विधानसभा सीट पर उपचुनाव से ठीक पहले, कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान की गिरफ्तारी ने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया है। कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र की हत्या और राजनीतिक बदले की भावना करार दिया, वहीं मिलन प्रधान के चुनावी हलफनामे में तीन-तीन हत्या के गंभीर मामलों के खुलासे ने कांग्रेस को बचाव की मुद्रा में खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी गिरफ्तारी को अत्याचारी कूटनीति बताते हुए कांग्रेस प्रत्याशी को अपना समर्थन दिया था।

राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा गिरफ्तारी को केंद्र और राज्य सरकार की मिलीभगत बताए जाने के तुरंत बाद, मिलन प्रधान का चुनावी हलफनामा सार्वजनिक हुआ। इस हलफनामे में कांग्रेस उम्मीदवार ने स्वयं स्वीकार किया है कि उनके खिलाफ तीन अलग-अलग हत्या के मामले दर्ज हैं। इन तीनों मर्डर केस में अदालतों की ओर से लंबे समय से गिरफ्तारी वारंट लंबित थे। नंदीग्राम पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों के अतिरिक्त, खेजुरी थाने में भी आर्म्स एक्ट और अन्य संगीन धाराओं के तहत वारंट जारी किए गए थे। चुनावी विश्लेषकों और विरोधी दलों के नेताओं ने सवाल उठाया है कि जब कांग्रेस आलाकमान को अपने उम्मीदवार के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट लंबित होने की जानकारी थी, तो ऐसे दागी व्यक्ति को टिकट क्यों दिया गया? कानून के प्रावधानों के अनुसार, चुनाव के दौरान किसी भी भगोड़े या गैर-जमानती वारंट वाले व्यक्ति को पुलिस किसी भी समय गिरफ्तार कर सकती है। यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या कांग्रेस ने जानबूझकर ऐसा उम्मीदवार उतारा ताकि गिरफ्तारी होने पर चुनावी माहौल में विक्टिम कार्ड खेलकर लोकतंत्र की हत्या जैसा नैरेटिव स्थापित किया जा सके। रोचक बात यह है कि ममता बनर्जी की पार्टी की उम्मीदवार संचिता प्रधान दे द्वारा नाम वापस लेने के बाद, ममता ने तुरंत कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को समर्थन देने का ऐलान किया था, और इसके कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने कार्रवाई कर दी। राहुल गांधी के सोशल मीडिया पर राजनीतिक बदले के आरोपों के बाद, डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस (एक विरोधी गुट) के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। ऋतब्रत बनर्जी ने एक पोस्ट में लिखा, नंदीग्राम से कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान के खिलाफ हत्या के तीन मामलों में गिरफ्तारी वारंट लंबित थे। हमने खुद इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। चुनाव के दौरान वारंट तामील कराना कानून का स्थापित नियम है। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने शायद राहुल गांधी को पूरे और सही तथ्य नहीं बताए, जिसके कारण वे ऐसे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति का बचाव कर रहे हैं।

निठारी कांड: सुरेंद्र कोली की मौत पर उठे सवाल, राज दफन होने का डर

नई दिल्ली , एजेंसी।
नोएडा के निठारी गांव ने दो दशक पहले अपने बच्चों के गायब होने का जो भयावह दर्द झेला था, शुक्रवार को सुरेंद्र कोली की मौत ने उस दर्द को फिर से ताजा कर दिया है। निठारी कांड के मुख्य आरोपियों में से एक सुरेंद्र कोली की कथित आत्महत्या पर गहरा संदेह व्यक्त किया जा रहा है। अपनी बेटी ज्योति को खो चुके सुनीता और झब्बू लाल जैसे परिजनों ने कोली की मौत की गहन जांच की मांग की है, क्योंकि उनका मानना है कि इसमें कोई गहरी साजिश हो सकती है।

झब्बू लाल और सुनीता की बेटी ज्योति भी उन बच्चों में शामिल थी, जो वर्ष 2005-06 के दौरान रहस्यमय तरीके से लापता हुई थीं। कोली की मौत की खबर सुनते ही सुनीता ने कहा, कोली ने आत्महत्या नहीं की, उसे मारा गया है। अगर उसे आत्महत्या करनी होती तो वह जेल में ही कर लेता। उसकी मौत के पीछे कोई साजिश हो सकती है। झब्बू लाल ने भी आशंका व्यक्त की कि कोली के पास निठारी कांड से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज हो सकते थे और वह भविष्य में कोई बड़ा खुलासा कर सकता था। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि जब तक मोनिंदर सिंह पंढेर को फांसी नहीं मिलती, उन्हें न्याय नहीं मिलेगा। निठारी निवासी ग्रामीणों ने बताया कि दिसंबर 2006 में नाले में एक मासूम का पंजा मिलने के बाद ही घटनाओं की कड़ियां जुड़ने लगीं और सेक्टर-31 स्थित डी-5 कोठी जांच एजेंसियों के निशाने पर आ गई थी। इस घटना के बाद से डी-5 कोठी को लेकर ग्रामीणों के मन में आज भी एक गहरा डर समाया हुआ है। ज्योति के गायब होने के बाद, निठारी में एक के बाद एक बच्चों और युवतियों के गायब होने की घटनाएं सामने आती गईं। दिसंबर 2006 में डी-5 कोठी के आसपास नाले से मानव अवशेष मिलने के बाद यह पूरा मामला देशभर में सुर्खियों में आया। जांच में मोनिंदर सिंह पंढेर और उसके घरेलू सहायक सुरेंद्र कोली के नाम सामने आए थे। अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाई कोर्ट से कई मामलों में राहत मिलने के दौरान कोली की पत्नी शांति देवी ने डासना जेल में उससे मुलाकात की थी, जहाँ कोली ने बेगुनाही की लड़ाई लड़ने की बात कही थी।

अमेरिकी संसद से पास हुआ रूस-ईरान प्रतिबंध बिल, भारत और चीन पर 100% तक लगेगा टैरिफ

एजेंसी वाशिंगटन।
वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिहाज से एक बेहद अहम और बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी संसद के निचले सदन ने रूस और ईरान की अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने के मकसद से एक नया प्रतिबंध विधेयक पारित किया है। इस विधेयक की सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें केवल रूस और ईरान ही नहीं, बल्कि उनसे भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने वाले भारत और चीन जैसे तीसरे देशों पर भी 100 प्रतिशत तक का भारी-भरकम आयात शुल्क थोपने का प्रावधान रखा गया है। इस विधेयक के पास होने से अब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक व रणनीतिक संबंधों पर पड़ने वाले असर को लेकर चचाएं तेज

हो गई हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था और ईरान के रक्षा तंत्र पर शिकंजा कसने के लिए 61 पन्नों वाले 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' को बहुमत से पास कर दिया है। सदन में हुई वोटिंग के दौरान बिल के पक्ष में 262 और विरोध में 159 मत पड़े। इस कानून का मुख्य लक्ष्य रूस के ऊर्जा निर्यात से होने वाली उस भारी-भरकम आय को रोकना है, जिसका इस्तेमाल वह यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण के लिए कर रहा है। इसके साथ ही, बिल के माध्यम से ईरान के हथियार उद्योग और रूसी अरबपतियों की संपत्तियों पर भी व्यापक प्रतिबंध लगाने का रास्ता साफ कर दिया गया है।

इस नए कानून में एक विशेष प्रावधान शामिल किया गया है जो रूस से सर्वाधिक कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खरीदने वाले दुनिया के शीर्ष पांच देशों पर सीधा असर डालता है। इस सूची में भारत और चीन सबसे ऊपर हैं, जिनके साथ स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान भी शामिल हैं। कानून के मुताबिक, यदि ये देश रूस से अपने ऊर्जा आयात में कटौती नहीं करते हैं, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को अधिकार होगा कि वे इन देशों से अमेरिका आने वाले सामानों पर 100 प्रतिशत तक का भारी आयात शुल्क लगा सकें। विश्लेषकों का मानना है कि यदि भारत पर यह टैरिफ लागू होता है, तो भारतीय निर्यात क्षेत्र को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। विधेयक के पारित होने का मतलब यह नहीं है कि भारत या अन्य देशों पर तुरंत प्रभाव से 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो जाएगा। इस कानून के तहत अंतिम फैसला लेने की पूरी शक्ति अमेरिकी राष्ट्रपति के पास सुरक्षित रखी गई है। राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है कि वे अमेरिकी राष्ट्रीय हित, वैश्विक तेल बाजार में स्थिरता या द्विपक्षीय वाताओं की प्रगति को देखते हुए किसी भी देश को इस टैरिफ से पूर्ण या आंशिक छूट दे सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, यदि कोई देश अपनी कुल प्राकृतिक गैस खपत का 15 प्रतिशत से कम हिस्सा रूस से लेता है और धीरे-धीरे इस निर्भरता को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाता है, तो उसे भी राहत मिल सकती है।अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक पर हुई वोटिंग के दौरान भारतीय-अमेरिकी सांसदों का रुख भी चर्चा का विषय बना रहा। सदन में मौजूद छह भारतीय-अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसदों में से राजा कृष्णमूर्ति एकमात्र ऐसे सांसद रहे जिन्होंने अपनी पार्टी की लाइन से अलग हटकर इस सख्त प्रतिबंध विधेयक के पक्ष में मतदान किया। दूसरी ओर, अन्य प्रमुख भारतीय-अमेरिकी सांसदों- रो खन्ना, प्रमिला जयपाल, अमी बेरा, श्री थानेदार और सुहास सुब्रमण्यम ने अपनी पार्टी के रुख का पालन करते हुए इस विधेयक का विरोध किया या मतदान की प्रक्रिया से दूर रहे। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का कहना है कि यह विधेयक आने वाले दिनों में भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंधों के लिए एक नई परीक्षा साबित हो सकता है।

चिरंजीवी की 'काका' संक्रांति पर होगी रिलीज

मुंबई। चिरंजीवी की फिल्म 'काका' के 2027 में संक्रांति पर रिलीज होने की प्लानिंग चर्चा का विषय बन गई है, क्योंकि फिल्म की रिलीज की तारीख आधिकारिक तौर पर 13 जनवरी तय की गई है। मेकर्स ने फिल्म के टलने की अटकलों पर विराम लगा दिया है, जबकि ऐसी खबरें थीं कि चिरंजीवी की लंबे समय से अटकी फिल्म 'विश्वंभरा' को भी संक्रांति पर रिलीज करने पर विचार किया जा रहा था। 'काका' की टीम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए रिलीज की देरी की अफवाहों पर विराम लगाया है और बताया कि यह फिल्म अपने तय समय पर ही दस्तक देगी। 'काका' के मेकर्स ने पोस्ट करते हुए लिखा, 'सभी अटकलों को खत्म करते हुए, काका संक्रांति 2027 पर रिलीज हो रही है। मेगास्टार चिरंजीवी गारू और बॉबी के साथ हमारी बहुप्रतीक्षित फिल्म 13 जनवरी, 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आएगी।

लाइफ Style

ईशा
बॉलीवुड में एंट्री, गुरमीत संग करेंगी रोमांस

ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी स्टारर फिल्म 'तुम मेरे हो' के नए पोस्टर सामने आए हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान हो गया है। 'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी।

गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला इन पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरे हो' की दुनिया में डुबकी लगाओ। फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। क्योंकि कई बार, प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद जो होता है, वो कहानी है।' बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है।

तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी में लव स्टोरी के साथ-साथ एडवेंचर और एक्शन भी देखने को मिलेगा। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आती है या नहीं। ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी 'लाफ्टर शेफ्स 3' में साथ काम कर चुके हैं। ईशा इससे पहले पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' में नजर आ चुकीं हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'उडारियां' से की थी।

हॉलीवुड मसाला

छुपे राज खोलेगी डायना की अनसुनी रिकॉर्डिंग्स

लॉस एंजिल्स। 'डायना अनहर्ड' नाम की एक नई डॉक्युमेंट्री सीरीज इंटरनेशनल लॉन्च के लिए तैयार है। इसमें प्रिंसिस डायना की ऐसी ऑडियो रिकॉर्डिंग्स हैं, जो पहले कभी नहीं सुनी गईं। इनमें वह अपनी जिंदगी, प्यार और शाही परिवार के बारे में बात करती नजर आती हैं। इस डॉक्युमेंट्री सीरीज के राइट्स सिनेफ्लिक्स को मिल गए हैं। अब इसे कान में एमआईपी कॉम इवेंट में बड़े पैमाने पर लॉन्च करने की तैयारी चल रही है। तीन हिस्सों वाली यह डॉक्युमेंट्री 'लव मंडे टीवी' ने बनाई है। यह यूनाइटेड किंगडम की एक इंडिपेंडेंट प्रोडक्शन कंपनी है, जिसने ब्रिटिश राजपरिवार पर कई शो बनाए हैं। खास बात यह है कि 'डायना अनहर्ड' के निर्माता को उन बातचीत की रिकॉर्डिंग्स मिल गईं, जो डायना ने 1991 में अपने दोस्त जेम्स कोलहर्स्ट के साथ गुपचुप तरीके से की थीं।

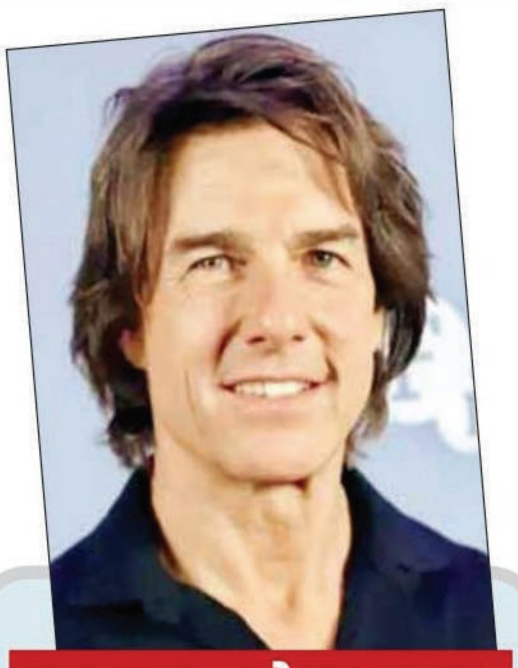

एक्शन छोड़ ड्रामा में नजर आएंगे टॉम

नई दिल्ली। लगभग एक दशक से भी ज्यादा समय बाद, टॉम क्रूज एक ऐसी फिल्म में नजर आएंगे जो किसी धमाकेदार, रोमांचक और बड़े पैमाने पर बनी हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर फिल्म से अलग है। ऑस्कर विजेता अलेजांद्रो गोंजालेज इनारितु द्वारा निर्देशित 'डिगर' एक ग्रैंड ड्रामा फिल्म होगी जिसमें टॉम क्रूज एक सनकी, बूढ़े दक्षिणी अरबपति की भूमिका निभा रहे हैं। विचित्र अभिनय से लेकर विशाल सेट और वाइड-एंगल सिनेमैटोग्राफी तक, पूरी फिल्म 'डॉ. स्ट्रेंजेलोव' को श्रद्धांजलि जैसी लगती है। हालांकि, क्रूज के लिए इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात इसके पीछे के फिल्म निर्माता हैं। डिगर की ओर आकर्षित होने के बारे में बात करते हुए, क्रूज ने इन्नारितु के प्रति अपनी लंबे समय से चली आ रही प्रशंसा का जिक्र किया, जो उनकी फिल्म अमोरेस पेरोस से शुरू हुई थी, और बताया कि उन्हें फिल्म निर्माता की कहानी कहने की शैली, अभिनय और विजुअल लैंग्वेज ने उन पर शुरू से ही कितना गहरा प्रभाव डाला था। डिगर को अपनी पहली पसंद की फिल्म बताते हुए टॉम क्रूज ने कहा,'यह वही फिल्म है जिसे मैं बनाना चाहता था।

शुरुआती कॅरियर में शिवांगी का सेट पर उड़ा था मजाक

मुंबई। हाल ही में रिलीज हुए अमेजन एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज हार्ट बीट्स : प्यार और अरमान के सीजन 2 में नजर आईं शिवांगी जोशी को कॅरियर के शुरुआती दौर में भले ही सपोर्ट न मिला हो, लेकिन वह नए कलाकारों के साथ बहुत अच्छे से पेश आती हैं। इसे शिवांगी अपनी जिम्मेदारी समझती हैं। वह कहती हैं कि लड़का हो या लड़की दोनों के लिए इस इंडस्ट्री में काम करना आसान नहीं है। मैं जब नई-नई इस इंडस्ट्री में आई थी, तो मुझे वह सपोर्ट नहीं मिला था। मुझे काफी बुरा महसूस करवाया गया था। मेरी कोशिश बस यही रहती है कि मैं सामने वाले नए कलाकार को जितना सहज महसूस करवा पाऊं करती हूं। उन्हें ऐसे समझाती हूं, ताकि उन्हें बुरा भी न लगे और वह अच्छा करे और उनकी सराहना हो। शिवांगी ने कहा कि शुरुआती कॅरियर में उनका सेट पर मजाक उड़ाया गया था

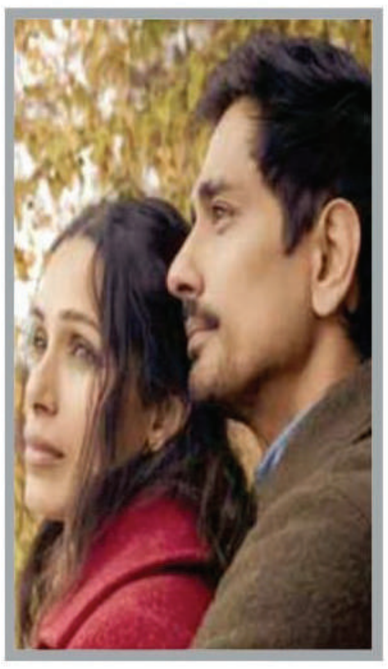

फ्रीडा-सिद्धार्थ की अनकस्टमड अर्थ का पहला लुक जारी

मुंबई। अपकमिंग वेब सीरीज 'अनकस्टमड अर्थ' का पहला लुक जारी कर दिया गया है। इसमें फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ अहम किरदार में हैं। यह सीरीज भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कहानी बताएगी। यह 17 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर स्टारर फ्रीडा पिंटो की अपकमिंग वेब सीरीज 'अनकस्टमड अर्थ' का पहला लुक जारी किया गया है। यह फैमिली ड्रामा है जो झुम्पा लाहिड़ी की इसी नाम की शॉर्ट स्टोरी कलेक्शन पर आधारित है। इस सीरीज में फ्रीडा पिंटो 'पारुल चौधरी' के रोल में और सिद्धार्थ 'अमित' के रोल में हैं। यह सीरीज कैम्ब्रिज, बोस्टन और मैसाचुसेट्स में रहने वाले कई पीढ़ियों के भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कहानी है। यह कहानी अलग-अलग पीढ़ियों के बीच प्यार, नुकसान, अपनापन और रिश्तों जैसे विषयों को दिखाती है। फ्रीडा पिंटो ने पारुल चौधरी का रोल निभाया है।

टीवी मसाला

सास ने की जिंदा जलाने की कोशिश, बेटी से भी किया जुदा

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के हालिया एपिसोड में एक कंटेस्टेंट की कहानी सुनकर भावुक हो गए। दरअसल, शो में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रहने वाली कंटेस्टेंट कपिला तनेजा आईं। उन्होंने सभी के सामने अपने साथ हुए घरेलू हिंसा का भयावह अनुभव शेयर किया। कपिला ने बताया कि उनके ससुराल वालों ने उन्हें जिंदा जलाने की कोशिश की थी।

दूसरे बेबी के जन्म से पहले दीपिका ने लिया बप्पा का आशीर्वाद

मुंबई। बॉलीवुड के चर्चित कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण शुक्रवार को मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे। दोनों ने यहां भगवान गणेश के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। इस दौरान रणवीर के माता-पिता भी उनके साथ नजर आए। मंदिर पहुंचते ही कपल ने पूरे परिवार के साथ पूजा-अर्चना की। दीपिका इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में हैं और मंदिर में भी उनका बेबी बंप साफ नजर आया। मंदिर दर्शन के दौरान दीपिका पादुकोण ने ऑरेंज और पर्पल रंग का कुर्ता सेट पहना हुआ था। वहीं, रणवीर सिंह पर्पल कुर्ते के साथ सफेद पैंट में नजर आए। दोनों का यह सिंपल और ट्रेडिशनल लुक सोशल मीडिया पर भी चर्चा में है। परिवार के साथ मंदिर पहुंचने के दौरान दोनों ने भगवान गणेश के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना की। सिद्धिविनायक मंदिर जाने से ठीक एक दिन पहले रणवीर सिंह मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। गणपति उत्सव के मौके पर रणवीर ने बप्पा के सामने माथा टेका और हाथ जोड़कर प्रार्थना की। इस दौरान अभिनेता गुलाबी रंग के कुर्ते में दिखाई दिए थे। गणपति उत्सव के बीच लगातार मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंच रहे रणवीर का धार्मिक अंदाज फैंस को भी पसंद आ रहा है। रणवीर और दीपिका का सिद्धिविनायक मंदिर से खास कनेक्शन भी रहा है। इससे पहले दोनों 6 सितंबर 2024 को यहां पहुंचे थे। खास बात यह है कि उस दर्शन के महज दो दिन बाद यानी 8 सितंबर को उनके घर बेटी का जन्म हुआ था।

17 दिन में पूरा हो पाया था जीनत का एक सीन

नई दिल्ली। जीनत अमान को हिंदी सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस के तौर पर जाना जाता है। 70 से लेकर 80 के दशक के बीच जीनत ने लेडी सुपरस्टार के तौर पर इंडस्ट्री पर राज किया और इसी दौरान उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की बेस्ट मूवीज भी दीं। उनमें से एक फिल्म भी ऐसी भी रही थी, जिसके एक सीन के लिए जीनत को 17 दिनों का समय लगा था। कमाल की बात ये थी कि जीनत अमान की वह 52 साल पुरानी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। अभिनेत्री जीनत अमान की जिस आइकॉनिक फिल्म के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, उसे साल 1974 में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। समाज को आईना दिखाने वाली उस फिल्म का नाम था- रोटी कपड़ा और मकान। ये एक मल्टी स्टारर फिल्म थी, जिसमें मनोज कुमार, शशि कपूर, अमिताभ बच्चन, जीनत अमान, मौसमी चटर्जी और प्रेम नाथ जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिकाओं को अदा किया था। फिल्म का डायरेक्शन मनोज कुमार ने किया था और ये उनके द्वारा बनाई गई सबसे शानदार मूवीज में से एक रही। एक रिपोर्ट के अनुसार रोटी कपड़ा और मकान के क्लाईमैक्स सीन में जीनत अमान का रोने वाला सीन था और इसके लिए मनोज चाहते थे कि जीनत सच में अपने आंसुओं को निकालें। एक इंटरव्यू के दौरान मनोज कुमार ने बताया था- जीनत अमान कमाल की अदाकारा हैं। मैं चाहता था कि वह अपने आसुओं पर कंट्रोल करें और सीन में डायलॉग के बाद उन्हें बहने दें। फिल्म के लिए मेरे पास सिर्फ 3 दिनों के लिए उनकी डेट्स थीं, क्योंकि अन्य फिल्मों की वजह से वह उन दिनों बहुत व्यस्त थी। लेकिन, उस सीन को खत्म करने में हमें 17 दिन लग गए। मेरी कहने पर उन्होंने अन्य निर्माताओं के साथ अपनी तारीखों में फेरबदल किया।

जीनत का कल्ट गाना

फिल्म रोटी कपड़ा और मकान अपने समय की सबसे सफल मूवीज में से एक मानी जाती है। इस मूवी की तरह जीनत अमान पर फिल्माया गया गाना- हाय हाय ये मजबूरी... भी काफी लोकप्रिय हुआ था और एक्ट्रेस के डांस मूव्स ने हर किसी को दीवाना बना दिया था।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रनेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.